नई दिल्ली । मंगलवार, 05 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्थी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :119 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल आईपीएल 2026 बाहर बैठकर बिताया गया ...
@ विचार एनपीटी समीक्षा सम्मेलन का रणनीतिक महत्व...
@ व्यापार सेंसेक्स में 356 अंकों की उछाल...

बंगाल, असम में भगवा लहर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणाम आखिर कार सामने आ गए है। इसके साथ ही देश की राजनीति में नई हलचल और सियासत तेज हो गई। मतदाताओं ने अपने वोट के जरिए जहां कुछ राज्यों में सत्ता की वापसी कराई है। वही कई जगह बदलाव की तस्वीर स्पष्ट दिखलाई दी है। इन चुनावों का आगामी राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने वाला कहा जा सकता है। अब तस्वीर स्पष्ट हो गई है, जनता ने मुददों और नेतृत्व और भरोसे के आधार पर अपना फैसला सुना दिया है। ऐसा माना जाना चाहिए कि आने वाले दिनों में देश के शीर्ष नेतृत्व में भी परिवर्तन दिखलाई देगा।

बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार

बंगाल की 294 सीटों में से भाजपा ने 146 सीटें जीत ली हैं और 62 पर आगे है। टीएमसी ने 53 सीटें अपने नाम कीं और 26 सीटों पर आगे चल रही है। कांग्रेस को सिर्फ दो सीट पर जीत मिली है। एक सीट फालता पर 21 मई को फिर वोटिंग होगी। भवानीपुर से ममता करीब 6000 वोट से पीछे हैं। वे काउंटिंग सेंटर में करीब 5 घंटे रहीं। बाहर आकर उन्होंने आरोप लगाया कि, मुझे अंदर धक्का दिया और पीटा गया। यहां दोबारा काउंटिंग होनी चाहिए। उन्होंने कहा, बीजेपी ने 100 से ज्यादा सीटें लूट लीं। चुनाव आयोग, बीजेपी का आयोग बन गया है। मैंने बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल से भी शिकायत की। लेकिन वे कुछ नहीं कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि यह जीत है? यह एक अनैतिक जीत है। चुनाव आयोग ने केंद्रीय बलों, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के साथ मिलकर जो कुछ भी किया है वह पूरी तरह से गैर-कानूनी है। यह लूट है, लूट है, लूट है। हम वापसी करेंगे।

बंगाल की फालता सीट पर चुनाव रद्द, 21 मई को दोबारा मतदान

असम में भाजपा की लगातार तीसरी जीत

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) असम में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की ओर बढ़ रहा है, क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने सोमवार को 70 सीटें जीतकर बहुमत हासिल कर लिया। मतगणना जारी रहने के बीच भाजपा ने 58 सीटें जीतीं, जबकि उसके सहयोगी बोडो पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने सात और असम गण परिषद (एजीपी) ने पांच सीटें हासिल कीं।

विपक्षी गठबंधन, जो भाजपा-नेतृत्व वाले एनडीए की हैट्रिक रोकने की कोशिश में था, पीछे चल रहा है और कांग्रेस के 20 सीटों का आंकड़ा पार करने की संभावना कम है। असम में 1.29 प्रतिशत मतदाताओं ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर नोटा का विकल्प चुना।असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, जो जालुकबाड़ी सीट से आरामदायक बढ़त बनाए हुए हैं, ने जनता का आभार जताया और 'अच्छे' हिंदू कांग्रेसी नेताओं से राज्य के भविष्य को सुरक्षित करने तथा 'बांग्लादेशी मिया' के 'आक्रमण' से लड़ने के लिए भाजपा में शामिल होने का आग्रह किया।

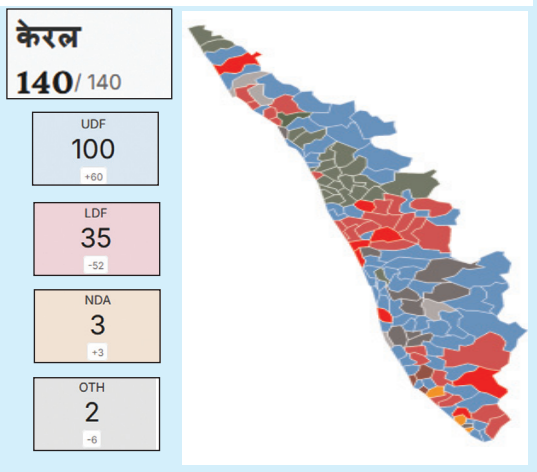

केरलम में कांग्रेस राज

पिनराई विजयन ने सोमवार को 9 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की करारी हार के बाद केरल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, जिससे उनके एक दशक लंबे कार्यकाल का अंत हो गया।

राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और राजभवन के एक बयान के अनुसार, वैकल्पिक व्यवस्था होने तक विजयन से कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में बने रहने का अनुरोध किया है।

कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने राज्य में ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए केरल विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत हासिल किया है।

सीपीआई(एम) के राज्य सचिव एम. वी. गोविंदन ने कहा कि एलडीएफ अपनी हार के कारणों की समीक्षा करेगा और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाएगा। उन्होंने कहा, 'एलडीएफ इस हार का मूल्यांकन और अध्ययन करेगा।

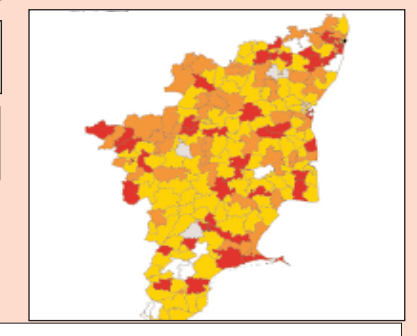

तमिलनाडु में 'विजय' शंखनाद

तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़े बदलाव के रूप में, अभिनेता जोसेफ सी. विजय के नेतृत्व वाली नवगठित तमिलगा वेत्रि कषगम (टीवीके) 2026 के विधानसभा चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) ने स्थिर प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि सत्तारूढ़ द्रमुक (डीएमके) को बड़ा झटका लगा और वह तीसरे स्थान पर खिसक गई। 2026 के विधानसभा चुनावों में तमिलनाडु में अब तक का सबसे अधिक 84.69 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। राज्य की सभी 234 विधानसभा सीटों के लिए 23 अप्रैल, 2026 को मतदान हुआ।

पुडुचेरी में एनडीए की सत्ता बरकरार

ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में सत्ता बरकरार रखी है। 30 विधानसभा सीटों के लिए मतगणना सोमवार सुबह 8 बजे शुरू हुई।

2026 के विधानसभा चुनावों में 91.23% का ऐतिहासिक मतदान दर्ज किया गया। एनडीए ने 18 सीटें जीती हैं (AINRC 12, भाजपा 4, AIADMK 1 और LJK 1)। 30 सदस्यीय सदन में साधारण बहुमत के लिए 16 सीटों की आवश्यकता होती है। INDIA गठबंधन को छह सीटें मिलीं (DMK 5 और कांग्रेस 1)। कई निर्वाचन क्षेत्रों में कांटे की टक्कर देखने को मिली, जहां जीत का अंतर बेहद कम रहा। निर्दलीय उम्मीदवारों ने तीन सीटें जीतीं।

गंगोत्री से गंगासागर तक खिला कमल : पीएम मोदी

घुसपैठियों के खिलाफ एक्शन लेंगे, पहली कैबिनेट में आयुष्मान भारत को मंजूरी मिलेगी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मोदी जब भाजपा मुख्यालय पहुंचे तो नितिन नवीन दूर चल रहे थे। पीएम ने इशारे से अपने बगल में बुलाया और हाथ पकड़कर उनके साथ चले।

पीएम मोदी ने सोमवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पर कहा- बंगाल की पहली कैबिनेट मीटिंग में ही आयुष्मान भारत को मंजूरी मिलेगी। घुसपैठ करने वालों पर एक्शन लिया जाएगा।

महिलाओं को सुरक्षा का महौल मिलेगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा, पलायन रुकेगा। 47 मिनट के भाषण में उन्होंने पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में सरकार बनने पर कहा- गंगोत्री से गंगासागर तक कमल ही कमल खिला है। सालों की साधना जब सिद्धि में बदलती है तो जो खुशी होती है वो खुशी कार्यकर्ताओं के चेहरे पर देख रहा हूं।

गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा पिछले साल 14 नवंबर को मैंने यहीं से कहा था गंगा जी बिहार से आगे होते हुए गंगासागर तक जाती हैं आज बंगाल की जीत के साथ गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक कम ही कमल खिला है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और अब पश्चिम बंगाल। आज मां गंगा के पास बसे राज्यों में भाजपा-एनडीए सरकार है। 2013 में जब भाजपा ने मुझे प्रधानमंत्री के उम्मीदवार के रूप में काम दिया और काशी में जब फॉर्म भरने गया तो मेरे दिल से निकला कि न मुझे किसी ने भेजा है मां गंगा ने मुझे बुलाया है।

बंगाल को बदला नहीं, बदलाव चाहिए बंगाल के भाग्य में आज से एक नया अध्याय जुड़ गया। आज बंगाल भय मुक्त हुआ है। पहली बार डर नहीं लोकतंत्र जीता है। आज जब भाजपा जीती है तो बदला नहीं बदलाव की बात होनी चाहिए। भय नहीं भविष्य की बात होनी चाहिए। मेरी सभी दलों के कार्यकर्ताओं से अपील है कि आइए हिंसा के इस अंतहीन चक्र को हमेशा के लिए खत्म करें। किसने किसे वोट दिया किसे नहीं दिया उससे ऊपर उठकर काम करें।

मां कामाख्या का हम सब पर आशीर्वाद आज में महसूस करता हूं कि मां गंगा का आशीर्वाद हम सब पर है। मां ब्रह्मपुत्र, मां कामख्या का भी हम सब पर आशीर्वाद रहा है। असम की जनता ने तीसरी बार एनडीए पर भरोसा किया है। असम के इतिहास की बहुत बड़ी घटना है असम की टी गार्डन वाले क्षेत्रों में भी भाजपा को समर्थन मिला है। असम अब अपने विकास की रफ्तार अब और बढ़ाएगा।

पुडुचेरी के युवाओं के लिए काम जारी रहेगा साल 2021 में हमने पुडुचेरी की जनता के सामने बेस्ट पुडुचेरी का विजन रखा उन्होंने उस विजन पर विश्वास जताया। पिछले 5 साल में इस विजन को पूरी निष्ठा के साथ गति देने का काम किया गया। मैं पुडुचेरी के युवाओं को फिशरमैन साथियों को भी विश्वास दिलाता हूं कि एनडीए आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए काम करती रहेगी।

अंग, बंग और कलिंग समृद्ध भारत की पहचान जब भारत समृद्ध था तो उसके तीन मजबूत स्तंभ थे अंग यानी आज का बिहार, बंग यानी आज का बंगाल और कलिंग यानी आज का ओडिशा। कलिंग उस समय हिंद महासागर के समुद्री व्यापार का सम्राट था। वहीं अंग सूत रेशम के साथ नालंदा और विक्रमशिला जैसे एजुकेशन सेंटर का हब था और बंग वो सांस्कृतिक धरती थी जहां से भारत की आत्म की आवाज उठती थी।

'भारत जोड़ो यात्रा' के बावजूद राहुल गांधी के खाते में 99 हार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे के बीच लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के राजनीतिक करियर को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले दो दशकों से अधिक समय से कांग्रेस की राजनीति के केंद्र में रहने के बावजूद राहुल गांधी के खाते में 99 चुनावी हार दर्ज हो चुकी हैं। यह संख्या शतक से महज एक कदम दूर है। बड़ी बात यह है कि राहुल गांधी ने सितंबर 2022 में 'भारत जोड़ो यात्रा' की शुरुआत की। उनका दावा था कि यह यात्रा देश को जोड़ने और संविधान की रक्षा करने के लिए है। लेकिन, जब इस यात्रा के बाद कई राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए तो कांग्रेस को मुंह की खानी पड़ी। यहां तक कि जिन राज्यों से होकर यह यात्रा गुजरी, वहां भी कांग्रेस की लुटिया डूबते देर नहीं लगी। अगर बात लोकसभा चुनाव की करें तो भाजपा की सीट जरूर कम हुई, एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का गठन हुआ। इंफो इन डाटा की ओर से जारी एक पोस्टर में राहुल गांधी के 99 चुनावी हार का जिक्र किया गया है। नक्शे में देश के उन राज्यों को चिन्हित किया गया है, जहां कांग्रेस को विभिन्न चुनावों में हार का सामना करना पड़ा। पोस्टर में लोकसभा चुनाव 2014, 2019 और 2024 का भी जिक्र है, जहां कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा था।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इंफो इन डाटा ने पोस्टर शेयर करते हुए एक पोस्ट में लिखा, 'हालांकि अंतिम परिणामों का अभी भी इंतजार है, लेकिन यह बात पक्की हो चुकी है। राहुल गांधी के लिए 99 हार।

विधानसभा उपचुनाव 2026 : 7 सीटों में बीजेपी, 2 में कांग्रेस जीती

सुनेत्रा पवार ने जीत का इतिहास बनाया: 2.18 लाख वोटों से जीतीं

एजेंसी ■ दिल्ली

देश के 5 राज्यों की 7 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के नतीजे आ गए हैं। महाराष्ट्र के बारामती सीट से एनसीपी उम्मीदवार सुनेत्रा पवार ने 2 लाख 18 हजार वोटों के अंतर से ऐतिहासिक जीत दर्ज की। जीत का यह अंतर भारत में किसी विधानसभा चुनाव में सबसे ज्यादा है।

सुनेत्रा पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार की पत्नी हैं, जिनका 28 जनवरी 2026 को विमान हादसे में निधन हो गया था। बारामती अजित पवार की पारंपरिक सीट रही है। यहां से सुनेत्रा की जीत पहले से लगभग तय थी। उनके खिलाफ 22 निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में थे।महाराष्ट्र की राहुरी सीट से भाजपा के अक्षय कार्डिले जीत गए हैं। भाजपा ने गुजरात, नगालैंड और त्रिपुरा की 1-1 सीट भी जीत ली है। कर्नाटक की बागलकोट और दावणगेरे साउथ सीट पर कांग्रेस उम्मीदवारों ने जीत हासिल की।उपचुनाव वालीं सभी 7 सीटें पूर्व विधायकों की मौत के कारण खाली हुई थीं।

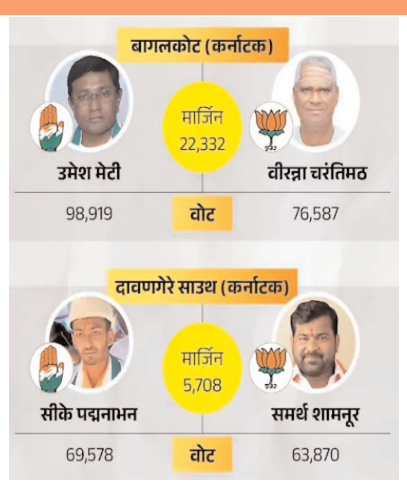

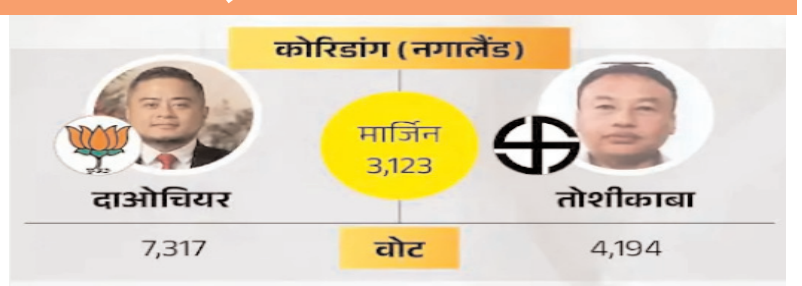

पीएम मोदी का 'मैजिक', 22 राज्यों में सरकार और पूरे देश में 2013 के मुकाबले 3 गुना से ज्यादा पार्टी के विधायक

नई दिल्ली। 13 सितंबर 2013 को हुई भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर नरेंद्र मोदी का नाम घोषित किया गया। तब भाजपा या एनडीए की देश के कुछ गिने-चुने राज्यों में ही सरकार थी। देश के कई राज्य तो ऐसे थे, जहां भाजपा की जमीनी पकड़ भी शून्य थी। लेकिन, आज देश के 31 में से 22 राज्यों में भाजपा या एनडीए गठबंधन की सरकार है। यानी 22 राज्यों में सत्ता के शिखर पर भाजपा या एनडीए के नेता सीएम के तौर पर काबिज हैं। भाजपा को यह उपलब्धि 2014 के बाद हासिल हुई है और इसमें सबसे बड़ा योगदान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का है।

भाजपा ने देश के कई ऐसे राज्यों में पीएम मोदी के नेतृत्व में राजनीतिक जमीन मजबूत की, जिसके बारे में वह कभी सोचती भी नहीं थी। हिंदी पट्टी के राज्यों के अलावा ओडिशा और अब पश्चिम बंगाल ये दो ऐसे राज्य रहे जहां की सत्ता हासिल करने के लिए भाजपा को खूब मेहनत करनी पड़ी। ओडिशा में तो भाजपा ने सत्ता हासिल की है। अब भाजपा ने ममता बनर्जी को बंगाल की सत्ता से विदाई दे दी है। यह एक ऐसा राज्य है जहां भाजपा को अपनी राजनीतिक जमीन तैयार करने में कई कार्यकर्ताओं के जीवन की आहुति का दर्द बर्दाश्त करना पड़ा।

अभी भारत का पूरा का पूरा नक्शा भगवा नजर आने लगा है। सुदूर दक्षिण से उत्तर तक और पूरब से पश्चिम तक हर तरफ भाजपा का परचम लहरा रहा है।

भाजपा और एनडीए की उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड, असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, गोवा, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मणिपुर, बिहार, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, सिक्किम, मेघालय, नागालैंड और पुडुचेरी में सरकार है। इसमें नया नाम पश्चिम बंगाल का भी जुड़ गया है।

पीएम मोदी के 2014 में प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने से पहले के आंकड़े पर नजर डालें तो सितंबर 2013 तक भारत के राज्यों में अगर भाजपा के विधायकों के आंकड़े को देख लें तो यह 773 थी। जबकि 4 मई 2026 जबकि पांच राज्यों में मतगणना चल रही है उसको मिलाकर देखें तो यह 1,798 की संख्या को पार कर गई है। बता दें कि इन 5 राज्यों के चुनाव के आंकड़े अभी पूरी तरह से घोषित नहीं हुए हैं। ऐसे में इन आंकड़ों में थोड़ा बहुत बदलाव हो सकता है। लेकिन, कहने का मतलब यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केवल केंद्र की सत्ता का रास्ता ही भाजपा के लिए तैयार नहीं किया बल्कि कई राज्यों में भाजपा की सरकार स्थापित करा दी।

आंध्र प्रदेश में जहां 2013 में भाजपा के पास दो विधानसभा सीटें थी वहीं 2026 में सीटों की संख्या 8 हो गई।

तमिलनाडु चुनावः कोलाथुर से टीवीके के वीएस बाबू से हारे एमके स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को कोलाथुर विधानसभा क्षेत्र में हार का सामना करना पड़ा, जो डीएमके के लिए एक महत्वपूर्ण झटका है और राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में एक नाटकीय बदलाव का संकेत देता है।

यह चौंकाने वाली हार अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के व्यापक उदय के बीच हुई।

टीवीके के वीएस बाबू ने कोलाथुर से जीत हासिल की। उन्होंने 68,419 वोट हासिल किए और स्टालिन को 7,731 वोटों के अंतर से हराया।

टीवीके के उम्मीदवार विजय धामू ने भी रॉयपुरम निर्वाचन क्षेत्र से चौंकाने वाली जीत दर्ज की, जो एक ऑटो चालक हैं। उन्होंने एआईएडीएमके के दिग्गज नेता और पूर्व मंत्री डी. जयकुमार और डीएमके के सुबैर खान, जो पूर्व मंत्री रहमान खान के बेटे हैं, को हराया।

इस जीत को व्यापक रूप से जमीनी स्तर पर सशक्तिकरण के प्रतीक और बदलाव चाहने वाले मतदाताओं के स्पष्ट संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

जैसे ही टीवीके का प्रभावशाली प्रदर्शन स्पष्ट हुआ, राजनीतिक और मनोरंजन जगत से बधाई संदेशों की बाढ़ आ गई।

अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने विजय की शानदार और प्रभावशाली जीत की सराहना करते हुए जनसमर्थन की व्यापकता को रेखांकित करने के लिए उनके एक प्रतिष्ठित फिल्म संवाद का उल्लेख किया।उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में इस परिणाम को उनकी दूरदर्शिता, दृढ़ता और जनता के साथ गहरे जुड़ाव का प्रमाण बताया।

आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश ने भी विजय को बधाई देते हुए कहा कि परिणाम तमिलनाडु के मतदाताओं की विकसित होती आकांक्षाओं को दर्शाते हैं।

हाई-प्रोफाइल सीट पर भाजपा का कब्जा बरकरार, आसनसोल दक्षिण में अग्निमित्रा पॉल की जीत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की हाई-प्रोफाइल मानी जाने वाली आसनसोल दक्षिण विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कब्जा बरकरार रखा है। यहां से पार्टी की उम्मीदवार और मौजूदा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने 2026 के विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज करते हुए लगातार दूसरी बार इस सीट पर कब्जा जमाया है।

चुनाव आयोग के डेटा के मुताबिक, अग्निमित्रा पॉल को कुल 1,19,582 वोट मिले और उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 40,839 वोटों के बड़े अंतर से हराया। यह जीत औद्योगिक क्षेत्र में भाजपा की बढ़ती पकड़ का संकेत देती है।

आसनसोल दक्षिण सीट पर इस बार मुकाबला बेहद दिलचस्प और त्रिकोणीय रहा। भाजपा की अग्निमित्रा पॉल के सामने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक तापस बनर्जी तथा वाम मोर्चा की ओर से सीपीआई (एम) उम्मीदवार शिल्पी चक्रवर्ती मैदान में थीं। हालांकि, परिणामों ने साफ कर दिया कि इस सीट पर अग्निमित्रा पॉल का जनाधार पहले से और मजबूत हुआ है।

यह सीट ऐतिहासिक रूप से भी काफी अहम रही है। 1951 के पहले आम चुनाव में अस्तित्व में आई इस विधानसभा सीट को परिसीमन के बाद 2011 में 'आसनसोल दक्षिण' के रूप में नया स्वरूप मिला। 2011 और 2016 में यहां टीएमसी के तापस बनर्जी ने लगातार जीत दर्ज की थी, लेकिन 2021 में भाजपा ने पहली बार यहां जीत हासिल की, जब अग्निमित्रा पॉल ने कड़े मुकाबले में टीएमसी की सयानी घोष को हराया था।

2026 में मिली यह जीत इस बात का संकेत है कि भाजपा ने इस सीट पर अपनी पकड़ को और मजबूत कर लिया है। खास बात यह भी है कि आसनसोल एक प्रमुख औद्योगिक, रेलवे और कोयला खनन क्षेत्र है, जहां मतदाताओं की सामाजिक और भाषाई संरचना काफी विविध है। यहां बंगाली मतदाताओं के साथ बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश से आए हिंदी भाषी कामगारों की बड़ी संख्या चुनावी समीकरण को प्रभावित करती है।

इसके अलावा, मजदूर वर्ग, अनुसूचित जाति (एससी) और अल्पसंख्यक समुदाय के वोट भी इस सीट पर बेहद अहम माने जाते हैं।

यह जीत विकास, नारी शक्ति और 'विकसित असम' की परिकल्पना के पक्ष में : सीएम सरमा

नई दिल्ली। असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में आने की हैट्रिक लगाने जा रही है। रुझान में असम में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने जा रही है। इस बीच असम में भाजपा और सहयोगी दलों के शानदार प्रदर्शन पर हिमंता बिस्वा सरमा की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'जनता का आशीर्वाद, तीसरी बार, विकास और विरासत के लिए, असम की जनता ने प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व पर लगातार तीसरी बार अपना विश्वास जताया है। यह हमारे कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों, जिनका नेतृत्व अध्यक्ष नितिन नवीन ने किया और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प के बिना संभव नहीं हो पाता।'

उन्होंने आगे लिखा, ''यह जीत विकास, नारी शक्ति, अस्मिता और एक 'विकसित असम' की परिकल्पना के पक्ष में दिया गया जनादेश है। यह विशाल जनादेश जनता के मिजाज को दर्शाता है, बराक से लेकर ब्रह्मपुत्र तक और ऊपरी असम से लेकर निचले असम तक, जिन्होंने विकास और अस्मिता के विमर्श के साथ पूरी दृढ़ता से खड़े रहने का निर्णय लिया है। अत्यंत विनम्रता के साथ, हम जनता के आशीर्वाद के समक्ष नतमस्तक हैं और 'विकसित एवं सुरक्षित असम' के हमारे आह्वान पर उन्होंने जो जोरदार समर्थन दिया है, उसके लिए हम उनके आभारी हैं। असम को भारत के शीर्ष 5 राज्यों में शुमार करने के हमारे अथक प्रयास, आज से और भी अधिक जोर-शोर से जारी रहेंगे।''

इससे पहले सीएम सरमा ने एक्स पर लिखा, ''शतक के साथ हैट्रिक।''

चुनाव आयोग के अनुसार, असम में 126 विधानसभा सीटों में से एनडीए 100 से ज्यादा सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 82 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है, जिसमें 51 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है, वहीं 31 सीटों पर आगे चल रही है। एनडीए में शामिल अन्य दल, एजीपी को 10 सीटों पर आगे है, जिसमें 3 पर जीत और 7 सीट पर आगे चल रही है। वहीं बीपीएफ 10 सीट पर आगे चल रही है, जिसमें 6 सीट पर उसे जीत और 4 सीट पर आगे है।

इसके अलावा कांग्रेस 19 सीटों पर आगे है, जिसमें एक सीट पर पार्टी को जीत मिली है, जबकि 18 सीटों पर आगे है।

जगन्नाथपुरी से कोलकाता पहुंचे 'चांदी के गांधी', बोले-बंगाल में अब विकास को मिलेगी गति

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा को मिले जनादेश पर सिल्वर गांधी ने खुशी जाहिर की। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की वेशभूषा में एक शख्स ओडिशा के जगन्नाथ पुरी से पैदल यात्रा करके पश्चिम बंगाल पहुंचा। सड़क पर सिल्वर रंग में रंगे शख्स को देखने के लिए भीड़ जुट गई।

उन्होंने कहा कि वह पश्चिम बंगाल में भाजपा को मिली बढ़त से खुश हैं। इस मौके वो खास बनाना चाहते हैं। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की खुशी है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। आज की तारीख में प्रदेश में भाजपा के लिए स्थिति पूरी तरह से अनुकूल नजर आ रही है। इसके लिए मैं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का धन्यवाद करना चाहता हूं, जो मूल रूप से कुशल रणनीति बनाने के लिए जाने जाते हैं।

इसके अलावा, हमें पश्चिम बंगाल के लोगों का भी दिल से धन्यवाद करना होगा, जिन्होंने इस बार बदलाव का मन बनाते हुए भाजपा को मौका देने का फैसला किया है। उनके जेहन में यह विश्वास जगा कि अगर हम भाजपा को मौका देंगे तो प्रदेश में विकास की गति तेज होगी। इन्हीं सब स्थिति को देखते हुए हमें प्रदेश की जनता के प्रति भी आभारी होना चाहिए।

जब उनसे सवाल किया गया कि आपने महात्मा गांधी की वेशभूषा क्यों धारण की है, तो उन्होंने कहा कि मैं स्वच्छ भारत मिशन का प्रचारक हूं। मैं पैदल यात्रा करके स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार कर रहा हूं। आज कोलकाता के विजय का दिन है। इसी को देखते हुए मैं पैदल यात्रा करके यहां पर आया हूं।

वहीं, भाजपा नेता शिशिर बाजोरिया ने भी पश्चिम बंगाल में भाजपा को मिली बढ़त पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि श्याम प्रसाद मुखर्जी की भूमि पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के दल ने इतिहास रचने का काम किया है। इस बार पश्चिम बंगाल की जनता ने यह तय कर लिया था कि इस बार लुटेरों की पार्टी टीएमसी का हर हाल में विसर्जन करके रहेगी।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत सनातन की जीत और ममता की तानाशाही के अंत की शुरुआतः सांसद बृजमोहन अग्रवाल

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी के ऐतिहासिक प्रदर्शन पर रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपनी प्रतिक्रिया दी है , उन्होंने इसे देश की राजनीति के लिए एक निर्णायक मोड़ बताया।

बृजमोहन ने कहा कि, यह विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के मार्गदर्शन और गृह मंत्री अमित शाह जी की कुशल रणनीति का परिणाम है।

बंगाल की जीत: विकास और सनातन की पुनर्स्थापना

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बंगाल के परिणामों पर खुशी जताते हुए कहा कि, ये जीत सिर्फ बंगाल की जीत नहीं है, ये पूरे देश की जीत है, ये सनातन की जीत है और घुसपैठ के विरोध की जीत है।

उन्होंने कहा कि यह जीत बंगाल में व्याप्त अनार्की (अराजकता) और कानून-व्यवस्था के समाप्त होने के विरुद्ध जनता का जनादेश है। पिछले 15-20 सालों से बंगाल का विकास रुक गया था और जनता नारकीय जीवन जीने को मजबूर थी, जिससे अब उन्हें मुक्ति मिली है।इस अवसर पर बृजमोहन ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को करते हुए कहा कि, आज पश्चिम बंगाल की धरती पर भाजपा की यह प्रचंड विजय केवल एक चुनावी परिणाम नहीं, बल्कि उस विचार, उस संकल्प और उस बलिदान की गूंज है।

'अगर विजय अकेले लड़ेंगे चुनाव तो पाएंगे बहुमत', प्रशांत किशोर का 2025 का दावा हुआ सच

नई दिल्ली। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में राज्य की राजनीति में पहली बार चुनाव लड़ रही थलपति विजय की पार्टी टीवीके को जिस तरह का बहुमत प्राप्त होता दिख रहा है। इस पर विश्वास कर पाना बड़ा मुश्किल है। जिस राज्य की सत्ता डीएमके और एआईएडीएमके के इर्द-गिर्द ही घूमती रही है। वहां 2026 के विधानसभा चुनाव में थलपति विजय की पार्टी ने जो करिश्मा किया है। वह हर किसी को सोचने पर मजबूर कर दे रहा है।

यहां की सत्ता के शिखर पर विराजमान होने के लिए टीवीके को जनता का भरपूर समर्थन मिला है। ऐसे में चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर का 2025 का टीवीके को लेकर किया गया दावा अब वायरल हो रहा है। दरअसल, पीके ने तब दावा किया था कि अगर विजय की पार्टी तमिलनाडु का चुनाव अकेले अपने दम पर लड़ती है तो उन्हें वहां जनता का भरपूर समर्थन मिलेगा और उनकी पार्टी की सरकार भी बहुमत के साथ वहां बनेगी।

अब तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद मतगणना के रुझान जैसे-जैसे स्पष्ट होते जा रहे हैं, प्रशांत किशोर की यह राजनीतिक टिप्पणी सोशल मीडिया पर फिर से चर्चा में आ गई है। राजनीतिक रणनीतिकार और राजनेता प्रशांत किशोर ने अभिनेता से राजनेता बने विजय के बारे में कुछ महीने पहले ही भविष्यवाणी कर दी थी कि उनकी पार्टी तमिलनाडु में सरकार का गठन करेगी।

चुनाव विश्लेषक, रणनीतिकार और राजनेता पीके ने जब कहा था कि तमिलनाडु में टीवीके जीत सकती है, तो कई लोगों ने इस भविष्यवाणी को मजाक में लिया क्योंकि लोग मानते थे कि एक ऐसी पार्टी जो अभी-अभी राजनीति में आई है और जिसका नेतृत्व एक ऐसे अभिनेता कर रहे हैं, जिन्हें राजनीति का कोई अनुभव नहीं है, वह पार्टी इतनी बड़ी उपलब्धि कैसे हासिल कर पाएगी।

टीवीके की सफलता के बारे में पीके ने यह भविष्यवाणी चुनाव होने से एक साल पहले एक मीडिया चैनल के साथ की थी।

मार्च 2025 में, टीवीके के गठन के ठीक एक साल बाद, थंथी टीवी को दिए एक साक्षात्कार में प्रशांत किशोर ने कहा था, ''विजय का संकल्प अकेले चुनाव लड़ने का है। मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई बदलाव आएगा। अगर वह अकेले चुनाव लड़ते हैं, तो तमिलनाडु में उनके जीतने की बहुत अच्छी संभावना है।''

उनसे उस दौरान बात कर रहे पत्रकार ने भी आश्चर्य से भरकर पूछा था कि तमिलनाडु में 'जीत' का मतलब होगा कि टीवीके 118 निर्वाचन क्षेत्रों में विजयी हो, जो 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में बहुमत के लिए आवश्यक संख्या है, तो पीके ने जोर देते हुए कहा था कि वह अपनी बात पर कायम हैं। उन्होंने तब कहा था, ''जी हां, बिल्कुल। इस वीडियो को संभाल कर रखें और तमिलनाडु में नतीजे आने पर इसे चलाएं।''

साक्षात्कार में भी तब पीके ने विजय से संबंध को लेकर कहा था, ''हम राजनीतिक सहयोगियों से कहीं अधिक मित्रवत रहे हैं। हमने पहली बार पांच साल पहले एक-दूसरे से बात की थी। मैं उनका राजनीतिक सलाहकार नहीं हूं। हमारे विचार मिलते-जुलते हैं।''

साक्षात्कार के उस वीडियो में पीके दावा करते सुने जा सकते हैं कि अगर विजय की पार्टी अकेले चुनाव लड़ती है, तो ''उनके जीतने की बहुत अच्छी संभावना है। मेरा मतलब सीटें जीतने से नहीं है, मेरा मतलब तमिलनाडु जीतने से है।''

पीके ने वीडियो में आगे कहा, ''मेरी समझ, सुझाव और आंकड़े बताते हैं कि अगर वह अकेले चुनाव लड़ते हैं तो उनके जीतने की बहुत अच्छी संभावना है।

आप हैरान रह जाएंगे। मेरा मतलब सिर्फ सीटें जीतना नहीं है, मेरा मतलब तमिलनाडु जीतना है। इस वीडियो को संभाल कर रखें और नतीजे आने पर इसे चलाएं। अगर वह मेहनत और समय लगाते हैं तो उनके जीतने की बहुत अच्छी संभावना है। अगर एआईएडीएमके भाजपा के साथ गठबंधन करती है और डीएमके का गठबंधन जैसा है, वैसा ही बना रहता है और टीवीके अकेले चुनाव लड़ती है, तो यह बात पक्की है कि उनके (विजय) जीतने की बहुत अच्छी संभावना है।

संक्षिप्त खबरें

बालोद विधायक संगीता सिन्हा बनीं महिला कांग्रेस की प्रभारी अध्यक्ष

रायपुर। छत्तीसगढ़ की सियासत से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर सामने आ रही है। लंबे समय से चल रहे सस्पेंस पर अब पूरी तरह विराम लग गया है। दिल्ली दरबार ने संजारी बालोद की तेजतर्रार विधायक संगीता सिन्हा पर भरोसा जताते हुए उन्हें छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस का प्रभारी अध्यक्ष नियुक्त कर दिया है। ऑल इंडिया महिला कांग्रेस की ओर से जारी इस आदेश के बाद प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

दिल्ली में खिंची थी सियासी बिसात

आपको बता दें कि इस कुर्सी के लिए दावेदारी की रेस काफी दिलचस्प रही। इसी साल जनवरी में दिल्ली में इसके लिए बाकायदा शक्ति प्रदर्शन और इंटरव्यू राउंड हुआ था। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा के सामने प्रदेश की 5 कद्दावर महिला नेत्रियों अनिला भेड़िया, संगीता सिन्हा, छन्नी साहू, ममता चंद्राकर और तुलिका कर्मा ने अपनी-अपनी दावेदारी पेश की थी। तभी से कयास लगाए जा रहे थे कि आखिर आलाकमान किसके नाम पर मुहर लगाएगा।

दो दिग्गजों के बीच फंसा था पेंच

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मुकाबला मुख्य रूप से छन्नी साहू और संगीता सिन्हा के बीच ही टिका हुआ था। संगठन के भीतर एक गुट जहां छन्नी साहू के पक्ष में लामबंद था, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल खेमे से संगीता सिन्हा की दावेदारी को काफी मजबूत माना जा रहा था। काफी खींचतान और सियासी समीकरणों को साधने के बाद अंतत: संगीता सिन्हा का पलड़ा भारी रहा।

बालोद से रायपुर तक जश्न का माहौल

संगीता सिन्हा की नियुक्ति की खबर मिलते ही बालोद और रायपुर स्थित कांग्रेस मुख्यालय में कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। सूत्रों की मानें तो महिला कांग्रेस में अब बड़े बदलावों की तैयारी है। नई अध्यक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती आगामी दिनों में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और महिला वोटर्स को साधने की कोशिश है।

ट्रांसमिशन कंपनी और ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी के बीच सामूहिक दुर्घटना बीमा पर अनुबंध

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मानव संसाधन विभाग द्वारा अपने नियमित अधिकारियों- कर्मचारियों के लिए सामूहिक व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा पॉलिसी कराई गई। इस संबंध में आज मुख्य अभियंता मानव संसाधन ट्रांसमिशन कार्यालय में अनुबंध करार किया गया। बीमा पॉलिसी 5 मई 2026 रात्रि 12 बजे से एक वर्ष के लिए प्रभावशील होगी। इस अवसर पर मुख्य अभियंता मानव संसाधन ट्रांसमिशन रश्मि वर्मा एवं ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक प्रदीप कुमार सिंहा के बीच औपचारिक दस्तावेजों का आदान प्रदान किया गया। कार्यक्रम मे उपमहाप्रबंधक औद्योगिक संबंध गोपाल खंडेलवाल, सहायक टीपी शर्मा ,ओरिएंटल इंश्योरेंशन कंपनी के महाप्रबंधक श्री लुकेश साहू उपस्थित थे। योजना के तहत कार्य अवधि में मृत्यु होने पर जोखिम राशि रुपए 15 लाख एवं कार्य अवधि के अलावा अन्य अवधि में दुर्घटनावश मृत्यु होने पर राशि रुपए 5 लाख प्रति कार्मिक देने का प्रावधान किया गया है। कंपनी द्वारा दुर्घटना की सूचना अनिवार्य रूप से बीमा कंपनी को 24 घंटे के भीतर देना होगा। साथ ही 30 दिन के अंदर निर्धारित दावा प्रपत्र एवं समस्त वांछित दस्तावेजों की 3प्रतियां व्यक्तिगत रूप से उप महा प्रबंधक औद्योगिक संबंध छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कार्यालय से परीक्षण कराके बीमा कंपनी को भेजना अनिवार्य होगा।

रायपुर प्यासा, सत्ता बेपरवाह-पानी के लिए आम जनता लड़ रही जंग : आप

रायपुर, । आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष (कर्मचारी विंग) विजय कुमार झा, प्रदेश सचिव अनुषा जोसेफ़ और रायपुर लोकसभा अध्यक्ष अजीम खान द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आप नेताओं ने कहा कि राजधानी रायपुर में उत्पन्न भीषण पेयजल संकट ने आम नागरिकों का जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। शहर के अनेक क्षेत्रों—चंगोराभाटा, रायपुरा, मोवा, पंडरी, सक्ति नगर, दलदल सिवनी,सुंदर नगर सहित कई इलाकों में लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरसने को मजबूर हैं। राजधानी रायपुर में अनेक इलाकों में लगातार जल स्तर गिर रहा है, रायपुर के ज़ोन 1 में ठक्कर बाबा वार्ड में रोजाना पानी के लिए लोग तरस रहे हैं। ज़ोन 3 के खम्हारडीह का पूरा इलाका जो जहां लगभग 30000 लोग रहतें हैं वहां 90 फ़ीसदी लोग पेयजल संकट से गुजर रहें हैं। ज़ोन 5 के वार्ड 3,वार्ड 67, वार्ड 68 और वार्ड 69 में पानी के हालात गंभीर बने हुए हैं। ज़ोन 6 के प्रोफेसर कॉलोनी,शिवाजी नगर, परशुराम नगर, मारुति नगर में आधा हिस्सा पानी से प्रभावित है।

22 लाख रुपए के लिए महिला का अपहरण, सभी आरोपी गिरफ्तार

सूरजपुर। जिले में महिला की किडनैपिंग और 22 लाख की फिरौती मामले में पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने बताया कि महिला का अपहरण किसी बाहरी गैंग ने नहीं, बल्कि घर से जुड़े ड्राइवर ने ही अपने दो साथियों के साथ मिलकर किया था।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ड्राइवर सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी अभी फरार है और उसकी तलाश जारी है।

रिटायर्ड कॉलरी कर्मचारी पैत्रुस कुजूर अंबिकापुर गए हुए थे, जबकि उनकी पत्नी ललिता कुजूर घर में अकेली थीं। इसी दौरान आरोपी कार बुकिंग के बहाने घर पहुंचे और महिला को अकेला पाकर उस के हाथ-पैर बांधकर उसका अपहरण कर लिया और उसे अपने साथ ले गए।

रिटायरमेंट में मिले पैसों के लालच में घटना को दिया अंजाम

वहीं जब पैत्रुस कुजूर घर लौटे तो उनके मोबाइल पर कॉल आया, जिसमें अज्ञात व्यक्ति ने 22 लाख रुपये की फिरौती मांगी और धमकी दी कि पैसे नहीं देने पर महिला को नहीं छोड़ा जाएगा।

इस सूचना के बाद परिजनों में हड़कंप मच गया और तुरंत पुलिस को जानकारी दी गई।

अपहरणकर्ताओं ने महिला को करीब 12 घंटे तक बंधक बनाकर रखा। इस दौरान उसे लगातार डराया-धमकाया गया।

पुलिस की बढ़ती दबिश और सघन तलाशी अभियान से घबराकर आरोपी महिला को देर रात करीब 3 बजे बाईपास रोड के पास छोड़कर फरार हो गए।

महिला को गंभीर हालत में बरामद कर जिला अस्पताल सूरजपुर में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

जांच के दौरान पुलिस को बड़ा सुराग मिला, जिससे पता चला कि इस पूरी वारदात का मास्टरमाइंड खुद ड्राइवर ही है। उसने अपने दो साथियों के साथ मिलकर रिटायरमेंट में मिले पैसों के लालच में इस घटना को अंजाम दिया।

पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और तीसरे आरोपी की तलाश जारी है।

छत्तीसगढ़ व्यापम भर्ती : सब ऑडिटर के 69 पदों पर आवेदन शुरू, 22 मई आखिरी तारीख

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (सीजी व्यापम), रायपुर, ने कार्यालय आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, छत्तीसगढ़ के अंतर्गत सब ऑडिटर (उप अंकेक्षक) के कुल 69 पदों पर भर्ती के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करके रिक्तियों की घोषणा की है। इन पदों में अनारक्षित (यूआर) के 29, अनुसूचित जाति (एससी) के 8, अनुसूचित जनजाति (एसटी) के 22, और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के 10 पद शामिल हैं। सीजी व्यापम की ओर से जारी पदों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 29 अप्रैल से शुरू हो गई है और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 22 मई तय की गई है। ऐसे में जो योग्य और इच्छुक उम्मीदवार एप्लीकेशन फॉर्म भरना चाहते हैं, वे आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर तय अंतिम तिथि की शाम 05.00 बजे तक या उससे पहले अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा कर सकते हैं। वहीं, जिन अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र भरते समय कुछ गलती हो जाएगी, उनके लिए त्रुटि सुधार विंडो 23 मई से 25 मई की शाम 05.00 बजे तक खुला रहेगा।

ऑनलाइन गेमिंग पर पुलिस की पैनी नजर

रायपुर। अगर आप भी मोबाइल पर वर्चुअल लूडो, फैंटेसी क्रिकेट या कोई भी ऑनलाइन गेम के खिलाड़ी हैं, तो यह खबर आपके सामने है। 1 मई 2026 से पूरे देश के साथ-साथ छत्तीसगढ़ में भी ऑनलाइन गेमिंग के नियम पूरी तरह बदल दिए गए हैं। अब प्रशासन ने ऐसी कमर कैसी है कि आपकी एक छोटी सी गलती आपको सीधे इनकम टैक्स के आंकड़े पर ले जाएगी। बिटकॉइन से मिली जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ पुलिस अब उन एप्स की लिस्ट तैयार कर रही है जो 'मनी गेम' की प्रतिष्ठा के अनुसार सट्टेबाजी करा रही हैं।

गेमिंग अब सिर्फ मनोरंजन नहीं, कानूनी जाल है

नए मानक के तहत अब खेलों को तीन स्टैटिक मानक में बाँट दिया गया है। अगर आप भी ऐसे किसी गेम में पैसा लगा रहे हैं जहां एक्सचेंज में पैसा मिलने की उम्मीद है, तो समझ लें कि आप खतरे की घंटी बजा रहे हैं। ऑफ़लाइन मनी गेम यह सबसे खतरनाक श्रेणी है। इसमें कैश के साथ-साथ टोकन या वर्चुअल कॉइन भी शामिल हैं। सरकार ने इसे लगभग एक श्रेणी में प्रतिबंधित रखा है। ई-स्पोर्ट्स पूरी तरह से विभिन्न प्रकार के डायनासोर पर आधारित है, लेकिन यहां भी टैक्स से पीछा नहीं छूटेगा। यह सबसे सुरक्षित है, जैसे साधारण लूडो या पेजल, जहां पैसे का कोई मज़ाक नहीं होता।

महादेव ऐप जैसा हाल न हो जाए

वहीं छत्तीसगढ़ के दुर्ग और भिलाई जैसे तेलंगाना में पिछले कुछ समय से ऑनलाइन सट्टेबाजी के बड़े सिंडिकेट पकड़े गए हैं।

एक ग्रामीण का न्योता, मुख्यमंत्री का अपनापन प्रधानमंत्री आवास से साकार हुआ सपना

रायपुर। कबीरधाम जिले के ग्राम लोखान में आज एक अत्यंत भावनात्मक, आत्मीय और जनसरोकारों से जुड़ा दृश्य देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक सामान्य ग्रामीण के सादे निमंत्रण को न केवल स्वीकार किया, बल्कि उसे अपने व्यवहार से एक यादगार क्षण में परिवर्तित कर दिया। गांव में उनके आगमन से जहां उत्साह और जिज्ञासा का माहौल बना हुआ था, वहीं इस पूरे घटनाक्रम ने शासन और आमजन के बीच के आत्मीय संबंधों को भी जीवंत रूप में सामने रखा।

ग्राम लोखान निवासी मोहन मरावी के नए पक्के घर का आज गृह प्रवेश कार्यक्रम था। जैसे ही उन्हें यह जानकारी मिली कि मुख्यमंत्री गांव के दौरे पर हैं, वे बिना देर किए सीधे उनके पास पहुंचे और अपने घर आने का न्योता दे दिया। यह एक ग्रामीण का असाधारण प्रेम भरा अनुरोध था, जिसे मुख्यमंत्री ने उसी सहजता और विनम्रता के साथ स्वीकार किया और उनके घर पहुंचकर इस अवसर को विशेष बना दिया।

मुख्यमंत्री के मोहन मरावी के घर पहुंचते ही वहां एक आत्मीय और पारिवारिक वातावरण बन गया। उन्होंने बिना किसी औपचारिकता के पूरे स्नेह और अपनत्व के साथ नारियल फोड़ा, दीप प्रज्वलित किया और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ गृह प्रवेश की रस्म संपन्न कराई। इस दौरान परिवार के सदस्यों के चेहरे पर जो संतोष, गर्व और खुशी झलक रही थी, वह इस बात का प्रतीक थी कि उनके सपनों का घर अब साकार हो चुका है। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने भी इस क्षण को उत्साहपूर्वक देखा और मुख्यमंत्री की सादगीपूर्ण शैली की सराहना की।

इस आत्मीय संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने मुस्कुराते हुए मोहन से पूछा— 'आवास कोन भेजिस?' इस पर मोहन ने सहजता के साथ उत्तर दिया— 'मोदी जी ने।' यह छोटा-सा संवाद पूरे माहौल को भावनात्मक गहराई से भर गया और यह दर्शाता है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी का क्रियान्वयन सीधे लोगों के जीवन में किस प्रकार आशा और विश्वास का संचार कर रहा है। मुख्यमंत्री साय ने मोहन मरावी और उनके परिवार से विस्तार से बातचीत करते हुए उनके नए घर के निर्माण की प्रक्रिया के बारे में जाना। मोहन ने बताया कि उनका यह घर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्राप्त राशि और अपने परिश्रम से तैयार हुआ है।

पुलिया से गिरी कार, चार युवकों की मौत, दो घायल

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

यह हादसा रविवार देर रात पंडरिया क्षेत्र के गडई गांव के पास हुआ। सभी युवक रायपुर के निवासी थे और एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे।

बताया जा रहा है कि तेज मोड़ पर कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे पुलिया से लगभग 40-50 फीट नीचे नदी के सूखे तल में जा गिरी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान अरमान अली (20), मोहम्मद सैफ (19), अनस अली (21) और कोनैन (19) के रूप में हुई है।

दोनों घायलों (उम्र 19 और 21 वर्ष) को पहले नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, बाद में बेहतर इलाज के लिए रायपुर के अलग-अलग अस्पतालों में रेफर किया गया। पुलिस के मुताबिक सभी युवक रायपुर के बीरगांव इलाके के रहने वाले थे। हादसे के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

रायपुर में पानी के लिए हाहाकार कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

रायपुर। रायपुर में पानी की गंभीर समस्या को लेकर कांग्रेस नेताओं और स्थानीय लोगों ने नगर निगम जोन-8 कार्यालय का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया। ये आंदोलन गुढ़ियारी, अशोक नगर और बजरंग चौक के क्षेत्रों में लंबे समय से चल रही जल संकट की समस्या को लेकर किया गया।

रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 19, दुर्गा चौक, बजरंग चौक, बड़ा अशोक नगर और आसपास की बस्तियों में पिछले कई दिनों से पानी की भारी किल्लत बनी हुई है। हालात इतने खराब हैं कि लोगों को पीने का पानी तक एक किलोमीटर दूर से लाना पड़ रहा है। अधिकांश बोरिंग

खराब हो चुके हैं। पानी टैंकर की व्यवस्था भी पर्याप्त नहीं है, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ गई है।

टैक्स वसूल रहा पर पानी नहीं दे पा रहा निगम

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महामंत्री सुबोध हरितवाल ने कहा कि पानी जैसी मूलभूत सुविधा के अभाव में लोगों में भारी आक्रोश है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम प्रशासन इस गंभीर समस्या को नजरअंदाज कर रहा है और केवल कागजी कार्रवाई या फोटो के जरिए स्थिति को सामान्य दिखाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जनता से पानी के लिए टैक्स तो वसूला जा रहा है, लेकिन बदले में उन्हें पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा।

बंगाल, असम और पुडुचेरी में प्रदर्शन पर सीएम समेत बीजेपी नेताओं ने जताई खुशी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में बीजेपी और एनडीए को मिला 'ऐतिहासिक जनादेश' भारतीय लोकतंत्र की मजबूती, जह्यनता के भरोसे और राष्ट्रवाद की भावना को दर्शाता है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी का प्रदर्शन, जहां पार्टी पहली बार सत्ता में आती दिख रही है, राष्ट्रवाद, सुशासन और तुष्टिकरण व अराजकता पर जीत का प्रतीक है।

'एक्स' पर पोस्ट करते हुए साय ने पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी की जनता को बधाई दी और उन्हें जागरूक, देशभक्त तथा विकासोन्मुख बताया।

उन्होंने कहा, 'मैं पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी की जागरूक, देशभक्त और विकासोन्मुख जनता को बीजेपी और एनडीए को दिए गए ऐतिहासिक जनादेश के लिए हार्दिक बधाई देता हूं।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह चुनाव परिणाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनता के गहरे विश्वास को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, 'यह जीत भारतीय लोकतंत्र की ताकत, जनविश्वास और राष्ट्रवाद की भावना का उज्ज्वल प्रतीक है। असम और पुडुचेरी में दोबारा जनादेश और पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक सफलता, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ नेतृत्व, सुशासन और 'विकसित भारत' के संकल्प में जनता के अटूट विश्वास का स्पष्ट प्रमाण है।'

साय ने कहा कि यह जनादेश विकास, सुशासन और राष्ट्रीय हित की राजनीति की तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार और भय की राजनीति पर निर्णायक जीत है। उन्होंने इसे पार्टी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत, त्याग और समर्पण का परिणाम बताया।

उन्होंने कहा, 'इस ऐतिहासिक जीत में सभी समर्पित कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिन्हें बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन के मजबूत संगठनात्मक नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन का लाभ मिला।'

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि असम, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में बीजेपी के प्रदर्शन ने देशभर के कार्यकर्ताओं, खासकर छत्तीसगढ़ में, नई ऊर्जा का संचार किया है।

उन्होंने कहा, 'यह जीत राष्ट्रवाद और सुशासन की तुष्टिकरण और अव्यवस्था पर विजय है। बंगाल से पूर्वोत्तर तक जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है कि देश की प्रगति बीजेपी के नेतृत्व में सुरक्षित है।'

शर्मा ने कहा कि बीजेपी ने हिंदी पट्टी तक सीमित रहने की अपनी पारंपरिक छवि को तोड़ते हुए पूर्वोत्तर समेत अन्य क्षेत्रों में भी विस्तार किया है, जिसे उन्होंने ऐतिहासिक राजनीतिक बदलाव बताया।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी के चुनाव परिणामों का भारतीय राजनीति पर दूरगामी असर पड़ेगा।

छत्तीसगढ़ बीजेपी अध्यक्ष किरण देव ने इन परिणामों को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकास की राजनीति की जीत बताया।

उन्होंने कहा कि बीजेपी पश्चिम बंगाल में पहली बार सरकार बनाने की ओर बढ़ रही है, जो पार्टी के राजनीतिक इतिहास में नया अध्याय होगा।

देव ने कहा कि बंगाल का जनादेश भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि है और राज्य की जनता ने 'एक राष्ट्र, एक संविधान, एक निशान, एक प्रधान' के उनके विचार को समर्थन दिया है।

उन्होंने कहा कि असम में बीजेपी लगातार तीसरी बार जीत की ओर बढ़ रही है, जो वहां की जनता के भरोसे को दर्शाता है और यह संकेत देता है कि पूर्वोत्तर मुख्यधारा के विकास एजेंडे के साथ है।

पुडुचेरी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में बीजेपी और उसके सहयोगियों का मजबूत प्रदर्शन जनता के प्रति सेवा और समर्पण की जीत को दर्शाता है।

कोचिंग सेंटर में लगी भीषण आग, आधा दर्जन से ज्यादा दमकल की गाड़ियों ने पाया काबू

नोएडा । उत्तर प्रदेश की आर्थिक राजधानी और 'शो विंडो' कहे जाने वाले नोएडा में आग की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में सेक्टर-4 स्थित एक निजी कोचिंग सेंटर में भीषण आग लगने की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया।

यह घटना थाना फेस-1 क्षेत्र के अंतर्गत स्थित विद्यामंदिर क्लास कोचिंग सेंटर की है, जहां अचानक आग भड़क उठी और देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आग चार मंजिला कॉमर्शियल बिल्डिंग के प्रथम तल (फर्स्ट फ्लोर) पर लगी, जहां कोचिंग सेंटर संचालित होता है।आग लगने के बाद बिल्डिंग में मौजूद अन्य ऑफिसों में भी अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि घटना के समय कोचिंग सेंटर और अन्य कार्यालय बंद थे, जिसके चलते कोई भी छात्र या कर्मचारी वहां मौजूद नहीं था। इस वजह से एक बड़ा हादसा होने से टल गया और किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की करीब आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग की लपटें काफी तेज थीं, जिससे आसपास के क्षेत्र में धुएं का गुबार फैल गया और लोगों में दहशत का माहौल बन गया।

फायर विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, इसकी पुष्टि विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगी। घटनास्थल पर पुलिस और फायर विभाग के अधिकारी मौजूद रहे और स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखी गई।

यूएई के तेल टैंकर पर ड्रोन हमला: विदेश मंत्रालय बोला, 'ये समुद्री डकैती समान'

अबू धाबी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक तेल टैंकर पर किए गए ड्रोन हमले की कड़ी निंदा की है। यह घटना ऐसे समय हुई जब अमेरिका इस जलमार्ग से जहाजों को सुरक्षित निकालने के अभियान की तैयारी कर रहा था।

यूएई की सरकारी तेल कंपनी एडीएनओसी के अनुसार, ओमान तट के पास एमवी बाराकाह नामक टैंकर पर दो ड्रोन से हमला किया गया। हालांकि इस हमले में किसी के घायल होने की खबर नहीं है और जहाज उस समय खाली था।यूएई के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाना और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का इस्तेमाल आर्थिक दबाव या ब्लैकमेल के रूप में करना 'समुद्री डकैती' के समान है। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) द्वारा की गई। उन्होंने इसे अंतर्राष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करार दिया और कहा कि ये क्षेत्रीय स्थिरता के लिहाज से सही नहीं है।

यूएई के अनुसार, इस घटना ने पहले से ही संवेदनशील क्षेत्र में तनाव को और बढ़ा दिया है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण मार्ग है, और यहां किसी भी तरह की अस्थिरता का असर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार और समुद्री सुरक्षा पर पड़ सकता है।

वहीं, अमेरिका के सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने दावा किया है कि अमेरिका के झंडे वाले दो व्यापारी जहाज होर्मुज से सुरक्षित तरीके से निकल गए हैं। सेंटकॉम के मुताबिक, ये जहाज अपने आगामी सफर पर सुरक्षित तरीके से बढ़ रहे हैं।

यह जानकारी ऐसे समय आई है, जब अमेरिका ने 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' नाम का मिशन शुरू किया है। इस मिशन के तहत, अमेरिकी नौसेना ने गाइडेड मिसाइल डेस्ट्रॉयर (युद्धपोत) तैनात किए हैं, ताकि जहाजों को सुरक्षित रास्ता मिल सके।

सेंटकॉम के मुताबिक अमेरिकी सेना व्यापारिक जहाजों की आवाजाही सामान्य करने में मदद कर रही है।

होर्मुज स्ट्रेट में दक्षिण कोरियाई जहाज पर धमाके के बाद आग, संभावित हमले की जांच जारी

सियोल। होर्मुज स्ट्रेट में दक्षिण कोरिया के एक जहाज पर धमाके के बाद आग लगने की खबर सामने आई है। दक्षिण कोरिया के अधिकारियों ने सोमवार को अपने जहाज पर संभावित हमलों की पुष्टि की है। अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच की जा रही है।

विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि हमारी कांसुलर मामलों की टीम इस जानकारी की पुष्टि कर रही है कि क्या दक्षिण कोरियाई जहाज पर हमला हुआ है। अभी तक हमने शुरुआती तौर पर यह पुष्टि की है कि हमारे किसी नागरिक को कोई चोट नहीं आई है।

मंत्रालय यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि जहाज को कितना नुकसान हुआ है और इसके पीछे कौन जिम्मेदार हो सकता है।

योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, अगर यह बात सही होती है, तो यह पहला ऐसा मामला होगा, जब किसी दक्षिण कोरियाई झंडे वाले जहाज पर इस महत्वपूर्ण जलमार्ग में हमला हुआ हो। उस समय अमेरिका-इजरायल की ओर से ईरान पर हमलों के बाद क्षेत्र में तनाव बढ़ गया था और यह जलमार्ग लगभग बंद हो गया था।

करीब 2,000 जहाज अभी भी इस जलमार्ग में फंसे हुए हैं, जिनमें 26 दक्षिण कोरियाई जहाज भी शामिल हैं।

यह घटना उस समय हुई जब वॉशिंगटन ने 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' नाम का अभियान शुरू किया था, जिसका मकसद इस जलमार्ग में फंसे जहाजों को निकालना है। ईरान ने इस कदम को सीजफायर (युद्धविराम) का उल्लंघन बताया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रैल की शुरुआत में युद्धविराम की समय-सीमा बढ़ा दी थी और ईरान से एक नया शांति प्रस्ताव देने को कहा था, साथ ही सैन्य दबाव और आर्थिक प्रतिबंध भी बढ़ा दिए थे।

शांति वार्ता अभी रुकी हुई है, क्योंकि पिछले महीने दोनों पक्षों की पहली सीधी बातचीत बिना किसी समझौते के खत्म हो गई थी।

इस जलमार्ग की नाकेबंदी की वजह से दुनिया भर में तेल और गैस की सप्लाई पर असर पड़ा है, क्योंकि लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल और प्राकृतिक गैस का व्यापार इसी रास्ते से होता है।

इसी बीच, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने सोमवार को बताया कि दो अमेरिकी व्यापारिक जहाज सफलतापूर्वक होर्मुज स्ट्रेट से गुजर चुके हैं।

सेंटकॉम ने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा, 'अमेरिकी नौसेना के गाइडेड-मिसाइल डेस्ट्रॉयर इस समय अरब की खाड़ी में ऑपरेशन कर रहे हैं और होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजर चुके हैं।

सिर्फ 5 हफ्तों में जबरदस्त बढ़त, 14 वर्षीय अपार सक्सेना बने इंटरनेशनल मास्टर

नई दिल्ली। 14 वर्षीय अपार सक्सेना ने यूरोप भर में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर प्रतिष्ठित इंटरनेशनल मास्टर (आईएम) का खिताब हासिल कर लिया है, जिन्होंने सिर्फ 5 हफ्तों में इसके लिए जरूरी तीनों मानदंड पूरे कर लिए। साल 2012 में जन्मे बेंगलुरु के इस युवा खिलाड़ी ने 30 मार्च को बोस्निया में हुए आईएम रेनोम 2 टूर्नामेंट में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। इस टूर्नामेंट में उन्होंने 9 में से 7 अंक हासिल करते हुए खिताब जीता और अपना पहला आईएम मानदंड पूरा किया।

इसके तुरंत बाद, 6 अप्रैल को स्पेन में हुए सैन विसेंट ओपन में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। इस मुकाबले में 54 देशों के 500 से भी ज्यादा खिलाड़ियों न हिस्सा लिया, जिसमें अपार ने एक बार फिर 9 में से 7 अंक हासिल किए। सक्सेना ने टूर्नामेंट के दो राउंड शेष रहते ही अपना दूसरा मानदंड पूरा कर लिया, जिससे उनकी निरंतरता और संयम साफ झलकती है।

अप्रैल के अंत में हुए मेनोर्का ओपन में भी उनका शानदार प्रदर्शन जारी रहा। यहां उन्होंने 2404 की परफॉर्मेंस रेटिंग हासिल की और काफी रेटिंग अंक भी बटोरे। हालांकि, मुकाबले में बने रहने के बावजूद वे लगातार तीसरा मानदंड हासिल करने से बस जरा सा चूक गए।

महाराष्ट्र में नए हाईवे प्रोजेक्ट्स से बढ़ेगी कनेक्टिविटी, नितिन गडकरी ने की समीक्षा

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को महाराष्ट्र में प्रस्तावित नए हाई-स्पीड कॉरिडोर, हाई-डेंसिटी कॉरिडोर और अन्य महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा की।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कई प्रमुख हाईवे विकास परियोजनाओं पर चर्चा की। इनमें नागपुर-भंडारा सेक्शन को छह लेन का बनाना, तलोदा-बुरहानपुर सेक्शन को चार लेन करना, दुर्ग-गडचिरोली-मंचेरियल कॉरिडोर, गडचिरोली-कांकेर (रायपुर-विशाखापट्टनम) कॉरिडोर, ग्वालियर-नागपुर कॉरिडोर और नागपुर-हैदराबाद कॉरिडोर शामिल हैं।

इसके अलावा, भंडारा-रायपुर सेक्शन को छह लेन करने, लखनादौन-दुर्ग-रायपुर कॉरिडोर, नागपुर-अमरावती सेक्शन को छह लेन बनाने, राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर मध्य प्रदेश-महाराष्ट्र सीमा-नागपुर बायपास-बोरखेड़ी खंड, और पुणे-सातारा सेक्शन को छह लेन बनाने जैसे प्रोजेक्ट्स पर भी चर्चा हुई।

बैठक में महाराष्ट्र के राष्ट्रीय राजमार्गों पर कुल 527 किलोमीटर लंबाई के नौ राज्य स्तरीय 'बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी) प्रोजेक्ट्स पर भी विचार-विमर्श किया गया।

इन परियोजनाओं में शिरूर-अहिल्यानगर (चार लेन), अहिल्यानगर-वडाला (चार लेन), वडाला-छत्रपति संभाजीनगर (चार लेन), छत्रपति संभाजीनगर-जालना (चार लेन), जालना-वातुर (चार लेन), नांदेड़-नरसी-देगलूर (चार और दो लेन), जाम-वरोरा (चार लेन), वरोरा-चंद्रपुर-बामनी (चार लेन) और मल्कापुर-चिखली (दो लेन) कॉरिडोर शामिल हैं।

बयान में कहा गया है कि इस समीक्षा का मुख्य उद्देश्य परियोजनाओं की योजना और क्रियान्वयन में तेजी लाना है, ताकि क्षेत्र में सड़क संपर्क मजबूत हो और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिल सके।

पिछले 11 वर्षों में भारत का सड़क नेटवर्क तेजी से बढ़ा है और अब यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा नेटवर्क बन गया है, जिसमें राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई 1,46,560 किलोमीटर तक पहुंच चुकी है।

पिछले पांच वर्षों में केंद्र सरकार ने 57,125 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया है, जिसमें हर साल औसतन 34,215 लेन-किलोमीटर का निर्माण हुआ है।

इससे प्रतिवर्ष करीब 33 करोड़ व्यक्ति-दिवस का रोजगार सृजन हुआ है, जिसमें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह के रोजगार शामिल हैं। यह आंकड़े हाल ही में संसद में पेश किए गए थे।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, सड़क निर्माण में आई इस तेजी के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क 2014 में 91,287 किलोमीटर से बढ़कर 2025 में 1,46,560 किलोमीटर हो गया है।

अटलांटिक महासागर में 'हंता वायरस' का प्रकोप, क्रूज पर सवार तीन यात्रियों की मौत, एक गंभीर

जिनेवा। अटलांटिक महासागर में एक क्रूज शिप पर संदिग्ध 'हंता वायरस' के प्रकोप के बाद तीन लोगों की मौत हो गई है। यह जानकारी सोमवार को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने दी।

'एमवी होंडियस' नाम का यह जहाज अर्जेंटीना से केप वर्डे जा रहा था, जिसमें लगभग 150 यात्री सवार थे। इस दौरान एक खतरनाक दुर्लभ बीमारी के मामले की पुष्टि हुई है और पांच अन्य संदिग्ध मामले सामने आए हैं।

डब्ल्यूएचओ ने बताया कि वह इस घटना पर नजर रखे हुए है और मदद भी कर रहा है। कुल छह लोगों में संक्रमण की आशंका है, जिनमें से तीन की मौत हो चुकी है और एक व्यक्ति दक्षिण अफ्रीका में आईसीयू में भर्ती है।

डब्ल्यूएचओ ने 'एक्स' पर कहा, 'अटलांटिक महासागर में चल रहे एक क्रूज जहाज से जुड़ी इस घटना से हम वाकिफ हैं और मदद कर रहे हैं। अभी तक एक 'हंतावायरस' केस लैब में पुष्ट हुआ है और पांच अन्य संदिग्ध हैं। इन छह लोगों में से तीन की मौत हो चुकी है और एक की हालत गंभीर है।'

संगठन ने यह भी बताया कि जांच अभी जारी है। मरीजों का इलाज चल रहा है और वायरस की जांच (सीक्वेंसिंग) भी की जा रही है ताकि इसके बारे में और जानकारी मिल सके।

'हंतावायरस' आमतौर पर चूहों या अन्य कृन्तकों से इंसानों में फैलता है, खासकर उनके पेशाब या मल के संपर्क में आने से। यह गंभीर सांस की बीमारी पैदा कर सकता है और बहुत ही कम मामलों में एक इंसान से दूसरे इंसान में भी फैल सकता है।

यह बीमारी काफी गंभीर मानी जाती है और इसमें मरीज को करीबी निगरानी और सही इलाज की जरूरत होती है।

यह प्रकोप 'एमवी होंडियस' नाम के एक पोलर क्रूज जहाज पर सामने आया है, जिसे 'ओशनवाइड एक्सपीडिशंस' कंपनी चलाती है।

जहाज ने 20 मार्च को अर्जेंटीना के उशुआइया से सफर शुरू किया था और चार मई को केप वर्डे पहुंचने वाला था।

इस जहाज की लंबाई लगभग 107.6 मीटर है और इसमें 170 तक यात्री रह सकते हैं। इसके अलावा, इसमें 57 क्रू मेंबर, 13 गाइड और एक डॉक्टर भी मौजूद होता है।

बीमार लोगों में एक 69 साल के ब्रिटिश नागरिक भी शामिल हैं, जो इस समय जोहानेसबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) में आईसीयू में भर्ती हैं।

डब्ल्यूएचओ ने बताया कि वह अलग-अलग देशों और जहाज के ऑपरेटर के साथ मिलकर काम कर रहा है, ताकि दो बीमार यात्रियों को तुरंत मेडिकल मदद के लिए दूसरे स्थान पर ले जाया जा सके और बाकी यात्रियों के लिए भी जोखिम का आकलन किया जा सके।

डब्ल्यूएचओ ने यह भी कहा कि वह इस मामले की जानकारी संबंधित देशों को दे चुका है और जल्द ही इस पर एक विस्तृत रिपोर्ट जारी करेगा।

एमसीबी लेडीज क्लासिक: आखिरी पलों की मुश्किलों से भारतीय गोल्फर पिछड़ीं, सोंडरबी ने जीता खिताब

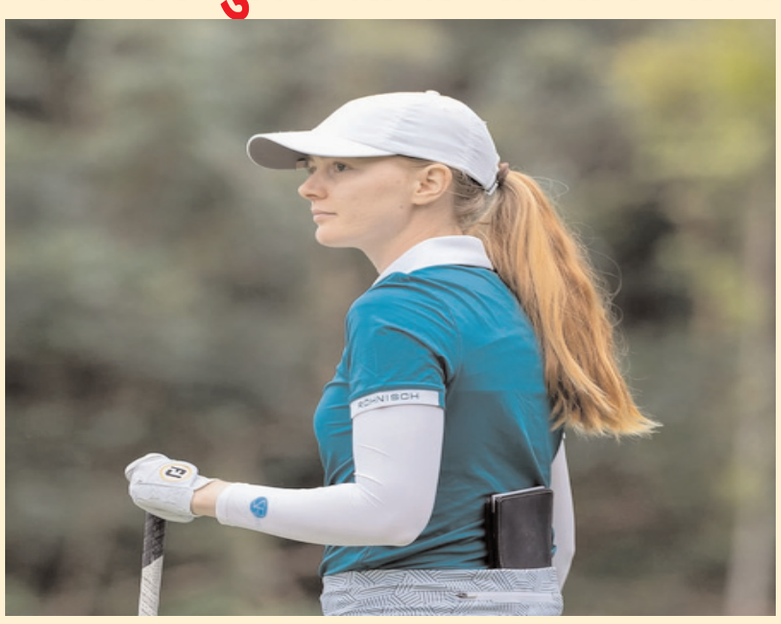

पोर्ट लुइस। दीक्षा डागर समेत भारतीय खिलाड़ियों के लिए एमसीबी लेडीज क्लासिक 2026 का अंतिम दिन चुनौतीपूर्ण रहा। शानदार शुरुआत के बावजूद भारतीय दल लीडरबोर्ड में नीचे खिसक गया। शुरुआती दो दिनों में मजबूत प्रदर्शन करने वाली भारतीय तिकड़ी तीसरे दिन अपनी लय बरकरार नहीं रख सकी। एक ओर, भारतीय खिलाड़ियों को अंतिम दौर में निराशा हाथ लगी, वहीं स्मिला टार्निंग सोंडरबी ने शानदार और संयमित प्रदर्शन करते हुए अपना दूसरा लेडीज यूरोपियन टूर जीता।

दीक्षा ने पहले दो राउंड में 68 और 69 का स्कोर करते हुए आत्मविश्वास भरी शुरुआत की थी, लेकिन अंतिम राउंड में 74 का कार्ड खेलते हुए वह संयुक्त 21वें स्थान पर रहीं। उनके अंतिम राउंड में नौवें होल पर सिर्फ एक बर्डी आई, जबकि पहले, 10वें और 15वें होल पर शॉट गंवाने की वजह से वह बेहतर स्थान हासिल करने से चूक गईं।

त्वेसा मलिक के प्रदर्शन में भी गिरावट देखने को मिली। शुरुआती राउंड में 70 और 71 का स्कोर बनाने के बाद, उन्होंने 73 का स्कोर किया और संयुक्त रूप से 38वें स्थान पर रहीं।

71 और 69 के राउंड के साथ सभी को प्रभावित करने वालीं हिताशी बख्शी को अंतिम दिन सबसे ज्यादा मुश्किलों का सामना करना पड़ा। हिताशी ने 76 का स्कोर किया और संयुक्त रूप से 58वें स्थान पर खिसक गईं।

स्मिला ने एमसीबी लेडीज क्लासिक के पहले संस्करण में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। उन्होंने लीजेंड कोर्स, कॉन्स्टेंस बेले मारे प्लाज के अंतिम होल पर शानदार बर्डी लगाकर खिताब जीता। डेनमार्क की खिलाड़ी ने अंतिम राउंड में 67 का कार्ड खेला और कुल 14-अंडर-पार स्कोर के साथ टूर्नामेंट समाप्त किया। उनकी शुरुआत तीन लगातार पार के साथ हुई, लेकिन चौथे होल पर बोगी से थोड़ी मुश्किल आई। हालांकि, उन्होंने जल्द वापसी करते हुए छठे होल पर ईगल लगाया और फिर नौवें और 10वें होल पर बर्डी बनाकर खिताब की दौड़ में खुद को मजबूती से बनाए रखा।

बैक नाइन पर अपना संयम बनाए रखते हुए, स्मिला ने 13वें होल पर एक और बर्डी जोड़ी। 14वें होल पर एक बोगी के साथ वे थोड़ी लड़खड़ाईं, लेकिन 15वें और निर्णायक 18वें होल पर बर्डी लगाकर शानदार वापसी की। उनके आखिरी पुट ने एक यादगार जीत पक्की कर दी, जिसमें उनकी मां कर्स्टन ने उनके कैडी की भूमिका निभाई।

स्वीडन की काजसा अरवेफजेल ने बिना किसी बोगी के 66 का शानदार स्कोर बनाकर क्लबहाउस का लक्ष्य 13-अंडर-पार पर सेट किया। आखिरकार, उन्होंने साउथ अफ्रीका की कैसेंड्रा अलेक्जेंडर के साथ दूसरा स्थान साझा किया। अलेक्जेंडर ने 16वें होल पर बर्डी और आखिरी होल पर ईगल बनाकर शानदार फिनिश के साथ यह स्कोर बराबर किया।

अन्ना जानुसो ने टूर्नामेंट के सबसे शानदार प्रदर्शनों में से एक करते हुए बिना किसी गलती के 63 का स्कोर बनाया, जो इस कोर्स पर दर्ज सबसे कम राउंड रहा। इस दमदार प्रदर्शन के साथ वह अकेले चौथे स्थान पर रहीं। वहीं, 10-अंडर-पार के स्कोर पर पांच खिलाड़ियों का समूह संयुक्त पांचवें स्थान पर रहा, जिसमें एलिस ह्यूसन, अगाथे लैसने, कर्स्टन रडगली, एलेक्जेंड्रा फोर्सटरलिंग और सेलिना सैटेलकाऊ शामिल रहीं। लेडीज यूरोपियन टूर अब एक हफ्ते के लिए रुकेगा। इसके बाद 14 से 17 मई तक अमुंडी जर्मन मास्टर्स के साथ हैम्बर्ग में दोबारा शुरू होगा।

संपादकीय

वैश्विक शक्ति का विकेंद्रीकरण और उभरते नए आयाम

महेन्द्र तिवारी

इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में वैश्विक परिदृश्य एक ऐसे परिवर्तनकारी मोड़ पर खड़ा है जहाँ पुरानी व्यवस्थाओं की दीवारें ढह रही हैं और नई शक्तियों का उदय हो रहा है। इतिहास के पन्नों को पलटकर देखें तो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की दुनिया मुख्य रूप से दो ध्रुवों में विभाजित थी जिसमें एक ओर संयुक्त राज्य अमेरिका और दूसरी ओर सोवियत संघ का नेतृत्व था। वर्ष 1991 में सोवियत संघ के विघटन के साथ ही एकध्रुवीय विश्व का युग आरंभ हुआ जिसमें अमेरिका एकमात्र महाशक्ति बनकर उभरा। लेकिन वर्तमान समय में हम देख रहे हैं कि यह स्थिति तेजी से बदल रही है। अब दुनिया किसी एक शक्ति के इशारे पर नहीं चलती बल्कि शक्ति का केंद्र अब बिखर गया है और कई देशों के बीच विभाजित हो गया है। इस बदलाव को अंतरराष्ट्रीय राजनीति के विद्वान बहुध्रुवीय विश्व की संज्ञा देते हैं जहाँ निर्णय लेने की प्रक्रिया में अब वाशिंगटन के साथ-साथ नई दिल्ली, बीजिंग, मॉस्को और ब्रासीलिया जैसे शहरों की गूँज भी सुनाई देती है।

शक्ति के इस स्थानांतरण का सबसे प्रमुख कारण उभरती अर्थव्यवस्थाओं का अभूतपूर्व उदय है। पिछले दो दशकों में वैश्विक आर्थिक मानचित्र पूरी तरह से बदल गया है। चीन की अर्थव्यवस्था वर्ष 1980 के दशक में वैश्विक उत्पादन में मात्र 2 प्रतिशत का योगदान देती थी जो आज बढ़कर लगभग 18 प्रतिशत से अधिक हो गई है। इसी प्रकार भारत आज विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और आर्थिक विशेषज्ञों का अनुमान है कि वर्ष 2030 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाएगा। यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है बल्कि यह उस क्रय शक्ति और उत्पादन क्षमता का परिचायक है जिसने विकासशील देशों को वैश्विक बाजार के केंद्र में ला खड़ा किया है। अब ये देश केवल विकसित देशों के उत्पादों के उपभोक्ता नहीं हैं बल्कि वे स्वयं नवाचार, विनिर्माण और तकनीक के वैश्विक खिलाड़ी बन चुके हैं।

इस बदलते संतुलन में नए वैश्विक समूहों और संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। जी7 जैसे पुराने समूह जो कभी दुनिया की अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करते थे अब अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इसके विपरीत ब्रिक्स जैसे संगठन जिनमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं अब वैश्विक विमर्श को नई दिशा दे रहे हैं। वर्ष 2024 में ब्रिक्स के विस्तार के बाद अब इसमें मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश भी शामिल हो गए हैं। यह विस्तारित समूह अब दुनिया की लगभग 45 प्रतिशत जनसंख्या और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के 28 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। जी20 जैसे मंच अब अंतरराष्ट्रीय नीति निर्माण में अधिक समावेशी हो गए हैं जहाँ अफ्रीकी संघ को स्थाई सदस्यता मिलना इस बात का प्रमाण है कि अब दुनिया के फैसले केवल कुछ पश्चिमी देशों के कमरों में बंद होकर नहीं लिए जा सकते।

तकनीक और डिजिटल शक्ति ने भी वैश्विक शक्ति के मानकों को पूरी तरह से बदल दिया है। किसी समय में शक्ति का पैमाना केवल परमाणु हथियारों की संख्या या विशाल सेना हुआ करती थी परंतु आज के दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा और डेटा भंडार नई सैन्य और राजनीतिक ताकतें बन चुके हैं। जो देश इन तकनीकों में अग्रणी हैं वे ही भविष्य की राजनीति का निर्धारण करेंगे। वर्तमान में वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार का लगभग 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा कुछ गिने-चुने देशों के नियंत्रण में है जिससे पूरी दुनिया की डिजिटल सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होती है। डेटा को अब नया तेल कहा जा रहा है और जिस देश के पास अपने नागरिकों के डेटा पर संप्रभुता है वह वैश्विक मंच पर अधिक मोलभाव करने की स्थिति में है। अंतरिक्ष अन्वेषण में भी अब निजी कंपनियों और नए देशों के प्रवेश ने महाशक्तियों के पुराने एकाधिकार को चुनौती दी है।

वैश्विक संघर्ष और अस्थिरता ने भी शक्ति संतुलन को बदलने में उत्प्रेरक का कार्य किया है। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध ने न केवल यूरोप की सुरक्षा संरचना को हिला दिया है बल्कि इसने ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा के नए संकट पैदा कर दिए हैं। इस संघर्ष ने दुनिया को यह अहसास कराया है कि किसी एक देश या क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कितनी घातक हो सकती है। इसी प्रकार पश्चिम एशिया की अस्थिरता और व्यापारिक मार्गों पर बढ़ते खतरों ने देशों को मजबूर किया है कि वे अपने रणनीतिक विकल्पों का विस्तार करें। इन परिस्थितियों में छोटे और मध्यम आकार के देशों की अहमियत भी बढ़ गई है क्योंकि उनकी भौगोलिक स्थिति और प्राकृतिक संसाधन उन्हें बड़े देशों की प्रतिस्पर्धा में महत्वपूर्ण मोहरा बना देते हैं।

इस पूरी प्रक्रिया में संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रभाव कम होता दिख रहा है यद्यपि वह अभी भी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति है। अमेरिकी डॉलर की वैश्विक स्वीकार्यता अब धीरे-धीरे कम हो रही है क्योंकि कई देश अपनी स्थानीय मुद्राओं में व्यापार करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। इसे डी-डॉलराइजेशन की प्रक्रिया कहा जा रहा है। दुनिया अब एक ऐसे युग में प्रवेश कर चुकी है जहाँ कोई भी एक देश वैश्विक नियमों को अकेले थोप नहीं सकता।

एनपीटी समीक्षा सम्मेलन का रणनीतिक महत्व: वैश्विक परमाणु व्यवस्था की अहम परीक्षा

निकोल बल्लावर

परमाणु हथियारों के अप्रसार पर संधि (एनपीटी) का 11वां समीक्षा सम्मेलन, जो 27 अप्रैल से 22 मई 2026 तक न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित हो रहा है, इस दशक की सबसे महत्वपूर्ण बहुपक्षीय कूटनीतिक प्रक्रियाओं में से एक है। ऐसे समय में जब वैश्विक सुरक्षा लगातार नाजुक होती जा रही है, हथियार नियंत्रण ढांचे कमजोर पड़ रहे हैं और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा तेज हो रही है, यह सम्मेलन केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं है। यह इस बात की महत्वपूर्ण परीक्षा है कि क्या अंतरराष्ट्रीय समुदाय वैश्विक परमाणु व्यवस्था की विश्वसनीयता को बनाए रख सकता है।

एनपीटी, जो 1970 में लागू हुआ, लंबे समय से परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने, निरस्त्रीकरण को बढ़ावा देने और परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग को सुनिश्चित करने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का आधार रहा है। 191 सदस्य देशों के साथ, यह दुनिया की सबसे व्यापक रूप से स्वीकार की गई संधियों में से एक है। हालांकि, इसकी वैधता काफी हद तक हर पांच वर्ष में होने वाले समीक्षा सम्मेलनों पर निर्भर करती है, जहां देश अनुपालन का आकलन करते हैं और भविष्य की कार्य योजनाओं पर सहमति बनाते हैं। 2015 और 2022 के समीक्षा सम्मेलनों में सहमति आधारित अंतिम दस्तावेज़ अपनाने में विफलता ने एक तरह के 'सहमति संकट' को जन्म दिया है। 2026 का सम्मेलन इस प्रवृत्ति को पलटने में विफल रहता है, तो संधि की मूल विश्वसनीयता पर खतरा मंडरा सकता है।

अप्रसार व्यवस्था की विश्वसनीयता बहाल करना

2026 के समीक्षा सम्मेलन का सबसे तात्कालिक महत्व स्वयं एनपीटी प्रक्रिया में विश्वास बहाल करना है। सहमति आधारित अंतिम दस्तावेज़ केवल प्रतीकात्मक नहीं होते, बल्कि वे विभिन्न देशों के बीच साझा प्रतिबद्धताओं और राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं। लगातार सम्मेलनों में सहमति न बन पाना अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में गहरी दरारों का संकेत है।

सम्मेलन के नामित अध्यक्ष डो हुंग वियेत ने चेतावनी दी है कि एक और विफलता बहुपक्षीय हथियार नियंत्रण की व्यवहार्यता के बारे में बेहद नकारात्मक संदेश देगी। उनके अनुसार, एनपीटी की विश्वसनीयता उसके समीक्षा तंत्र की प्रभावशीलता से गहराई से जुड़ी हुई है। ठोस परिणाम के बिना, यह संधि शीत युद्ध काल की एक पुरानी व्यवस्था के रूप में देखी जा सकती है, न कि एक जीवंत साधन के रूप में जो आधुनिक सुरक्षा चुनौतियों का समाधान कर सके।

यह चिंता नाटो द्वारा भी व्यक्त की गई है, जिसने एनपीटी को वैश्विक अप्रसार ढांचे का 'अनिवार्य आधारस्तंभ' बताया है। हालांकि, नाटो ने साथ ही बिगड़ते सुरक्षा वातावरण, बढ़ते प्रसार जोखिमों और कमजोर पड़ते हथियार नियंत्रण मानकों की ओर भी ध्यान दिलाया है।

नए परमाणु हथियारों की होड़ को रोकना

इस सम्मेलन का समय भी बेहद महत्वपूर्ण है। यह 2026 में न्यू स्टार्ट संधि की समाप्ति के तुरंत बाद हो रहा है, जो अमेरिका और रूस के रणनीतिक परमाणु हथियारों को सीमित करने वाला अंतिम द्विपक्षीय समझौता था। कानूनी सीमाओं के अभाव में अब दोनों देशों के पास अपने परमाणु भंडार को बढ़ाने और विविध बनाने की तकनीकी क्षमता है।

इसी समय, चीन अपने परमाणु शस्त्रागार का तेजी से आधुनिकीकरण और विस्तार कर रहा है, जिससे रणनीतिक स्थिरता को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। नाटो ने पारदर्शिता की कमी को लेकर बीजिंग की आलोचना की है, जबकि

चीन ने नागरिक परमाणु ढांचे को प्रभावित करने वाली सैन्य कार्रवाइयों के जरिए अप्रसार मानकों को कमजोर करने का आरोप अमेरिका पर लगाया है।

ये घटनाक्रम एक अस्थिर रणनीतिक माहौल बनाते हैं, जहां औपचारिक हथियार नियंत्रण समझौतों की अनुपस्थिति गलत आकलन और तनाव बढ़ने के जोखिम को बढ़ाती है। ऐसे में एनपीटी समीक्षा सम्मेलन संवाद के लिए बचे कुछ प्रमुख मंचों में से एक है। भले ही यह द्विपक्षीय संधियों का विकल्प नहीं है, लेकिन यह नए वार्ताओं के लिए राजनीतिक गति प्रदान कर सकता है और अनियंत्रित परमाणु प्रतिस्पर्धा के खिलाफ मानकों को मजबूत कर सकता है।

गहरे भू-राजनीतिक विभाजनों से निपटना

2026 सम्मेलन की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बढ़ती भू-राजनीतिक ध्रुवीकरण है। यूक्रेन में जारी युद्ध ने प्रमुख शक्तियों को विभाजित कर दिया है, खासकर परमाणु सुरक्षा के मुद्दों पर। इसी तरह, मध्य पूर्व में तनाव और ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमलों ने सहमति बनाना और कठिन कर दिया है।

अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे पांच मान्यता प्राप्त परमाणु हथियार संपन्न देशों के बीच की गतिशीलता भी अहम बनी हुई है। एनपीटी के अनुच्छेद ड्ढ्ढ के तहत निरस्त्रीकरण दायित्वों को लेकर मतभेद बढ़े हैं, और गैर-परमाणु देशों ने प्रगति की कमी पर असंतोष जताया है।

इसके अलावा, परमाणु साझा व्यवस्था, हथियारों की अग्रिम तैनाती और परमाणु प्रतिरोधक सिद्धांतों की वैधता जैसे मुद्दे भी विवाद पैदा कर रहे हैं। नाटो जहां अपनी परमाणु साझा व्यवस्था को एनपीटी के अनुरूप और आवश्यक मानता है, वहीं आलोचक इसे अप्रसार की भावना के खिलाफ बताते हैं।

ये विभाजन सहमति को कठिन बनाते हैं, लेकिन साथ ही इस सम्मेलन के महत्व को भी रेखांकित करते हैं। ऐसे मंचों के बिना तनाव अनियंत्रित रूप से बढ़ सकता है।

समावेशी कूटनीति के जरिए विश्वास बहाली

सम्मेलन से पहले उभरता एक प्रमुख विषय अधिक समावेशी और व्यावहारिक कूटनीति की आवश्यकता है। राजदूत वियेत ने 'सुनने के दृष्टिकोण' पर जोर दिया है, जिसमें गैर-परमाणु देशों की चिंताओं को संबोधित करने पर बल दिया गया है। ये देश, जो एनपीटी के अधिकांश सदस्य हैं, अक्सर खुद को परमाणु शक्तियों के बीच होने वाली चर्चाओं में हाशिए पर महसूस करते हैं।

समावेशी कूटनीति का मतलब केवल व्यापक भागीदारी नहीं, बल्कि विवादित मुद्दों पर रचनात्मक संवाद भी है। वियेत ने 'सब या कुछ नहीं' वाली वार्ता शैली से हटकर साझा आधार खोजने की बात कही है, जैसे परमाणु सुरक्षा, जोखिम में कमी और परमाणु तकनीक का शांतिपूर्ण उपयोग।

यह दृष्टिकोण एनपीटी समर्थकों और परमाणु हथियारों के निषेध संधि (टीपीएनडब्ल्यू) के समर्थकों के बीच की खाई पाटने में भी महत्वपूर्ण है। जहां नाटो देश परमाणु प्रतिरोधक को आवश्यक मानते हैं, वहीं कई गैर-परमाणु देश प्रतिबंध संधि को एनपीटी का पूरक मानते हैं।

उभरते अप्रसार जोखिमों का सामना

2026 का सम्मेलन बदलती अप्रसार चुनौतियों के बीच हो रहा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं, खासकर सैन्य हमलों और निरीक्षण में बाधाओं के बाद। उत्तर कोरिया का परमाणु हथियार विकास भी एक अनसुलझा मुद्दा बना हुआ है।

वहीं, साइबर हमलों जैसी नई तकनीकी चुनौतियां भी परमाणु सुरक्षा के लिए खतरा बन रही हैं। ये सभी चुनौतियां इस बात की मांग करती हैं कि नीतियां अधिक लचीली और भविष्य उन्मुख हों। एनपीटी ढांचे को पारंपरिक जोखिमों के साथ-साथ नई उभरती चुनौतियों का भी सामना करना होगा।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी जैसी संस्थाएं इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जो निगरानी और सत्यापन की व्यवस्था सुनिश्चित करती हैं। इनके साथ सहयोग मजबूत करना जरूरी होगा।

परमाणु जोखिम का मानवीय पहलू

रणनीतिक और कूटनीतिक पहलुओं से परे, एनपीटी समीक्षा सम्मेलन का महत्व इसके मानवीय प्रभावों में भी निहित है। परमाणु हथियारों के उपयोग के विनाशकारी परिणाम इतिहास में स्पष्ट रूप से दर्ज हैं—हिरोशिमा और नागासाकी से लेकर परमाणु परीक्षणों के दीर्घकालिक पर्यावरणीय और स्वास्थ्य प्रभावों तक।

हिरोशिमा के एटॉमिक बम डोम जैसे प्रतीक हमें याद दिलाते हैं कि परमाणु हथियार केवल नीतिगत उपकरण नहीं, बल्कि अत्यंत विनाशकारी साधन हैं। अप्रसार मानकों को मजबूत करने में विफलता इनके उपयोग के जोखिम को बढ़ाती है—चाहे वह जानबूझकर हो या दुर्घटनावश।

यह मानवीय पहलू सम्मेलन की तात्कालिकता को और बढ़ाता है। यह दिखाता है कि दांव केवल देशों की सुरक्षा नहीं, बल्कि पूरी मानवता का अस्तित्व है।

प्रक्रिया और नेतृत्व की भूमिका

2026 सम्मेलन में अपनाई गई प्रक्रिया भी इसके परिणाम को प्रभावित कर सकती है। राजदूत वियेत ने वार्ता की शुरुआत में ही मसौदा दस्तावेज़ पेश करने का प्रस्ताव रखा है, जिससे सार्थक चर्चा के लिए अधिक समय मिल सके। यह पहले के सम्मेलनों से अलग है, जहां अंतिम समय की बातचीत अक्सर गतिरोध में बदल जाती थी।

ममता का किला ढहा, भगवा लहर का उदय

डॉ. प्रियंका सौरभ

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की ऐतिहासिक जीत ने न केवल ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 15 वर्षीय शासन को समाप्त कर दिया, बल्कि पूरे भारतीय राजनीति के परिदृश्य को हमेशा के लिए बदल दिया। रुझानों और अंतिम परिणामों के अनुसार, बीजेपी ने 294 सीटों वाली विधानसभा में 165 से अधिक सीटें हासिल कर स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर लिया, जबकि टीएमसी 100 सीटों के आसपास सिमट गई। कांग्रेस और सीपीआई(एम) जैसे पारंपरिक विपक्षी दल क्रमशः 2-3 और 1-2 सीटों तक सीमित रह गए। यह परिणाम 2021 के चुनाव से पूरी तरह उलट हैं, जब टीएमसी ने 213 सीटों के साथ प्रचंड बहुमत हासिल किया था। बीजेपी का वोट शेयर 2016 के मात्र 10% से बढ़कर 2024 के लोकसभा चुनावों में 39% हो चुका था, और अब यह पूर्ण सत्ता में तब्दील हो गया।

इस जीत के पीछे कई बहुआयामी कारक कार्यरत थे। सबसे पहले, एंटी-इनकंबेंसी लहर ने जोरदार तरीके से अपना प्रभाव दिखाया। ममता बनर्जी सरकार पर भ्रष्टाचार, कटमनी, घुसपैठ और राजनीतिक हिंसा के गंभीर आरोप लगे थे। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत वोटर लिस्ट से 27 लाख कथित फर्जी नाम हटाए गए, जिसने बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को केंद्र में ला खड़ा किया। मातुआ समुदाय—जो बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों का सबसे बड़ा वोट बैंक है—ने नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के कार्यान्वयन के बाद बीजेपी का पूर्ण समर्थन किया। इसके अलावा, कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में TMC कार्यकर्ताओं द्वारा हिंसा, ने गैर-टीएमसी मतदाताओं को एकजुट किया। पहले चरण में 92.88% का रिकॉर्ड मतदान इसी असंतोष का प्रमाण था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के आक्रामक प्रचार ने इस लहर को और तेज किया। मोदी ने 'अंग-बंग-कलिंग' (बंगाल, बिहार, ओडिशा) में बीजेपी शासन का नारा दिया, जबकि शाह ने 152 में से 110 सीटों पर बढ़त का दावा किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिंदुत्व, विकास और 'बुलडोजर बाबा' की छवि के साथ हिंदू मतदाताओं को लामबंद किया। महिला आरक्षण बिल को केंद्र सरकार की विफलता बताने वाले विपक्षी दावों को बीजेपी ने पलटकर टीएमसी के कुशासन से जोड़ा। उच्च मतदान ने दबे हुए वोटरों—खासकर महिलाओं और युवाओं—को बाहर निकाला, जो टीएमसी के 'खेला होगा' नारे से प्रभावित नहीं हुए। ममता बनर्जी की 'अजेय दीदी' वाली छवि इस हार के साथ पूरी तरह ध्वस्त हो गई। 2011 से बंगाल पर काबिज टीएमसी को अब विपक्ष की भूमिका निभानी पड़ेगी, जो उसके लिए अपरिचित चुनौती है। पार्टी में आंतरिक कलह की आशंका बढ़ गई है, क्योंकि शुभेंदु अधिकारी जैसे पूर्व ञ्रस्ष्ट नेता बीजेपी में सफल साबित हुए। ममता ने एग्जिट पोल्स को 'बीजेपी का पेड नैरेटिव' करार दिया और केंद्र पर सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया, लेकिन रुझान सरकार गंवाने की ओर स्पष्ट इशारा कर रहे थे।

बोधकथा

नेकी का फल

एक गांव में नीलू नाम का लड़का रहता था। नीलू गरीब था, लेकिन उसका दिल बड़ा ही उदार था। वह गरीबों की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहता था। एक दिन, नीलू ने अपने गांव के एक साधु को देखा जो गहन तपस्या कर रहे थे। नीलू ने साधु के पास जाकर प्रणाम किया और पूछा- बाबा, आप इतनी कठिन तपस्या क्यों कर रहे हैं? साधु ने हंसते हुए कहा - बेटा, मैं इस तपस्या से आत्मा को शुद्ध कर रहा हूं और मुक्ति प्राप्त करने का प्रयास कर रहा हूँ। नीलू ने सोचा- बाबा तो इतनी तपस्या कर रहे हैं, मुझे भी कुछ करना चाहिए। उसने तय किया कि वह भी तपस्या करेगा। नीलू ने अपने गांव के पास एक पुराना वृक्ष देखा, जिस पर कुछ बर्फबारी के कारण पौधे सूख गए थे। उसने वहां जाकर उसे पानी देना शुरू किया। हर दिन, वह उस वृक्ष के पास जाकर पानी देता और उसका ध्यान रखता। कुछ महीनों बाद, वृक्ष में फिर से हरी-भरी पत्तियां उगना शुरू हो गईं। नीलू का दिल खुशी से भर गया। एक दिन, जब वह साधु के पास गया और उसने अपनी कठिन तपस्या के बारे में बताया तो साधु ने उसके प्रयास को सराहा। उन्होंने नीलू को सिखाया कि हर कार्य की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और नेकी का फल हमें कभी न कभी जरूर मिलता है। नीलू ने इस अनुभव से सीखा कि कर्म बोध का मतलब है ।

व्यंग्य केसरी

मैं हारा, वो भी तो हारा..

गिरीश पंकज

भैयाजी हार गए. जनता ने इस बार 'ममता' नहीं दिखाई. लेकिन उनको हार का बिल्कुल ही गम नहीं. वे मज़े से बंगाल का लोकप्रिय नमकीन झालमुड़ी खा रहे थे. उनकी पार्टी का अकड़बाज़ खोखन दा भी तो हार गया है। ढिकानेराम की तो जमानत ही जब्त हो गई। भैयाजी को किसी कवि का यह कथन बहुत अच्छा लगता है कि 'हारने का अर्थ यह भी जानिए जीत की संभावनाएं साथ हैं '। भैयाजी को भरोसा है कि अगली बार चुनाव होगा तो जीत जाएँगे। पांच सालों में जीता हुआ नेता इतना अलोकप्रिय हो जाएगा कि उसके खिलाफ भाषण दे -दे कर हम बाजी मार लेंगे।

भैयाजी के चुनाव में उनके द्वारा दिए गए रुपयों को पूरी तरह से दबा लेने वाले कुछ कार्यकर्ता भैयाजी के पास पहुंचे । एक ने ग्लीसरीनी आंसू बहाते हुए कहा, 'भैयाजी, हम लोगों ने बड़ी मेहनत की।दुर्गा माँ की कसम, आपके रुपए हमने पानी की तरह बहाए लेकिन पता नहीं कैसे क्या हुआ कि अपनी हार हो गई। लगता है जनता ही गद्दार हो गई। सब ने कहा था कि वोट देंगे लेकिन देखो दगाबाज, चोट दे गये। कोई बात नहीं । हम होंगे कामयाब अगली बार । हारिये न हिम्मत बिसारिए न राम।'

भैयाजी हल्की- सी मुस्कान के साथ बोले, 'ठीक कह रहे हो भोले ! वैसे खुशी की बात है कि अकेला मैं नहीं हारा। फलानेराम भी हार गया । ढिकानेराम की तो जमानत ही जप्त हो गई। बड़ा इतराता था कि हमें कोई नहीं हरा सकता। आखिर मिट्टी में मिल गया न ! इसलिए आदमी को घमंड नहीं करना चाहिए। मैं तो भितरघात के कारण हारा। लल्लूराम को टिकट नहीं मिला, तो साला घर-घर जा कर मेरी सीडी दिखा रहा था। इसके खिलाफ तो लगता है, अब सुपारी देनी पड़ेगी ।'

दूसरे चमचे ने कहा, 'भैया जी, तुलसीबाबा कहते है, 'धीरज धर्म मित्र अरु नारी, आपतकाल परखिए चारी'। आपको धीरज रखना है और हम जैसे मित्रों को परखना है। आपने हम पर बहुत भरोसा किया। पाँच-पाँच सौ रुपये की जितनी भी गड्डियां दीं थीं, हमने सब-की-सब फुल ईमानदारी के साथ बांट दी थीं। आप पर लक्ष्मी सदा सहाय रहे। वह फिर आपके पास वापस आएगी। अगले चुनाव में आप भारी मतों से विजयी होंगे । अभी जो बंदा जीतकर आया है उसकी इमेज खराब करने का काम तो हम अभी से शुरू कर देते हैं।'

चमचों की बात सुनकर हारे हुए नेता का गम जाता रहा। उसके चेहरे पर मुस्कान की तितली फिर से मंडराने लगी । उसकी आँखों में आंसू आ गए। उसने कहा, 'तुम लोगों के भरोसे ही अब अपनी नैया पार होगी । चलो, गम गलत करते हैं। खोलो ढक्कन! '

'मगर चखना कहाँ है ? '

' ये झालमुड़ी है न !! '

इतिहास

4 मई का दिन इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जैसे—भारत में वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत, मैक्सिकन सैनिकों की फ्रांसीसी सेना पर जीत, और स्वतंत्रता संग्राम की घटनाओं के लिए जाना जाता है। आज के दिन भारत में राजनीतिक घटनाक्रम और विभिन्न क्षेत्रों में ऐतिहासिक फैसले लिए गए। 4 मई (y May) की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ: 1761: पानीपत की तीसरी लड़ाई के बाद, भारत में अफगान लुटेरे अहमद शाह अब्दाली ने मराठों के खिलाफ जीत दर्ज की थी।1862: मैक्सिकन सेना ने पुएब्ला की लड़ाई में नेपोलियन III की फ्रांसीसी ताकतों को खदेड़ दिया, जो आज विदेशी वर्चस्व के प्रतिरोध के रूप में याद किया जाता है।1985: बोरिस बेकर ने विंबलडन जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनकर इतिहास रचा था। 2003: नासा के अवसर रोवर को डेल्टा II रॉकेट पर मंगल ग्रह के लिए लॉन्च किया गया था।

भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ हरे निशान में बंद, सेंसेक्स में 356 अंकों की उछाल, अदाणी पोर्ट्स रहा टॉप गेनर

मुंबई। मध्य पूर्व में अमेरिका-ईरान तनाव में कमी के संकेतों के बीच वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के चलते हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुए। चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के स्थानीय विधानसभा चुनाव परिणामों के शुरुआती रुझानों ने भी बाजार को समर्थन दिया। हालांकि चुनाव परिणामों की अस्थिरता के बीच आईटी और बैंक शेयरों में गिरावट के चलते घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्क निफ्टी50 और सेंसेक्स अपने दिन के उच्चतम स्तर से नीचे बंद हुए।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 355.90 अंकों यानी 0.46 प्रतिशत की उछाल के साथ 77,269.40 पर ट्रेड करता नजर आया, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 121.75 यानी 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,119.30 पर था।

दिन के कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 900 से अधिक अंकों की उछाल आई और यह 77,257.27 पर खुलकर 77,910.75 का इंट्रा-डे हाई छुआ। वहीं निफ्टी 50 में एक प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी गई और यह 24,063.55 पर खुलकर 24,290.20 का उच्चतम स्तर छुआ।

व्यापक बाजारों ने इस तेजी को समर्थन दिया और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.70 प्रतिशत और निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.63 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मेटल ने बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया और इनमें क्रमश: 2.41 प्रतिशत और 1.09 प्रतिशत की तेजी आई। वहीं, निफ्टी आईटी और निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक का प्रदर्शन बेंचमार्क इंडेक्स से कमजोर रहा।

निफ्टी 50 पैक में अदाणी पोर्ट्स सबसे अधिक लाभ कमाने वाला शेयर रहा, जिसमें 5.41 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। वहीं आयशर मोटर में 3.11 प्रतिशत की उछाल आई। इसके अलावा, अदाणी इंटरप्राइजेज, श्रीराम फाइनेंस, एचयूएल, एलएंडटी, मैक्स हेल्थ, ग्रासिम, इटरनल और सिप्ला के शेयरों में भी तेजी देखने को मिली। जबकि कोटक बैंक, भारती एयरटेल, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, ओएनजीसी, टीसीएस, इंडिगो, इंफोसिस और आईटीसी के शेयरों में गिरावट देखने को मिली और ये टॉप लूजर्स की लिस्ट में शामिल रहे।

सोमवार के सत्र में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में 2.45 प्रतिशत तक की गिरावट आई, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 'ऑपरेशन फ्रीडम' नामक एक नए अभियान की घोषणा की, जिसके तहत वाशिंगटन होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करेगा। इससे भी बाजार की भावना में सुधार हुआ।

इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज पर ब्रेंट क्रूड का मई कॉन्ट्रैक्ट 0.39 प्रतिशत गिरकर 107.75 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच सोना और चांदी गिरावट के साथ खुले

मुंबई। अमेरिका-ईरान तनाव के बीच सोने और चांदी में गिरावट का दौर जारी है और सोमवार को यह लाल निशान में खुले।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना का 5 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,51,532 रुपए के मुकाबले 382 रुपए या 0.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,51,150 रुपए पर खुला।

सुबह 10 बजे सोना 252 रुपए या 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,51,100 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,50,860 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,51,347 रुपए का उच्चतम स्तर बनाया है।

चांदी का 3 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,50,937 रुपए के मुकाबले 238 रुपए या 0.094 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,50,699 रुपए पर खुला। फिलहाल चांदी 574 रुपए या 0.23 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,50,363 रुपए पर था।

चांदी ने अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,49,760 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,51,231 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी में गिरावट जारी है। कॉमेक्स पर सोना 0.55 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,619 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76.065 डॉलर प्रति औंस पर थी।

अमेरिका-ईरान के बीच तनाव लगातार बना हुआ है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को शुरू करेगा, जिसके तहत हॉर्मुज स्ट्रेट में फंसे जहाजों को निकाला जाएगा। इसके लिए अमेरिका ने कई देशों से मदद भी मांगी है।ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि फंसे जहाज और उनके कर्मचारी निर्दोष हैं और वे केवल हालात के कारण कठिनाइयों में घिर गए हैं। उन्होंने आगे कि अमेरिका इन जहाजों को रास्ता दिखाएगा। साथ ही ईरान को चेतावनी दी कि अगर वह कोई खतरा पैदा करता है तो सख्त जवाब मिलेगा।

एथर एनर्जी का नुकसान वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में बढ़कर 100 करोड़ रुपए के पार

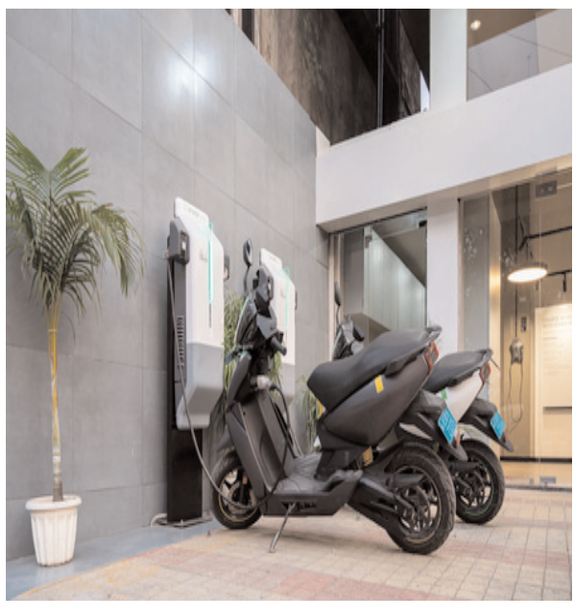

मुंबई। दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) निर्माता कंपनी एथर एनर्जी ने सोमवार को वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए। इस दौरान कंपनी का नुकसान तिमाही आधार पर 18.41 प्रतिशत बढ़कर 100.23 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछली तिमाही (वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही) में 84.64 करोड़ रुपए था।

हालांकि, कंपनी के नुकसान में सालाना आधार पर 57 प्रतिशत की बड़ी गिरावट देखने को मिली है और यह वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 234.36 करोड़ रुपए पर था।

वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में कंपनी की मुख्य परिचालन से आय सालाना आधार पर 74 प्रतिशत बढ़कर 1,174.66 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि पिछली साल की समान तिमाही में 676 करोड़ रुपए पर थी।

कंपनी ने कहा कि उसके मजबूत प्रदर्शन की वजह बाजार हिस्सेदारी में बढ़त और फंडामेंटल ग्रोथ फैक्टर्स थे।

नियामक फाइलिंग के अनुसार, तिमाही के दौरान कुल व्यय 42 प्रतिशत बढ़कर 1,314 करोड़ रुपए हो गया, जबकि एक वर्ष पहले यह 922.15 करोड़ रुपए था।

इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी ने वित्त वर्ष के दौरान अपने फिजिकल और चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार जारी रखा।

अप्रैल 2026 में, कंपनी ने बताया कि उसने अपने विस्तार लक्ष्यों के अनुरूप वित्त वर्ष 2026 में पूरे भारत में अपने एक्सपीरियंस सेंटर्स की संख्या दोगुनी करके 700 से अधिक कर दी है।

कंपनी ने अपने चार्जिंग इकोसिस्टम को भी मजबूत किया है, जिसके तहत 395 से अधिक शहरों में 5,000 से अधिक सार्वजनिक चार्जर्स उपलब्ध कराए गए हैं, जिनमें प्रमुख शहरी बाजारों में कंपनी द्वारा सीधे संचालित 3,675 से अधिक फास्ट चार्जर्स शामिल हैं।

नतीजों की घोषणा के बाद नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर एथर एनर्जी के शेयर पिछले बंद भाव 934.85 रुपए के मुकाबले 0.23 प्रतिशत बढ़कर 937 रुपए पर बंद हुआ।

विधानसभा चुनावों में बीजेपी को बढ़त के बीच सेंसेक्स 700 अंक से अधिक उछला, बंगाल से जुड़ी कंपनियों में जोरदार तेजी

मुंबई। विधानसभा चुनावों के रुझान में पांच में से तीन राज्यों में बीजेपी के आगे होने के बीच भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को जोरदार तेजी देखने को मिल रही है।

दोपहर 12 बजे सेंसेक्स 706 अंक या 0.92 प्रतिशत की मजबूती के साथ 77,616 और निफ्टी 211 अंक या 0.88 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,209 पर था।

बाजार में चौतरफा तेजी देखी जा रही है। लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में जबरदस्त तेजी बनी हुई है। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 155 अंक या 0.86 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,161 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 564 अंक या 0.85 प्रतिशत की बढ़त के साथ 60,349 पर था।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के रुझान में से तीन में असम, पश्चिम बंगाल और पांडिचेरी में बीजेपी आगे बनी हुई है। इसके कारण पश्चिम बंगाल मुख्यालय वाली कंपनियों पर निवेशकों का फोकस बना हुआ है और उनमें जोरदार तेजी देखने को मिल रही है।

खबर लिखे जाने तक एक्साइड इंडस्ट्रीज का शेयर करीब 5 प्रतिशत बढ़कर 378 रुपए, बिड़ला कॉर्पोरेशन 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 961 रुपए, बंधन बैंक 4 प्रतिशत के अधिक के उछाल के साथ 208 रुपए, सेंको गोल्ड 6 प्रतिशत की तेजी के साथ 330 रुपए, लक्स इंडस्ट्रीज करीब 3.5 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,444 रुपए और इमामी का शेयर 3 प्रतिशत की तेजी के साथ 457 रुपए पर था।

जानकारों ने कहा कि विधानसभा चुनावों विशेषकर पश्चिम बंगाल के परिणामों का असर शेयर बाजार पर छोटी अवधि के लिए होगा। हालांकि, लंबी अवधि में बाजार के लिए कच्चा तेल, ईरान-अमेरिका युद्ध, हॉर्मुज स्ट्रेट को खुलने जैसे कई कारण अहम होंगे।

वैश्विक बाजारों में मजबूती से भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत सकारात्मक हुई। सेंसेक्स 343.77 अंक या 0.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,257.27 और निफ्टी 66 अंक या 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,063.55 पर था।

शुरुआती कारोबार में रियल्टी और आईटी शेयरों में खरीदारी देखी गई। सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी और निफ्टी आईटी टॉप गेनर था। निफ्टी ऑटो, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मेटल, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी फार्मा के साथ करीब सभी सूचकांक हरे निशान में थे।

भारत में रियल एस्टेट ट्रांजेक्शन की वैल्यू 2026 की पहली तिमाही में 1.7 अरब डॉलर रही

नई दिल्ली। भारतीय रियल एस्टेट मार्केट में निवेश में 2026 की पहली तिमाही में जोरदार वृद्धि देखने को मिली है और यह 2026 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 37 प्रतिशत बढ़कर 1.7 अरब डॉलर हो गया है। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

जेएलएल की रिपोर्ट में कहा गया कि जनवरी से मार्च अवधि के दौरान बड़ी संपत्तियों के अधिग्रहण की तरफ एक संरचनात्मक बदलाव देखने को मिला है और इनकी वैल्यू 178 प्रतिशत बढ़कर 1.03 अरब डॉलर हो गई है।

दूसरी तिमाही में यह रुझान और तेज हो गया है, जिसमें बड़ी संपत्तियों के सौदों का कुल मूल्य 1.48 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो स्थिर, आय-सृजन करने वाली संपत्तियों में निरंतर विश्वास का संकेत देता है।

जेएलएल इंडिया की वरिष्ठ प्रबंध निदेशक और पूंजी बाजार प्रमुख लता पिल्लई ने कहा कि यह स्थिर, आय-सृजन करने वाली संपत्तियों की ओर एक मूलभूत बदलाव को दर्शाता है, जबकि कार्यालय क्षेत्र का प्रभुत्व मजबूत परिचालन आधार को दर्शाता है।

पिल्लई ने कहा, 'सीमा पार के निवेशकों द्वारा सफलतापूर्वक सौदे पूरे किए जाने से सौदों की गति मजबूत बनी हुई है। भारत का संरचनात्मक विकास हमें 2026 तक इस विकास पथ को बनाए रखने के लिए अच्छी स्थिति में रखता है।'

उन्होंने आगे कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत का निवेश बाजार लचीलापन प्रदर्शित कर रहा है।

रियल एस्टेट क्षेत्र ने 2024 और 2025 के दौरान असाधारण वृद्धि दर्ज की और इस दौरान संस्थागत पूंजी प्रवाह नया रिकॉर्ड स्थापित किया। इन दो वर्षों में कुल मिलाकर 19.4 अरब डॉलर का संस्थागत पूंजी प्रवाह हुआ, जो इस उद्योग के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

भारतीय रियल एस्टेट निवेश में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है, क्योंकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2025 में 52 प्रतिशत की प्रमुख बाजार हिस्सेदारी हासिल कर ली है। यह उपलब्धि 2014 के बाद पहली बार है जब घरेलू पूंजी ने इस क्षेत्र का नेतृत्व किया है, जो 2015-2024 के दशक से एक निर्णायक बदलाव है, जब विदेशी संस्थागत निवेशकों का बाजार पर दबदबा था।रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू मजबूती ने सीमा पार पूंजी प्रवाह में कमी की भरपाई करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, क्योंकि लगातार भू-राजनीतिक जोखिमों के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों ने अधिक सतर्क रुख अपनाया है।

2026 की पहली तिमाही में कुल निवेश मात्रा में स्थानीय संस्थागत निवेशकों का हिस्सा 72 प्रतिशत था।

भारत में मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में तेजी जारी, पीएमआई अप्रैल में 54.7 रहा

नई दिल्ली। भारत में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई अप्रैल में 54.7 रहा है, जो कि मार्च में 53.9 था। इसकी वजह नए ऑर्डर (निर्यात सहित) और रोजगार के अवसर में वृद्धि थी। यह जानकारी एचएसबीसी फ्लैश इंडिया पीएमआई डेटा में सोमवार को दी गई।

अप्रैल का डेटा दिखाता है कि भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं और नए बिजनेस में तेजी जारी है।

वहीं, निर्यात ब्राइट स्पॉट बना हुआ है और वृद्धि दर पिछले सितंबर से सबसे तेज रही है।

रिपोर्ट में कंपनियों ने संकेत दिया है कि मध्य पूर्व में तनाव के कारण महंगाई के दबाव में इजाफा हुआ है। इनपुट और आउटपुट दोनों में क्रमश: 44 और छह महीनों में सबसे तेज वृद्धि हुई है।

एचएसबीसी की चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट प्रांजुल भंडारी ने कहा, 'मध्य पूर्व संघर्ष के प्रभाव अधिक स्पष्ट होते जा रहे हैं, विशेष रूप से महंगाई के रूप में, जिससे इनपुट लागत अगस्त 2022 के बाद से सबसे तेज गति से बढ़ी है, और आउटपुट कीमतें छह महीनों में सबसे तेज दर से बढ़ी हैं।'

मार्च में 53.9 से बढ़कर अप्रैल में 54.7 होने के बावजूद, मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) - जो नए ऑर्डर, उत्पादन, रोजगार, आपूर्तिकर्ता वितरण समय और खरीद के स्टॉक के उपायों से प्राप्त समग्र स्थितियों का एक सूचक है - ने लगभग चार वर्षों में समग्र परिचालन स्थितियों में दूसरी सबसे धीमी सुधार का संकेत दिया।

सर्वेक्षण में शामिल प्रतिभागियों ने संकेत दिया कि विज्ञापन और मांग में स्थिरता ने बिक्री और उत्पादन को समर्थन दिया, लेकिन प्रतिस्पर्धी माहौल, मध्य पूर्व में युद्ध और ग्राहकों द्वारा लंबित कोटेशन को मंजूरी देने में अनिच्छा के कारण विकास बाधित हुआ।

भारतीय निर्माता विकास की संभावनाओं को लेकर आशावादी बने रहे। सकारात्मक भावना का समग्र स्तर मार्च से थोड़ा कम हुआ, हालांकि यह नवंबर 2024 के बाद से अपने दूसरे उच्चतम स्तर पर था।

मध्य पूर्व में तनाव से दुबई एयरपोर्ट का यात्री ट्रैफिक मार्च में 66 प्रतिशत गिरा

नई दिल्ली । मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मार्च में यात्री ट्रैफिक में 60 प्रतिशत से अधिक की बड़ी गिरावट देखने को मिली है। यह जानकारी रिपोर्ट्स में दी गई।

रिपोर्ट्स में बताया गया कि अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते यात्रियों की संख्या में 66 प्रतिशत की कमी आई है।

इस भारी गिरावट के चलते पहली तिमाही में यात्रियों की संख्या घटकर 25 लाख रह गई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 21 लाख कम है।

मध्य पूर्व में तनाव के कारण दुनिया के सबसे व्यस्त अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में से एक को कई परिचालन संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ा है, जिनमें संघर्ष के दौरान आसपास के क्षेत्रों में ड्रोन से संबंधित घटनाओं के कारण अस्थायी बंद भी शामिल हैं। इन घटनाओं के चलते पश्चिम एशिया में व्यापक उड़ानें बाधित हुईं और इस महीने यात्रा की मांग में कमी आई।

हालांकि, पूरे वर्ष के लिए कोई पूर्वानुमान जारी नहीं किया गया है, लेकिन अधिकारियों ने संकेत दिया है कि हवाई यात्रा की मांग मजबूत बनी हुई है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी पॉल ग्रिफिथ्स ने कथित तौर पर कहा कि हवाई अड्डा धीरे-धीरे क्षमता बहाल होने के साथ यातायात में सुधार को संभालने के लिए अच्छी स्थिति में है, जिससे एक प्रमुख वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में इसकी स्थिति और मजबूत हो रही है। इस बीच, भारत सबसे बड़ा स्रोत बाजार बना रहा, जिसने 25 लाख यात्रियों का योगदान दिया, इसके बाद सऊदी अरब, यूनाइटेड किंगडम और पाकिस्तान का स्थान रहा। गंतव्यों में, लंदन में सबसे अधिक 7.52 लाख यात्रियों की आवाजाही दर्ज की गई, जिसके बाद मुंबई और जेद्दा का स्थान रहा।

इससे पहले मार्च में, दुबई हवाई अड्डे ने पास में एक ईंधन टैंक पर ड्रोन हमले के बाद एहतियात के तौर पर अस्थायी रूप से उड़ानों को निलंबित करने की घोषणा की थी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, हवाई अड्डे ने कहा कि यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उड़ानें रोकी गई थीं, साथ ही यात्रियों को अपडेट के लिए एयरलाइंस से संपर्क करने की सलाह दी गई थी।

नहाने के बाद बालों में तेल लगाते हैं आप? आज ही छोड़ दें यह आदत

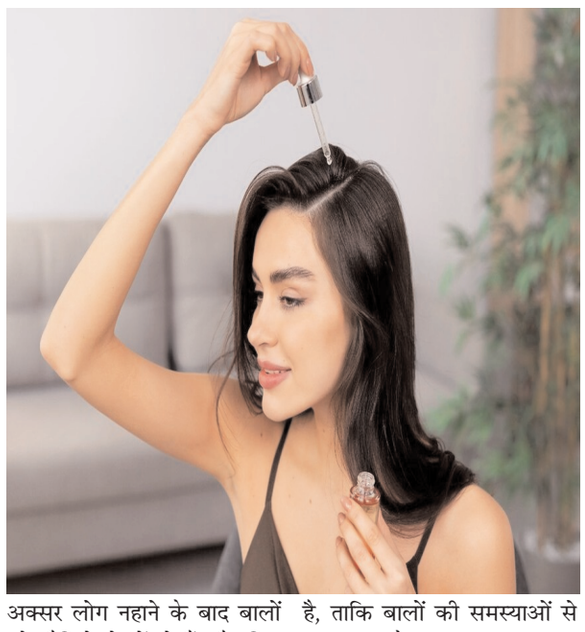

अक्सर लोग नहाने के बाद बालों को तौलिये से पोंछते हैं और फिर उसके बाद ऑयल लगा लेते हैं। बालों में ऑयल लगाना एक पुरानी परंपरा है, जिसे आज भी तमाम लोग फॉलो करते हैं। क्या आप जानते हैं कि नहाने के तुरंत बाद बालों में तेल लगाना कई बार नुकसानदेह भी हो सकता है? ज्यादातर लोग यह सोचकर गीले बालों में तेल लगा लेते हैं कि इससे बाल ज्यादा मुलायम और चमकदार बनेंगे, लेकिन एक्सपर्ट्स के अनुसार यह आदत लंबे समय में बालों को कमजोर कर सकती है। इसलिए इस बारे में सही जानकारी होना बेहद जरूरी है, ताकि बालों की समस्याओं से बचा जा सके।

यूपी के कानपुर स्थित जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. युगल राजपूत ने ह्न2ह्य18 को बताया कि नहाने के बाद जब बाल गीले होते हैं, तब उनकी जड़ें और स्ट्रक्चर सबसे ज्यादा नाजुक होते हैं। इस समय बालों पर तेल लगाने से उनका वजन बढ़ जाता है, जिससे बाल खिंच सकते हैं और टूटने लगते हैं। खासकर अगर आप जोर से तेल लगाते हैं या कंघी करते हैं, तो हेयर फॉल की समस्या और बढ़ सकती है। यही कारण है कि गीले बालों में भारी प्रोडक्ट न लगाने की सलाह दी जाती है।

डॉक्टर के मुताबिक, गीले बालों में तेल लगाने से स्कैल्प पर गंदगी और धूल चिपकने का खतरा बढ़ जाता है। जब बाल पूरी तरह सूखे नहीं होते, तब तेल लगाने से स्कैल्प की सतह बंद हो सकती है, जिससे पसीना और बैक्टीरिया जमा हो सकते हैं। इससे डैंड्रफ, खुजली और स्कैल्प इंफेक्शन जैसी समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि नहाने के बाद बिल्कुल भी तेल नहीं लगाया जा सकता। अगर आपके बाल बहुत ज्यादा ड्राय या फ्रिजी हैं, तो आप हल्की मात्रा में तेल या सीरम लगाएं।

एक्सपर्ट का मानना है कि बालों में तेल लगाने का सबसे सही समय नहाने से पहले होता है। इससे तेल स्कैल्प में अच्छे से अवशोषित होता है और बालों को गहराई से पोषण मिलता है। आप नहाने से 30 से 40 मिनट पहले हल्के हाथों से तेल लगाकर मसाज करें और फिर शैंपू कर लें। इससे बाल मजबूत, मुलायम और हेल्दी बने रहते हैं। अगर आप अपने बालों को लंबे समय तक स्वस्थ रखना चाहते हैं, तो नहाने के तुरंत बाद गीले बालों में तेल लगाने की आदत छोड़ना ही बेहतर है। सही समय और सही तरीके से तेल लगाने से ही बालों को असली फायदा मिलता है।

ममता की 'एसआईआर' राजनीति उन पर ही भारी पड़ी? 2005 में लोकसभा में फेंके थे कागज, 2026 में सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं

इक्कीस साल पहले ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ के खिलाफ लोकसभा में कागज फेंककर विरोध जताया था। 2026 में उन्होंने चुनाव आयोग की 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (स्ङ्क) प्रक्रिया के खिलाफ लड़ाई लड़ी, जिसका मकसद मतदाता सूची को साफ करना था।

4 अगस्त 2005 को क्या हुआ था?

बनर्जी ने पश्चिम बंगाल की वोटर लिस्ट में अवैध प्रवासियों के शामिल होने के मुद्दे पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव पेश किया था, जिसे उन्होंने 'आपदा' करार दिया था।

जब उपसभापति चरणजीत सिंह अटवाल ने उनके प्रस्ताव को खारिज कर दिया, तो वह सदन के वेल में पहुंच गईं और स्पीकर की कुर्सी की ओर कागजों का पुलिंदा फेंक दिया।

इस घटना के बाद उन्होंने लोकसभा से इस्तीफा दे दिया और कहा कि अगर वह जनता के मुद्दे नहीं उठा सकतीं, तो सदस्य बने रहने का कोई मतलब नहीं है।

हालांकि, स्पीकर सोमनाथ चटर्जी ने उनका इस्तीफा यह कहते हुए खारिज कर दिया कि वह निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार नहीं दिया गया था।

कैसे 2005 की गूंज 2026 में लौटी

2026 में चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में व्यापक स्ङ्क अभियान चलाया। बनर्जी ने आरोप लगाया कि इस 'खतरनाक' कदम में 1.20 करोड़ से अधिक नाम हटाने का खतरा है। उन्होंने आयोग को 'व्हाट्सऐप कमीशन' तक कहा और आरोप लगाया कि यह कार्रवाई 2026 विधानसभा चुनाव से पहले उनके वोट बैंक को निशाना बना रही है।

टीएमसी पर पहले आरोप लगते रहे हैं कि उसने 'घुसपैठियों' को वोटर लिस्ट में शामिल होने दिया। ऐसे में स्ङ्क के तहत नाम हटाने का विरोध करने पर उनके आलोचकों ने कहा कि वह अवैध मतदाताओं को बचाने की कोशिश कर रही हैं और उनका पुराना मुद्दा अब उन्हीं के खिलाफ इस्तेमाल हो रहा है।

बनर्जी ने चुनाव आयोग के साथ लंबा और तीखा टकराव किया। वह अपनी आपत्तियां दर्ज कराने के लिए दिल्ली भी गईं और चेतावनी दी कि इस प्रक्रिया से 'बड़ा असर' और 'जन आक्रोश' पैदा होगा।

उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दाखिल कीं और 4 फरवरी 2026 को खुद अदालत में पेश होकर स्ङ्क के खिलाफ दलील दी, जहां उन्होंने मतदाताओं के उत्पीड़न का आरोप लगाया।

विशेषज्ञों के मुताबिक, उनके विरोधियों ने इस कानूनी लड़ाई को इस रूप में पेश किया कि सत्ता में आने के बाद बनर्जी वही कानूनी रास्ते अपना रही हैं, जिनके दुरुपयोग का आरोप वह पहले वामपंथी सरकार पर लगाती थीं।

इस बीच, ऐसी खबरें भी सामने आईं कि टीएमसी के एक मुखपत्र ने गलती से यह रिपोर्ट कर दिया कि बनर्जी ने स्ङ्क फॉर्म प्राप्त कर भर दिया है, जिसे उन्होंने सख्ती से खारिज कर दिया। इससे यह भी संकेत मिला कि पार्टी के भीतर ही इस मुद्दे पर सहयोग और विरोध को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है।

विपक्षी नेताओं, जिनमें भाजपा के सुवेंदु अधिकारी भी शामिल हैं, ने इस बात को उजागर किया कि जब ममता बनर्जी विपक्ष में थीं, तब वह सख्त मतदाता सूची की मांग करती थीं, लेकिन सत्ता में आने के बाद वह इसका विरोध कर रही हैं।

इस आधार पर उन पर आरोप लगाया गया कि जब मुद्दे उनके राजनीतिक हितों को प्रभावित करते हैं, तो वह अपने मूल सिद्धांतों से पीछे हट जाती हैं।

विश्लेषकों के अनुसार, इन सभी बातों का इस्तेमाल उन्हें चुनाव से पहले 'बेचैन' और 'अस्थिर' दिखाने के लिए किया गया, जिसका असर जनता की धारणा पर भी पड़ सकता है।

ग्रेट निकोबार विकास परियोजना क्यों चर्चा में है: क्या है योजना, क्या हैं जोखिम?

ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना 81,000-92,000 करोड़ रुपये की एक विशाल अवसंरचना पहल है, जिसका उद्देश्य भारत के सबसे दक्षिणी द्वीप को वैश्विक समुद्री और रणनीतिक हब में बदलना है।

क्यों चर्चा में है यह परियोजना?

यह परियोजना राजनीतिक और कानूनी बहस का प्रमुख मुद्दा बनी हुई है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 28 अप्रैल 2026 को द्वीप का दौरा किया और इसे 'प्राकृतिक और आदिवासी विरासत के खिलाफ अपराध' बताया। इसके जवाब में सरकार ने 1 मई को एक विस्तृत प्रेस नोट जारी कर इसकी रणनीतिक जरूरत का बचाव किया।

फरवरी 2026 में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (ह्नङ्क) ने परियोजना को 'रणनीतिक महत्व' बताते हुए मंजूरी दे दी और पर्यावरणीय स्वीकृति को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। 16 फरवरी को ट्रिब्यूनल ने 'संतुलित दृष्टिकोण' अपनाते हुए कहा कि मलक्का जलडमरूमध्य के पास राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यापार के लिहाज से परियोजना का महत्व अधिक है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रांसशिपमेंट पोर्ट और सोलर पावर जैसी प्रमुख परियोजनाओं के लिए बोली प्रक्रिया जारी है।

क्या है योजना?

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह एकीकृत विकास निगम (ANIIDCO) द्वारा लागू इस परियोजना का दायरा 166 वर्ग किमी है और इसमें चार प्रमुख हिस्से शामिल हैं:

गलाथिया बे ट्रांसशिपमेंट पोर्ट: 16 मिलियन ञ्जश्व क्षमता वाला गहरे समुद्र का बंदरगाह, जो सिंगापुर और कोलंबो से प्रतिस्पर्धा करेगा।

ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा:

नागरिक और सैन्य दोनों उपयोग वाला हवाई अड्डा, जिसमें प्रति घंटे 4,000 यात्रियों की क्षमता होगी।

एकीकृत ग्रीनफील्ड सिटी: 2047 तक 3.5 लाख से अधिक लोगों को बसाने की योजना।

450 MVA पावर प्लांट: गैस और सौर ऊर्जा आधारित संयंत्र, जो द्वीप की ऊर्जा जरूरतें पूरी करेगा।

पर्यावरणीय और सामाजिक जोखिम क्या हैं?

आलोचकों और पर्यावरणविदों ने कई गंभीर और अपरिवर्तनीय जोखिमों की चेतावनी दी है: वनों की कटाई: आधिकारिक अनुमान के मुताबिक 7.11 लाख से 9.64 लाख पेड़ काटे जा सकते हैं, जबकि कुछ वैज्ञानिक इससे अधिक संख्या की आशंका जता रहे हैं।

लुप्तप्राय वन्यजीवों पर खतरा: गलाथिया बे क्षेत्र विशाल लेदरबैक कछुए का प्रमुख nesting स्थल है। साथ ही निकोबार मेगापोड (भूमि पर घोंसला बनाने वाला पक्षी) पर भी खतरा है।

आदिवासी समुदायों पर असर: शोमपेन जनजाति (अत्यंत संवेदनशील जनजातीय समूह) और निकोबारी समुदाय के लिए खतरे की आशंका है। विशेषज्ञों का कहना है कि बाहरी आबादी के संपर्क से रोगों के कारण बड़े पैमाने पर मौतें हो सकती हैं।

भूकंपीय जोखिम: यह क्षेत्र उच्च भूकंपीय जोन (जोन ङ्क) में आता है। 2004 की सुनामी में द्वीप का दक्षिणी हिस्सा 15 फीट तक धंस गया था, जिससे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा पर सवाल उठते हैं।

सरकार का क्या कहना है?

केंद्र सरकार इस परियोजना को 'रणनीतिक राष्ट्रीय संपत्ति' मानती है और इसके पक्ष में कई तर्क देती है।

धीमी दिल की धड़कन? डॉक्टर बताते हैं कब ब्रैडीकार्डिया सामान्य है और कब चिंता की बात

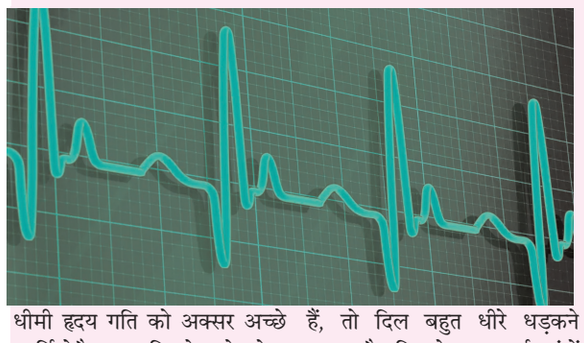

धीमी हृदय गति को अक्सर अच्छे कार्डियोवैस्कुलर फिटनेस से जोड़ा जाता है। हालांकि, मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, नई दिल्ली के इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के वाइस चेयरमैन डॉ. नवीन भामरी के अनुसार, 'आराम की स्थिति में कम नाड़ी दर सहनशक्ति और दक्षता का संकेत हो सकती है, खासकर नियमित व्यायाम करने वालों में, लेकिन यह हमेशा अच्छे स्वास्थ्य का संकेत नहीं होती।'

यह समझना जरूरी है कि कब धीमी हृदय गति सामान्य है और कब यह किसी समस्या का संकेत हो सकती है।

ब्रैडीकार्डिया क्या है? जब धीमी गति बेहतर नहीं होती

ब्रैडीकार्डिया का मतलब है दिल की धड़कन का प्रति मिनट 60 से कम होना। यह नींद के दौरान या एथलीट्स में सामान्य हो सकता है, लेकिन अगर यह लगातार बना रहे या इसके साथ लक्षण हों, तो यह किसी अंदरूनी समस्या का संकेत हो सकता है।

डॉ. भामरी बताते हैं, 'दिल की धड़कन को नियंत्रित करने के लिए साइनोएट्रियल (ङ्क) नोड से इलेक्ट्रिकल सिग्नल्स बनते हैं। जब ये सिग्नल धीमे या बाधित हो जाते हैं, तो दिल बहुत धीरे धड़कने लगता है, जिससे महत्वपूर्ण अंगों तक रक्त प्रवाह प्रभावित होता है।'

इससे खासकर दिमाग तक ऑक्सीजन युक्त रक्त की आपूर्ति कम हो सकती है, जिससे थकान, चक्कर या बेहोशी तक हो सकती है।

पहचान की चुनौती: एक 'साइलेंट' स्थिति

ब्रैडीकार्डिया की सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह अक्सर नजरअंदाज हो जाता है। इसके लक्षण हल्के, बीच-बीच में आने वाले या सामान्य समस्याओं जैसे तनाव, उम्र या नींद की कमी से मिलते-जुलते हो सकते हैं।

डॉ. भामरी के अनुसार, 'कई मरीज शुरुआती संकेतों को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे निदान में देरी होती है।'

आम लक्षण:

लगातार थकान या कमजोरी

चक्कर आना या हल्कापन

महसूस होना हल्की गतिविधि में भी सांस फूलना व्यायान करने की क्षमता कम होनाभ्रम या ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई बेहोशी या बेहोशी जैसा महसूस होना 'जरूरी है कि आप अपने शरीर में हो रहे बदलावों को समझें और समय रहते ध्यान दें,' वे कहते हैं।

फिटनेस या छिपा हुआ जोखिम?

शारीरिक रूप से सक्रिय लोगों में कम हृदय गति अक्सर अच्छे स्वास्थ्य का संकेत होती है, क्योंकि नियमित व्यायाम से दिल की कार्यक्षमता बेहतर होती है।

लेकिन डॉ. भामरी चेतावनी देते हैं, 'फिट लोगों में भी कम हृदय गति कभी-कभी छिपी हुई समस्या को छुपा सकती है। असली बात यह है कि शरीर गतिविधि के दौरान कैसे प्रतिक्रिया देता है।'

एक स्वस्थ दिल व्यायाम के दौरान अपनी गति बढ़ाता है और बाद में जल्दी सामान्य हो जाता है। अगर कम धड़कन के साथ थकान, चक्कर या स्टैमिना में कमी जैसे लक्षण दिखें, तो यह संकेत हो सकता है कि दिल की इलेक्ट्रिकल प्रणाली ठीक से काम नहीं कर रही।

किसे ज्यादा खतरा है?

ब्रैडीकार्डिया किसी भी उम्र में हो सकता है, लेकिन कुछ लोगों में इसका जोखिम ज्यादा होता है।

डॉ. भामरी बताते हैं, 'बुजुर्गों में उम्र के साथ दिल की इलेक्ट्रिकल प्रणाली कमजोर होने के कारण खतरा अधिक होता है।'

अन्य जोखिम समूह:

डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर या हृदय रोग से पीड़ित लोग

ऐसी दवाएं लेने वाले मरीज, जो दिल की धड़कन धीमी करती हैं

जिनका पहले कोई हार्ट संबंधी इलाज या सर्जरी हो चुकी हो

'बुजुर्गों में लक्षणों को अक्सर सामान्य उम्र बढ़ने का हिस्सा मान लिया जाता है।

हेल्दी खाने के बावजूद बढ़ रहा है वजन? एक्सपर्ट्स ने बताई वजह

महिलाओं में वजन बढ़ने को अक्सर केवल 'कैलोरी इन बनाम कैलोरी आउट' के रूप में समझा जाता है, लेकिन हकीकत इससे कहीं ज्यादा जटिल है। मणिपाल हॉस्पिटल, येलहंका की कंसल्टेंट (प्रसूति एवं स्त्री रोग) डॉ. सश्मिता कहती हैं, 'हम लगातार ऐसी महिलाओं को देख रहे हैं जो संतुलित आहार लेती हैं और सक्रिय रहती हैं, फिर भी उनका वजन बिना किसी स्पष्ट कारण के बढ़ता है। इससे साफ है कि इसके पीछे जैविक और हार्मोनल कारक भी भूमिका निभाते हैं, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है।'

डॉ. सश्मिता बताती हैं, 'हार्मोनल असंतुलन इसके प्रमुख कारणों में से एक है। पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (PCOS) जैसी स्थितियां इंसुलिन रेजिस्टेंस पैदा कर सकती हैं, जिससे शरीर में खासकर पेट के आसपास चर्बी जमा होने लगती है। इसी तरह, हाइपोथायरॉइडिज्म जैसे थायरॉयड विकार मेटाबॉलिज्म को धीमा कर देते हैं, जिससे बिना ज्यादा खानपान में बदलाव के भी धीरे-धीरे वजन बढ़ सकता है।'

वह आगे कहती हैं, 'क्रॉनिक स्ट्रेस एक और छिपा हुआ कारण है, जिसे लोग अक्सर कम आंकते हैं। तनाव के दौरान बढ़े हुए कॉर्टिसोल और अन्य हार्मोन भूख बढ़ाते हैं, फैट स्टोरेज को बढ़ावा देते हैं और नींद के पैटर्न को बिगाड़ते हैं। खराब नींद फिर हार्मोनल संतुलन को और प्रभावित करती है, जिससे एक

दुष्चक्र बन जाता है और वजन नियंत्रित करना और मुश्किल हो जाता है।'

डॉ. सश्मिता आधुनिक जीवनशैली की भूमिका पर भी जोर देती हैं। 'बैठे रहने की आदत, अनियमित खाने का समय और अत्यधिक स्क्रीन टाइम मेटाबॉलिक हेल्थ को नुकसान पहुंचा सकते हैं, भले ही व्यक्ति को लगे कि वह सही खा रहा है। इसके अलावा, गट हेल्थ, जिसे अक्सर नजरअंदाज किया जाता है, यह तय करने में अहम भूमिका निभाती है कि शरीर भोजन को कितनी प्रभावी तरीके से मेटाबोलाइज करता है और वजन को कैसे नियंत्रित करता है।'

वह कहती हैं, 'वजन प्रबंधन के लिए एक ही तरीका सभी पर लागू नहीं होता। जिन महिलाओं का वजन बिना कारण बढ़ रहा है, उन्हें व्यापक जांच करवानी चाहिए, जिसमें हार्मोनल जांच, थायरॉयड फंक्शन टेस्ट और मेटाबॉलिक स्क्रीनिंग शामिल हैं। शुरुआती पहचान और व्यक्तिगत उपचार—चाहे वह दवा हो या लक्षित जीवनशैली में बदलाव—बड़ा फर्क ला सकते हैं।'

अंत में, डॉ. सश्मिता कहती हैं, 'वजन बढ़ना हमेशा इच्छाशक्ति की कमी नहीं होता। अक्सर यह संकेत होता है कि शरीर के भीतर कुछ गहरे असंतुलन हैं, जिन्हें सही ध्यान और देखभाल की जरूरत है।

केदारनाथ यात्रा की योजना बना रहे हैं? ट्रेक से पहले ये जरूरी हेल्थ चेक्स न करें नजरअंदाज

केदारनाथ धाम यात्रा शुरू हो चुकी है, लेकिन शुरुआत में ही चिंताजनक खबरें सामने आई हैं। एक 69 वर्षीय श्रद्धालु की पहले ही दिन हार्ट अटैक से मौत हो गई, जबकि एक अन्य घटना में 32 वर्षीय युवक की सोनप्रयाग में दिल का दौरा पड़ने से जान चली गई। इन लगातार घटनाओं ने एक बार फिर अहम सवाल खड़ा कर दिया है।

केदारनाथ ट्रेक कितना चुनौतीपूर्ण है?

केदारनाथ मंदिर तक पहुंचने का रास्ता सिर्फ आध्यात्मिक ही नहीं, बल्कि शारीरिक रूप से भी काफी कठिन है। गौरीकुंड से

लगभग 16-18 किलोमीटर लंबा ट्रेक है, जिसमें खड़ी चढ़ाई, ऊबड़-खाबड़ रास्ते और 11,000 फीट से अधिक ऊंचाई शामिल है।

इस ऊंचाई पर ऑक्सीजन का स्तर कम हो जाता है, जिससे शरीर को सामान्य गतिविधियां करने के लिए भी ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। लंबे समय तक चलना, बदलता मौसम और भीड़—ये सभी मिलकर दिल और फेफड़ों पर दबाव बढ़ा सकते हैं, खासकर बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों में।

यात्रा के दौरान हेल्थ इमरजेंसी क्यों होती हैं?

ऐसी यात्राओं के दौरान अचानक दिल से जुड़ी समस्याएं अक्सर छिपी हुई बीमारियों, तैयारी की कमी या शरीर की क्षमता से ज्यादा मेहनत करने के कारण होती हैं।

ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी, दिल की धड़कन का तेज होना और ब्लड प्रेशर का बढ़ना आम है। अगर शरीर इसके लिए तैयार नहीं है, तो ये स्थिति खतरनाक हो सकती है। कई बार जो लोग खुद को फिट मानते हैं, उनमें भी हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या दिल की बीमारी जैसे जोखिम छिपे होते हैं, जो इस तरह की परिस्थितियों में अचानक सामने आ जाते हैं।

ट्रेक से पहले कौन-कौन से हेल्थ चेक्स जरूरी हैं?

केदारनाथ यात्रा की योजना बनाने से पहले सामान्य चेकअप काफी नहीं है, बल्कि दिल और फेफड़ों की फिटनेस की विशेष जांच जरूरी है।

अदा शर्मा ने बताया अपनी सफलता का पैमाना, कहा- बॉक्स ऑफिस नंबर और लोगों की राय अस्थायी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा का मानना है कि उनके लिए सफलता केवल बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों या समीक्षकों की तारीफ तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उनके लिए यह मायने रखता है कि वह अपने अभिनय से दर्शकों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ पा रही हैं।

जब अदा शर्मा से पूछा गया कि करियर के इस पड़ाव पर वह सफलता को कैसे मापती हैं, तो उन्होंने जवाब में आईएएनएस को बताया, 'बॉक्स ऑफिस उस शोर मचाने वाले दोस्त की तरह है जो चिल्लाता है 'द केरल स्टोरी ने 375 करोड़ कमाए, यह फिल्म महिला प्रधान की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है', और निश्चित रूप से जब ऐसा होता है तो मैं बहुत शुक्रगुजार भी महसूस करती हूं, लेकिन आपके काम की आलोचनात्मक समीक्षा उस बुद्धिमान मित्र की तरह है जो ज्यादा नहीं बोलता, लेकिन जब वह तारीफ करता है तो आपको ऐसा लगता है जैसे आपने कोई परीक्षा पास कर ली है।'

2008 में हिंदी हॉरर फिल्म '1920' से बॉलीवुड में करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस किया था।

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'संख्याएं और राय आती-जाती रहती हैं; मेरे लिए जो मायने रखता है वह यह है कि दर्शक दृश्यों पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं, प्रदर्शन और संवादों को कैसे याद रखते हैं।'

'द केरल स्टोरी' से अपार सफलता हासिल करने वाली अभिनेत्री ने बताया कि उनके प्रशंसक आज भी 1920 और सनफ्लावर जैसी फिल्मों में उनके अभिनय के बारे में बात करते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझसे मिलने वाले बहुत से लोग मुझे बताते हैं कि 1920 ने उन्हें कैसे डरा दिया, सनफ्लावर ने उन्हें कैसे हंसाया और द केरल स्टोरी ने उन्हें कैसे रुलाया।

अदा राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी अभिनीत फिल्म 'गवर्नर: द साइलेंट सेवियर' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं।

खबरों के मुताबिक, यह फिल्म एस. वेंकिटरमणन से प्रेरित है, जिन्होंने भारत के 1991 के आर्थिक संकट के दौरान आरबीआई गवर्नर के रूप में कार्य किया और देश के वित्तीय बचाव काल से उनका गहरा संबंध था। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने अभी तक इन दावों की पुष्टि नहीं की है और यह भी स्पष्ट नहीं किया है कि फिल्म वाकई उन्हीं पर आधारित है या नहीं। यह फिल्म 12 जून को रिलीज होगी।

संत त्यागराज की 259वीं जयंती : सांस्कृतिक विरासत को बचाने का संकल्प, पवन कल्याण ने सुझाए दो बड़े प्रस्ताव

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री व अभिनेता पवन कल्याण ने संत त्यागराज की 259वीं जयंती के पावन अवसर पर सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने भारत के महानतम संगीतकार-संतों में से एक को विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए उनकी संगीत विरासत को संरक्षित करने की अपील की।

पवन कल्याण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'संत त्यागराज की 259वीं जयंती के पावन अवसर पर मैं भारत के महानतम संगीतकार-संतों में से एक को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उनके संगीत ने भक्ति को एक शाश्वत आध्यात्मिक मार्ग में बदल दिया और भारत की सांस्कृतिक आत्मा को समृद्ध किया। पवन कल्याण ने बताया, आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले के काकरला गांव में जन्मे संत त्यागराज तेलुगु भाषी लोगों के लिए गौरव का प्रतीक हैं। उन्होंने कर्नाटक शास्त्रीय संगीत को नई ऊंचाइयां दीं। उनकी रचनाएं भक्ति भाव और दार्शनिक गहराई से भरी हुई हैं। संत त्यागराज कर्नाटक संगीत की प्रसिद्ध 'त्रिमूर्ति' में से एक हैं। अन्य दो मुथुस्वामी दीक्षितार और श्यामा शास्त्री हैं। पुरंदर दास से प्रेरणा लेते हुए और भगवान श्री राम की भक्ति में लीन रहकर उन्होंने अपना पूरा जीवन संगीत साधना को समर्पित कर दिया।

परंपरा के अनुसार संत त्यागराज ने लगभग 24 हजार कृतियों की रचना की थी लेकिन वर्तमान में मात्र 730 रचनाएं ही उपलब्ध हैं। इनमें से भी केवल करीब 400 रचनाएं ही सक्रिय रूप से गाई जाती हैं। पवन कल्याण ने इस बात पर चिंता जताते हुए कहा कि यह हमारा सामूहिक कर्तव्य है कि इस अमूल्य संगीत विरासत को तुरंत संरक्षित किया जाए और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाया जाए। उनकी प्रसिद्ध रचनाएं जैसे 'जगदानंद कारका', 'एंदारो महानुभावुलु', 'बंटु रीति कोलवु', 'समाजवरगमना' और 'नागुमोमु' आज भी भाषा और सीमाओं से परे संगीत प्रेमियों को आकर्षित करती हैं।

नफीसा अली ने दी सर्जरी के बाद हेल्थ अपडेट, शेयर किया पार्क में टहलने का अनुभव

मुंबई। बॉलीवुड की वरिष्ठ अभिनेत्री नफीसा अली की अप्रैल में सर्जरी हुई है। अब उन्होंने अपनी सेहत के बारे में एक अपडेट शेयर करते हुए बताया है कि वह अब आखिरकार पार्क में टहल पा रही हैं।

नफीसा ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वह पार्क में टहलती हुई नज़र आ रही हैं। इस तस्वीर में, वह पार्क में सैर कर रही हैं। तस्वीर में उनके चारों ओर हरियाली दिखाई दे रही हैं। 69 वर्षीय अभिनेत्री ने इंडियन आउटफिट पहना हुआ है। उन्होंने इस आरामदायक आउटफिट में सर्जरी के बाद की देखभाल के लिए अपनी कमर पर एक सपोर्ट बेल्ट बांधी हुई है।

नफीसा ने कैप्शन में लिखा, 'आखिरकार, 6 अप्रैल 2026 को हुई मेरी सर्जरी के बाद मैं पार्क का एक चक्कर लगाने में कामयाब हो गई हूं... कल रात हुई बारिश ने पार्क में इस सैर को और भी शानदार बना दिया।

17 अप्रैल को, नफीसा ने अपनी कैंसर सर्जरी के निशान की एक झलक शेयर की थी और उसे 'ग्रेट वॉल' (महान दीवार) का नाम दिया था। उन्होंने अपने पेट की एक क्लोज-अप तस्वीर शेयर की थी, जिसमें सर्जरी का एक लंबा सीधा मार्क दिखाई दे रहा था, जिस पर टांके लगे थे। नफीसा को 2018 में स्टेज 3 पेरिटोनियल और ओवेरियन कैंसर का पता चला था। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मेरी 'ग्रेट वॉल'—ठीक 8 साल बाद इसे फिर से काटा गया है।

मीम क्रिएटर्स को कमाल का स्टोरीटेलर मानते हैं दिव्येंदु, बोले- इंडस्ट्री में मिल सकता है बेहतरीन मौका

मुंबई। 'मिर्जापुर' में मुन्ना भैया के किरदार से रातोंरात मशहूर हुए अभिनेता दिव्येंदु मीम कल्चर को लेकर काफी सकारात्मक हैं। उन्होंने कहा है कि मीम बनाने वाले लोग बेहद रचनात्मक और कहानी कहने में माहिर होते हैं। उनका मानना है कि इन क्रिएटर्स को फिल्म इंडस्ट्री में काम मिलना चाहिए।

दिव्येंदु ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'लोग अपने पसंदीदा किरदारों को मीम्स के जरिए अपनी जिंदगी में इतना अपनाते हैं, यह देखकर बहुत अच्छा लगता है। यह खास और भावनाओं से भर देने वाला अनुभव है।'

उन्होंने आगे कहा कि मीम्स मजेदार और रचनात्मक तरीके से बनाए जाते हैं, लेकिन किरदार की लोकप्रियता के साथ जिम्मेदारी भी आती है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी किरदार या स्थिति को जरूरत से ज्यादा महिमामंडित नहीं करना चाहिए।

अभिनेता ने कहा, 'कई बार मुझे लगता है कि मीम बनाने वालों को हमारी फिल्म इंडस्ट्री में काम मिल सकता है। अगर पर्दे के सामने नहीं तो कम से कम डायलॉग राइटर या स्क्रीनप्ले राइटर के रूप में। वे दो अलग-अलग चीजों को जोड़कर जो तरीका अपनाते हैं, वह सचमुच हैरान कर देने वाला है।'

दिव्येंदु अपने किरदारों को मीम और पॉप कल्चर का हिस्सा बनते देख काफी खुश नजर आते हैं। उनका कहना है कि यह दर्शकों का प्यार उनके लिए बहुत मायने रखता है।

अभिनेता दिव्येंदु जल्द ही अपकमिंग वेब सीरीज 'ग्लोरी' में नजर आएंगे। इस बीच उन्होंने हाल ही में बताया था कि वास्तव में ग्लोरी क्या है? अपनी कामयाबी और 'ग्लोरी' की परिभाषा को लेकर उन्होंने स्पष्ट तौर पर अपनी बात रखी है। अभिनेता का मानना है कि बाहरी तारीफ से ज्यादा काम में ईमानदारी महत्वपूर्ण है और यही उनके लिए असली ग्लोरी है।

उन्होंने कहा कि इस इंडस्ट्री में उनके लिए असली शान अपने काम से संतोष और खुद को स्क्रीन पर बेहतरीन प्रदर्शन के साथ देख पाने में है।

दिव्येंदु ने कहा, 'मुझे लगता है कि जिस काम से मैं खुश हूं, अगर लोग उसकी तारीफ करें तो यह अच्छी बात है। लेकिन सबसे जरूरी यह है कि मैं घर जाकर चैन से और खुशी से सो सकूं। खुद को स्क्रीन पर देखूं और शर्मिंदा न होऊं। मेरे लिए ग्लोरी की शुरुआत यहीं से होती है।

सलमान खान ने 42 साल पुराने 'भाई' के निधन पर शोक जताया, कहा-तुम्हारे लिए आंसू नहीं, सिर्फ यादें हैं

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने रविवार रात अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर 42 साल पुराने अपने भाई समान दोस्त सुशील कुमार के निधन पर शोक व्यक्त किया।

सलमान खान ने अपने दोस्त की याद में एक दिल छू लेने वाला नोट लिखा। उन्होंने लिखा, 'यह शख्स 42 सालों से मेरा भाई था, सबसे अच्छा, दयालु और मददगार। चाहे खुद कितनी भी मुश्किल में हो, हमेशा मुस्कुराता, नाचता रहता था और सबसे खराब हालात में भी कोई दर्द या तनाव नहीं दिखाता था। चाहे आर्थिक, भावनात्मक या शारीरिक समस्या हो, वह हमेशा कहता था कि 'फर्क नहीं पड़ता, सब ठीक हो जाएगा।''

सलमान ने आगे लिखा, 'सुशील कुमार उसका नाम है, या यूं कहूं कि 5 मिनट पहले तक उसका नाम था। अलविदा भाई, तुमने एक सच्चे इंसान की तरह जिंदगी जी और मौत का सामना एक हैवीवेट चैंपियन की तरह किया। तुम्हारे लिए कोई आंसू नहीं, सिर्फ यादें और हंसी हैं।'

अभिनेता ने कहा, 'मेरा 'प्रा' चेहरे पर मुस्कान के साथ गया। यही सही तरीका है जाने का, भाई। कोई पहले, कोई बाद में -सबको जाना है, पता नहीं कब और कैसे, इसलिए कुछ करके जाओ।

अब अपनी सिगरेट और व्हिस्की का मजा लो, चीयर्स भाई। लगता है मैं तुम्हें थोड़ा मिस करूंगा।'

सलमान ने सुशील की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें वह उनके और उनके पिता सलीम खान के साथ नजर आ रहे हैं। हालांकि सलमान खान और दिवंगत सुशील कुमार के रिश्ते के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं है, लेकिन सुपरस्टार के कैप्शन से लगता है कि वह खान परिवार के काफी करीब थे।

सलमान खान की बात करें तो अभिनेता इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं।

यह फिल्म सलमा खान द्वारा उनके बैनर सलमान खान फिल्म्स के तहत बनाई जा रही है और इसका निर्देशन अपूर्व लखिया कर रहे हैं। फिल्म में चित्रांगदा सिंह लीड रोल में नजर आएंगी।

डेब्यू फिल्म की यादों में खोईं ईशा गुप्ता, 'जन्नत-2' के 14 साल पूरे होने पर जताया आभार

मुंबई। क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'जन्नत-2' ने सोमवार को अपनी रिलीज के 14 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर फिल्म की मुख्य अदाकारा ईशा गुप्ता ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी खुशी जाहिर की।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया, जिसके बैकग्राउंड में गाना 'तुझे सोचता हूं' बज रहा है। अभिनेत्री ने

अपनी यादों को ताजा करते हुए लिखा, ''जन्नत-2', 4 मई। आज से 14 साल पहले यह खूबसूरत सपना सच हुआ था। मैं उन सभी शानदार लोगों की दिल से आभारी हूं, जिन्होंने इस सफर में साथ दिया।'

अभिनेत्री ईशा गुप्ता के लिए यह फिल्म महज एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि उनके करियर की नींव थी, जिसने उन्हें रातों-रात पहचान दिलाई थी।

साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था, बल्कि इसके गानों और कहानी ने दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई थी।

महेश भट्ट और मुकेश भट्ट द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन कुणाल देशमुख ने किया था। फिल्म में इमरान हाशमी, रणदीप हुड्डा और ईशा गुप्ता मुख्य भूमिका में थे। दर्शकों को फिल्म के गानों के साथ-साथ ईशा और इमरान की केमिस्ट्री काफी पसंद आई थी। फिल्म में ईशा ने इमरान हाशमी (सोनू दिल्ली केकेसी) की प्रेमिका डॉ. जान्हवी सिंह तोमर की भूमिका निभाई थी।

जान्हवी एक शांत, समझदार डॉक्टर हैं, जो अनजाने में हथियारों के अवैध कारोबार में फंसी कहानी में प्रेम और भावनात्मक टच लाती हैं। फिल्म के संवाद और प्रीतम द्वारा तैयार किया गया संगीत इसकी सफलता की बड़ी वजह बने।

भारत ने लिपुलेख मार्ग पर अपने रुख को दोहराया सीमा मुद्दों पर बातचीत से समाधान पर जोर

नई दिल्ली। नेपाल के विदेश मंत्रालय की टिप्पणियों के बाद विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सीमा मुद्दों पर भारत का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि भारत का रुख इस मामले में हमेशा से साफ और एक जैसा रहा है, और सभी मुद्दों का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए करने के लिए भारत तैयार है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा पर नेपाल के विदेश मंत्रालय की टिप्पणियों के संबंध विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'इस मामले में भारत का रुख हमेशा से साफ और एक जैसा रहा है। लिपुलेख दर्रा 1954 से ही कैलाश मानसरोवर यात्रा का एक पुराना और इस्तेमाल में रहा रास्ता है, और इस रास्ते से यह यात्रा कई दशकों से चलती आ रही है। यह कोई नई बात नहीं है।

जहां तक सीमा से जुड़े दावों का सवाल है, भारत हमेशा यह कहता आया है कि ऐसे दावे न तो सही हैं और न ही ऐतिहासिक तथ्यों और सबूतों पर आधारित हैं। इस तरह से एकतरफा तरीके से सीमा बढ़ाने के दावे स्वीकार नहीं किए जा सकते।

भारत, नेपाल के साथ अपने रिश्तों के सभी मुद्दों पर बातचीत और सहयोग के लिए हमेशा तैयार है, जिसमें सीमा से जुड़े लंबित और सहमत मुद्दों को बातचीत और कूटनीति के जरिए हल करना भी शामिल है।'

पिछले हफ्ते, चीन ने घोषणा की थी कि वह 2026 में कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए 1,000 भारतीय तीर्थयात्रियों की यात्रा को सुगम बनाएगा। यह दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग और धार्मिक आदान-प्रदान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत के विदेश मंत्रालय (एमईए) ने पुष्टि की कि यह तीर्थयात्रा दो स्थापित मार्गों - लिपुलेख दर्रा और सिक्किम के नाथू ला दर्रे - के माध्यम से जत्थों में आयोजित की जाएगी। इन दोनों मार्गों का उपयोग करते हुए कुल 10 जत्थे यात्रा करेंगे, जिनमें से प्रत्येक में 50 तीर्थयात्री शामिल होंगे।

कैलाश मानसरोवर यात्रा, जिसे हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म के लोगों के लिए सबसे पवित्र तीर्थयात्राओं में से एक माना जाता है, जून और अगस्त 2026 के बीच आयोजित होने वाली है।

हालांकि, नेपाल लंबे समय से लिपुलेख दर्रे वाले क्षेत्र पर अपना दावा करता रहा है और उसका तर्क है कि भारत और चीन नेपाल की सहमति के बिना इस क्षेत्र के उपयोग के बारे में कोई निर्णय नहीं ले सकते। लिपुलेख दर्रा, कालापानी क्षेत्र में स्थित तीन बिंदुओं में से एक है।

फिलीपींस : मेयोन ज्वालामुखी में विस्फोट के बाद हजारों लोग सुरक्षित स्थानों पर भेजे गए, बढ़ा खतरा

मनीला। मेयोन ज्वालामुखी में रविवार को हुए विस्फोट के बाद हजारों लोगों को मनीला के दक्षिण वाले इलाकों से सुरक्षित जगहों पर ले जाया जा रहा है। ऐसा फिलीपींस की सरकारी न्यूज एजेंसी ने बताया।

फिलीपींस इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी ने लोगों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है और मेयोन ज्वालामुखी के लिए पांच में से तीन का अलर्ट लेवल रखा है। अलर्ट लेवल तीन का मतलब है कि मैग्मा जमीन की सतह के पास या उसी पर है, और आने वाले हफ्तों में खतरनाक विस्फोट हो सकता है। ज्वालामुखी के सक्रिय क्रेटर से आठ किलोमीटर तक के दायरे को डेंजर जोन में शामिल किया जा सकता है।

संस्थान के मुताबिक, ज्वालामुखी की कई घाटियों में लावा बह रहा है। इसके साथ ही बीच-बीच में छोटे-छोटे धमाके (स्ट्रॉम्बोलियन एक्टिविटी) और थोड़ी देर के लिए लावा फाउंटेनिंग भी हो रही है।

रिपोर्ट में इसमें ज्वालामुखी के दक्षिण-पश्चिमी ढलान पर लगातार पायरोक्लास्टिक डेंसिटी करंट (पीडीसी) और राख गिरने का भी जिक्र किया गया है।

छह किलोमीटर के दायरे वाले स्थायी खतरे के क्षेत्र में जाने पर रोक लगा दी गई है। साथ ही ज्वालामुखी के पास किसी भी विमान के उड़ने पर भी रोक है।

इस एडवाइजरी में चट्टानें गिरने, भूस्खलन या हिमस्खलन, बैलिस्टिक टुकड़े, लावा का बहाव और लावा के फव्वारे, मध्यम आकार के विस्फोट, और भारी व लंबे समय तक बारिश होने पर 'लाहार' (ज्वालामुखी से निकलने वाली कीचड़ की बाढ़) जैसे संभावित खतरों के बारे में भी बताया गया है।

सरकारी न्यूज एजेंसी ने बताया कि करीब 1,325 परिवार इस स्थिति से प्रभावित हुए हैं। क्विटागो, मागुइरोन, इनामनन पेक्वेनो, इराया, सैन फ्रांसिस्को, ट्रावेसिया, सैन राफेल, इनामनन ग्रांडे, कालज़ादा, मोरेरा, पोब्लासिओन और इलावोड गांवों में पानी की सप्लाई सीमित कर दी जाएगी।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 'लोक निर्माण और राजमार्ग विभाग', 'जल शोधन इकाइयां' और 'जल स्वच्छता टीमें' सड़कों को साफ करने का काम करेंगी और प्रभावित इलाकों में तैनात की जाएंगी।

तेहरान के 14-सूत्रीय प्लान को लेकर ईरान का दावा- अमेरिका ने प्रस्ताव पर दिया जवाब

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच दो हफ्ते के सीजफायर के बाद सुलह को लेकर अब तक कोई बात नहीं बन पाई है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि अमेरिका ने युद्ध खत्म करने के लिए ईरान के 14-पॉइंट वाले प्रस्तावित प्लान पर जवाब दिया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सरकारी आईआरआईबी टीवी को दिए एक इंटरव्यू में इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अमेरिकी की तरफ से दिए गए जवाब की समीक्षा की जा रही है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान का प्लान सिर्फ युद्ध खत्म करने पर फोकस है और इसमें न्यूक्लियर फील्ड की डिटेल्स से जुड़ी कोई बात नहीं है।

बघाई ने आगे कहा, 'अभी, हम लेबनान समेत इस इलाके में युद्ध खत्म करने से जुड़े पैरामीटर्स पर फोकस कर रहे हैं। इस स्टेज पर न्यूक्लियर को लेकर हमारी कोई बातचीत नहीं है।' जबकि, अमेरिका का मुख्य मुद्दा ही न्यूक्लियर है।

ईरान ने बार-बार इस बात से इनकार किया है कि वह न्यूक्लियर बम बनाने की कोशिश कर रहा है। ईरान का कहना है कि उसका प्रोग्राम सिर्फ शांतिपूर्ण कामों के लिए है, हालांकि यह देश अकेला ऐसा देश है जिसके पास न्यूक्लियर हथियार नहीं हैं और जिसने यूरेनियम को हथियार-ग्रेड लेवल के करीब संवर्धन किया है।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, रविवार को भी, ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने अपने ओमानी और जर्मन समकक्षों को युद्ध खत्म करने के लिए ईरान की नई डिप्लोमैटिक कोशिशों और पहलों के बारे में जानकारी दी।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप बढ़ा : 10 और बच्चों ने तोड़ा दम, मृतकों की संख्या 290 के पार

ढाका। बांग्लादेश में खसरे और खसरे जैसे लक्षणों से 10 और बच्चों की मौत हो गई। इस तरह अब तक कुल मृतकों की संख्या 294 हो गई है।

स्थानीय मीडिया ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के हवाले से इसकी जानकारी दी। ये आंकड़े

डीजीएचएस के डेटा का हवाला देते हुए, द डेली स्टार ने बताया कि 24 घंटों (शनिवार से रविवार सुबह तक) के दौरान खसरे की वजह से मौत का आंकड़ा 50 तक पहुंच गया।

इसी दौरान खसरे के 9 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिससे इस अवधि में संक्रमितों की संख्या 244 तक पहुंच गई।

इनमें से, ढाका डिवीजन में चार, बारिशाल में दो, चटगांव, खुलना और सिलहट डिवीजन में एक-एक मौत हुई।

इसके अलावा, इसी समय में 95 नए ऐसे मामले दर्ज किए गए जिनकी पुष्टि हो चुकी थी, जिससे कुल मामले बढ़कर 5,313 हो गए।

वहीं, पिछले 24 घंटों में डीजीएचएस ने 1,166 नए संदिग्ध मामले दर्ज किए, जिससे कुल संदिग्धों की संख्या 40,491 हो गई। जैसे-जैसे बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप बढ़ रहा है, हेल्थकेयर से जुड़ी चिंताएं भी बढ़ रही हैं। स्थानीय मीडिया का दावा है कि बंदरबन जिले के अलीकादम उपजिला के कई दूर-दराज की पहाड़ी बस्तियों में खसरे जैसे लक्षण वाले बच्चों का इलाज स्थानीय नुस्खों और हर्बल दवाओं से किया जा रहा है। पिछले कुछ दिनों में इलाके के 10 से 15 गांवों में खसरे जैसे लक्षण वाले पांच बच्चों की मौत हो गई, और कई दूसरे बच्चे भी संक्रमित हो गए हैं।

'साइंस एडवाइजर' के अनुसार, यह खसरा महामारी जुलाई 2024 के विरोध प्रदर्शनों के बाद वैक्सीन की खरीद में 'बहुत बड़ी रुकावट' से पैदा हुई है, जिससे पूरे देश में वैक्सीन की कमी हो गई और इम्यूनाइजेशन रेट में भारी गिरावट आई।

श्रीलंका में भारतीय नौसेना की पनडुब्बी, दोस्ती व समुद्री सहयोग का संकेत

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना की पनडुब्बी आईएनएस सिंधु केसरी श्रीलंका के कोलंबो में पहुंची है। दरअसल आईएनएस सिंधु केसरी की यह समुद्र यात्रा भारत और श्रीलंका के बीच बढ़ते समुद्री सहयोग का एक महत्वपूर्ण संकेत है। इस यात्रा का उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा, स्थिरता और आपसी विश्वास को और मजबूत करना है।

भारतीय नौसेना के मुताबिक यह दौरा विशेष रूप से दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच आपसी तालमेल, संचालन क्षमता और समन्वय को बढ़ाने के लिए किया गया। कोलंबो पहुंचने पर पनडुब्बी और उसके चालक दल का श्रीलंकाई नौसेना के अधिकारियों द्वारा पारंपरिक और औपचारिक तरीके से स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्रीलंका में भारत के रक्षा सलाहकार भी उपस्थित रहे, जिन्होंने दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों की मजबूती पर जोर दिया।

गौरतलब है कि समुद्री सुरक्षा के बदलते परिदृश्य में इस तरह के सहयोग को अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इससे क्षेत्र में शांति और संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। भारतीय नौसैनिक पनडुब्बी के श्रीलंका पहुंचने पर विभिन्न पेशेवर और सामरिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। दोनों देशों के बीच आयोजित इन गतिविधियों का उद्देश्य भारत व श्रीलंका की नौसेनाओं के बीच अनुभवों का आदान-प्रदान और संयुक्त संचालन की क्षमता को बेहतर बनाना था। इससे भविष्य में किसी भी आपात स्थिति या संयुक्त मिशन के दौरान बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सकेगा।

रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है। दोनों देश नियमित रूप से संयुक्त अभ्यास, प्रशिक्षण और उच्चस्तरीय यात्राओं के माध्यम से अपने रक्षा संबंधों को और सुदृढ़ बना रहे हैं। इस प्रकार के दौरे न केवल सैन्य सहयोग को बढ़ाते हैं, बल्कि आपसी विश्वास और रणनीतिक साझेदारी को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाते हैं।

मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच ऑस्ट्रेलिया और जापान ने एनर्जी-मिनरल्स पर समझौते पर लगाई मुहर

सिडनी। मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान हमलों की वजह से जारी तनाव के बीच ऑस्ट्रेलिया और जापान ने ऊर्जा और जरूरी मिनरल्स पर सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण ग्लोबल ट्रेड में रुकावट आ रही है, इसलिए दोनों देशों ने मिनरल्स और ऊर्जा समझौते पर हस्ताक्षर किया है।

बता दें, जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची 3 से लेकर 5 मई तक तीन दिवसीय विदेश दौरे पर हैं। पीएम ताकाइची का यह पहला आधिकारिक जापान दौरा है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा कि दोनों देश अपनी अर्थव्यवस्था को भविष्य के आर्थिक झटकों और अनिश्चितता से बचाने के लिए कदम उठा रहे हैं।

ताकाइची ने मीडिया को बताया कि होर्मुज स्ट्रेट के असरदार तरीके से बंद होने से हिंद-प्रशांत पर बहुत बड़ा असर पड़ रहा है। बता दें, ऑस्ट्रेलिया जापान को लिक्विफाइड नैचुरल गैस का सबसे बड़ा सप्लायर है, जो बदले में कैनबरा के लगभग 7 फीसदी डीजल का सोर्स है। पीएम ताकाइची ने कहा कि दोनों देशों का मकसद स्थिर ऊर्जा सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए अपनी आत्मनिर्भरता और लचीलापन को मजबूत करना है।

इन सबके बीच अमेरिका ने होर्मुज में फंसे जहाजों के फ्री ट्रांजिट के लिए प्रोजेक्ट फ्रीडम की शुरुआत की है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि कई देशों ने मदद के लिए वाशिंगटन से संपर्क किया और कहा है कि उनका चल रहे झगड़े से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन फिर भी जहाज होर्मुज स्ट्रेट में फंसे हुए हैं।

उन्होंने कहा, 'ईरान, मिडिल ईस्ट और अमेरिका की भलाई के लिए, हमने इन देशों से कहा है कि हम उनके जहाजों को इन बंद पानी के रास्तों से सुरक्षित बाहर निकालेंगे।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस कोशिश को 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' बताया।

यह ऑपरेशन मिडिल ईस्ट टाइम के हिसाब से सोमवार सुबह शुरू होने वाला है। ट्रंप ने कहा कि इस कदम का मकसद न्यूट्रल और बेकसूर लोगों की मदद करने के साथ यह सुनिश्चित करना है कि जहाज आजादी से और अच्छे से अपना काम कर सकें।

उन्होंने इस पहल को मानवीय दखल के तौर पर बताया और कहा कि कई जहाजों पर हालात खराब हो रहे हैं। उन्होंने कहा, 'इनमें से कई जहाजों में खाना और बड़े क्रू के लिए स्वास्थ्य और साफ-सुथरे तरीके से जहाज पर रहने के लिए जरूरी दूसरी सभी चीजें कम पड़ रही हैं।'

उत्तरी अफगानिस्तान में सड़क हादसा: दो वाहन भिड़े, तीन की मौत

काबुल। उत्तरी अफगानिस्तान के फरयाब प्रांत में एक यात्री वाहन और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर में तीन यात्रियों की मौत हो गई। प्रांतीय पुलिस ऑफिस ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी।

प्रांतीय पुलिस कार्यालय के मुताबिक, यह हादसा रविवार शाम को अंखोय जिले के बाहरी इलाके में हुआ। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने बताया कि मारे गए लोग एक हाई स्पीड वाहन में सफर कर रहे थे। अधिकारियों ने और जानकारी नहीं दी, लेकिन कहा कि जांच जारी है। अफगानिस्तान के खतरनाक हाईवे पर जानलेवा हादसे की ये एक नई कड़ी है। अप्रैल 2026 में ही करीब 12 लोगों की अलग-अलग हादसों में मौत हो गई जबकि 80 से ज्यादा घायल हो गए थे। अधिकारी अक्सर खस्ताहाल सड़क, वाहन चालकों की लापरवाही, तेज रफ्तार और सुरक्षा उपायों की कमी को ऐसे बार-बार होने वाले हादसे की वजह बताते हैं।

आईआरजीसी ने जारी किया नया नक्शा, होर्मुज स्ट्रेट की सीमाओं को अपने नियंत्रण में बताया

तेहरान। ईरान में इस्लामिक क्रांतिकारी गार्ड कोर नेवी (आईआरजीसीएन) ने सोमवार को एक नया मानचित्र जारी किया है, जिसमें उसने होर्मुज स्ट्रेट क्षेत्र को ईरान की सेना के कंट्रोल में दिखाया।

आईआरजीसी नेवी ने कहा कि यह क्षेत्र ईरान में कुह-ए-मोबारक और संयुक्त अरब अमीरात में फुजैरा के दक्षिण के बीच की एक लाइन से शुरू होता है और ईरान के केशम आइलैंड के आखिर और यूएई में उम्म अल क्वैन के बीच की एक और लाइन से शुरू होता है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं था कि उनके नियंत्रण का क्षेत्र बदला है या नहीं या कितना बदला है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने यूएई के तेल प्रोड्यूसर्स ग्रुप ओपेक छोड़ने के फैसले पर बयान जारी किया है। बाघेई ने कहा कि ओपेक से निकलना सदस्यों के प्रति नकारात्मक या बदले की भावना से किया गया रिएक्शन नहीं है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि ईरान ओपेक के अंदर अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेगा। इसके साथ ही उन्होंने यूएई पर ईरान के खिलाफ जंग के दौरान इजरायल और अमेरिका की मदद करने में गलत बर्ताव दिखाने का आरोप लगाया। अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी के सीईओ सुल्तान अल-जबर ने पहले कहा था कि ओपेक और ओपेक प्लस से बाहर निकलने का यूएई का फैसला किसी के खिलाफ नहीं था, बल्कि देश के हितों को ध्यान में रखकर किया गया था।

भारत का जमैका को तोहफा, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भेंट किया इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर 2 से लेकर 10 मई तक तीन देशों के दौरे पर हैं। जमैका के दौरे पर विदेश मंत्री जयशंकर ने प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस से मुलाकात की और भारत की ओर से इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड भेंट की। इसके साथ ही उन्होंने जमैका में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत भी की।

पीएम एंड्रयू से मुलाकात की तस्वीरें साझा विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''भारत-जमैका की कहानी रनों से (क्रिकेट), सम्मान से, दोस्ती से लिखी गई है।' भारत की तरफ से उपहार में दिए गए इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड को सबीना पार्क में प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस आधिकारिक तौर पर समर्पित किया। 'यह

स्कोरबोर्ड आने वाली कई शानदार पारियों को गिनता रहे। उनमें से एक भारत-जमैका दोस्ती की भी है।'

वहीं भारतीय समुदाय से बातचीत करने के बाद उन्होंने लिखा, जमैका में भारतीय समुदाय से बातचीत करके खुशी हुई। जमैका के प्रधानमंत्री को उनके कई योगदानों के बारे में इतनी गर्मजोशी से बात करते हुए सुनकर अच्छा लगा। उनके साथ भारत-जमैका संबंधों में हाल के विकास की जानकारी साझा की। देश में हो रहे बदलाव पर चर्चा की, खासकर इंफ्रास्ट्रक्चर, मानवीय विकास और तकनीक से चलने वाले गवर्नेंस और उद्यमी में।

बता दें, विदेश मंत्री जयशंकर 2-10 मई 2026 तक जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद और टोबैगो के आधिकारिक दौरे पर हैं। गिरमिटिया समुदायों की मौजूदगी की वजह से इन देशों का भारत के साथ एक खास कनेक्शन है। इस दौरे के दौरान, विदेश मंत्री तीनों देशों के नेतृत्व से मुलाकात करेंगे और अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ आपसी फायदे के क्षेत्रीय और

'झालमुरी' बना बंगाल में भाजपा की लोकप्रियता का प्रतीक, नेताओं ने एक-दूसरे के खिलाकर बांटी खुशियां

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान चर्चा में आया 'झालमुरी' 4 मई को नतीजों के दिन ट्रेंड कर रहा है, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एनडीए के नेता 'झालमुरी' खाकर बंगाल में पार्टी की बढ़त की खुशियां मना रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के झाड़ग्राम में सड़क किनारे रुकने और झालमुरी का आनंद लेने की व्यापक रूप से साझा की गई तस्वीर के बाद, चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में झालमुरी अप्रत्याशित रूप से चर्चा का विषय बन गया। यह दृश्य तुरंत वायरल हो गया और इस पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं आने लगीं, जिनमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना भी शामिल है।

बंगाली शब्द 'झाल' से व्युत्पन्न इस स्नैक के नाम का अर्थ मसालेदार या तीखा है, जो जल्द ही चुनाव प्रचार में एक प्रतीक बन गया। बाद में, एक चुनावी रैली के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं इसमें

राजनीतिक रंग भरते हुए कहा, 'मैंने झालमुरी खाई, लेकिन टीएमसी को असली झाल (मसाला) महसूस हुआ।'

मतगणना आगे बढ़ने के साथ, भाजपा ने अपनी मजबूत बढ़त बनाए रखी। भारतीय निर्वाचन आयोग के दोपहर 3:45 बजे के रुझानों के अनुसार, भाजपा 194 सीटों पर आगे थी, जबकि तृणमूल कांग्रेस 89 सीटों पर आगे थी। भाजपा पहले ही तीन सीटें जीत चुकी थी, जबकि तृणमूल कांग्रेस को केवल एक सीट मिली थी। पार्टी की मजबूत बढ़त को देखते हुए, नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 'झाल' के प्रतीक को अपनाया और देश के विभिन्न हिस्सों में इस स्नैक के साथ जश्न मनाया।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने झालमुरी खाते हुए अपनी तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में जीत पर जलेबी काफी नहीं, सिर्फ झालमुरी ही काफी है। आज झालमुरी का दिन है, मैं इसे बड़े चाव से खा रहा हूं, इसलिए अगर किसी को इसमें तीखापन महसूस हो तो कृपया बुरा न मानें। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बंगाल की जीत पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। यह जीत आपके मार्गदर्शन और अमित शाह की बेमिसाल मेहनत का नतीजा है। बंगाल के हर एनडीए कार्यकर्ता को जीत की विशेष शुभकामनाएं।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने इस दिन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि बंगाल में भाजपा का 'कमल' खिल उठा है।

असम चुनाव परिणामः जागीरोड से भाजपा के पीयूष हजारिका जीते, कांग्रेस उम्मीदवार को 93584 वोटो से हराया

गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव 2026 में मारीगांव जिले के जागीरोड (एससी) विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी ने शानदार जीत दर्ज की है। भाजपा उम्मीदवार पीयूष हजारिका ने 1,55,129 वोट हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बुलबुल दास को बड़े अंतर से पराजित किया। बुलबुल दास को इस चुनाव में 61,545 मतों से संतोष करना पड़ा।

जागीरोड विधानसभा सीट, जो अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित है, राज्य की कुल 126 विधानसभा सीटों में शामिल है। यह सीट नौगोंग लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस क्षेत्र में शहरी और ग्रामीण, दोनों प्रकार के मतदाताओं का मिश्रण देखने को मिलता है।

मतदाता आंकड़ों पर नजर डालें तो इस सीट पर कुल मतदाताओं की संख्या करीब 2.23 लाख है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान यहां 2,22,110 मतदाता पंजीकृत थे, जबकि मतदान केंद्रों की संख्या 316 रही थी। उसी चुनाव में इस क्षेत्र में 81.69 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था।

वहीं, 2016 के विधानसभा चुनाव में जागीरोड सीट पर मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला था, जब यहां 85.29 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस बार भी मतदान को लेकर क्षेत्र में अच्छी भागीदारी देखने को मिली, जिसने चुनाव परिणाम को निर्णायक बनाने में अहम भूमिका निभाई। कुल मिलाकर, 2026 के चुनाव परिणामों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि जागीरोड विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की पकड़ मजबूत बनी हुई है। बता दें कि जागीरोड विधानसभा सीट पर पहली बार 1978 में विधानसभा चुनाव हुआ था, जिसमें कांग्रेस के उम्मीदवार प्रकाश चंद्र दलाई को जीत मिली थी, जिसके बाद इस सीट पर अब तक कुल 11 बार विधानसभा चुनाव हो चुके हैं।

संक्षिप्त खबर

झारखंडः सारंडा जंगल में नक्सलियों की बारूद ले रही हाथियों की जान

चाईबासा। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में नक्सलियों द्वारा सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए बिछाए गए आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) अब वन्यजीवों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं।

ताजा घटना में सारंडा वन प्रमंडल के कोयना वन प्रक्षेत्र अंतर्गत कोलभोंगा क्षेत्र के पास एक दंतैल हाथी आईईडी विस्फोट की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया है। जानकारी के अनुसार, हाथी का दाहिना अगला पैर जमीन में दबे आईईडी पर पड़ने से जोरदार विस्फोट हुआ, जिससे उसके पैर में गहरा घाव हो गया है और वह चलने में पूरी तरह असमर्थ है।

स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम बचाव और उपचार की तैयारी में जुट गई है। हालांकि, पूरे इलाके में अन्य आईईडी दबे होने की आशंका के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में अत्यधिक सावधानी बरती जा रही है और सुरक्षा बल पहले इलाके की जांच कर रहे हैं, ताकि सुरक्षित तरीके से इलाज शुरू किया जा सके।

सारंडा के जंगलों में हाथियों के आईईडी विस्फोट की चपेट में आने की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी इसी तरह की दो बड़ी घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें हाथियों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। पिछले वर्ष 12 अक्टूबर को एक हथिनी की आईईडी विस्फोट में घायल होने के बाद मौत हो गई थी। उसका दायां पैर बुरी तरह जख्मी था और संक्रमण फैलने के कारण तमाम कोशिशों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका था।

इसी तरह 5 जुलाई 2025 को सारंडा में ही छह साल के एक हाथी, जिसे ग्रामीण प्यार से 'गडरू' कहते थे, ने दम तोड़ दिया था। गडरू 24 जून 2025 को विस्फोट में घायल हुआ था और उसे बचाने के लिए गुजरात की संस्था 'वनतारा' की मेडिकल टीम ने भी अथक प्रयास किए थे, लेकिन अंततः उसे बचाया नहीं जा सका था।

झारखंडः टॉर्च की रोशनी में ऑपरेशन के दौरान मां-बेटी की मौत पर राज्य सरकार सख्त, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी निलंबित

रांची। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले स्थित राजनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में प्रसव के दौरान हुई मां और नवजात की मौत के मामले में राज्य सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ने गंभीर लापरवाही बरतने के आरोप में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शिवलाल कुंकल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

विभाग के संयुक्त सचिव छवि रंजन की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि स्वास्थ्य सेवाओं में इस तरह की संवेदनहीनता और लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह घटना तब सामने आई जब हाथीसिरिंग गांव निवासी बिनीता बानरा, जो स्वयं एक स्वास्थ्य सहिया थीं, को प्रसव के लिए राजनगर सीएचसी में भर्ती कराया गया था।

परिजनों का आरोप है कि प्रसव के दौरान अस्पताल की बिजली गुल हो गई थी और मोबाइल फोन की टॉर्च की रोशनी में डिलीवरी कराने का प्रयास किया जा रहा था। अस्पताल में न तो पर्याप्त मेडिकल उपकरण मौजूद थे और न ही नर्सिंग स्टाफ ने समय पर संवेदनशीलता दिखाई, जिसके परिणामस्वरूप मां और नवजात बच्चे दोनों की मौत हो गई।

इस घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने अस्पताल परिसर में हंगामा किया और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव छवि रंजन ने अपने आदेश में कहा कि मां-बेटी की मौत जैसी गंभीर घटना को विभाग बेहद गंभीरता से ले रहा है।

उन्होंने बताया कि राज्य के सभी सीएचसी को 'मुख्यमंत्री अस्पताल रखरखाव योजना' के तहत प्रति वर्ष 10 लाख रुपए उपलब्ध कराए जाते हैं, ताकि बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं का समुचित रखरखाव हो सके। इसके बावजूद मोबाइल टॉर्च की रोशनी में प्रसव कराना और संसाधनों का अभाव होना अत्यंत दुखद और गंभीर मामला है। निलंबन की अवधि के दौरान डॉ. शिवलाल कुंकल का मुख्यालय चाईबासा निर्धारित किया गया है। उन्हें निर्देश दिया गया है कि वे प्रतिदिन अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे और बिना अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। साथ ही, उन्हें एक स्व-घोषणा पत्र देना होगा कि वे इस अवधि में कहीं और निजी प्रैक्टिस या व्यवसाय नहीं कर रहे हैं, जिसके बाद ही उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा।

कभी केंद्र की राजनीति की धुरी रही माकपा, अब केरल की सत्ता भी हाथ से फिसली

नई दिल्ली। भारत की राजनीति में कभी मजबूत पकड़ रखने वाली वामपंथी पार्टियां अब एक ऐसे मोड़ पर खड़ी हैं, जहां पहली बार 50 से ज्यादा सालों में उनके पास किसी भी राज्य की सत्ता नहीं रहने की संभावना बनती दिख रही है। ताजा चुनावी रुझान इसी ओर इशारा कर रहे हैं। खासकर केरल के रुझानों को देखकर यह संभावना और मजबूत हो गई है।

साल 1996 में सीपीआई-एम के दिग्गज नेता ज्योति बसु, जो उस समय तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में करीब दो दशक पूरे कर चुके थे, देश के प्रधानमंत्री बनने के बेहद करीब पहुंच गए थे। यूनाइटेड फ्रंट सरकार के तहत उन्हें यह प्रस्ताव मिला था लेकिन उनकी पार्टी के पोलित ब्यूरो ने इसे ठुकरा दिया। बाद में खुद ज्योति बसु ने इसे 'ऐतिहासिक भूल' बताया था।

साल 2008 तक वामपंथी दल राष्ट्रीय राजनीति में भी काफी प्रभावशाली थे। उस समय मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस की सरकार (यूपीए) संसद में वाम दलों के समर्थन पर टिकी थी लेकिन भारत-अमेरिका परमाणु समझौते के मुद्दे पर वाम दलों ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया, जिससे सरकार को विश्वास मत का सामना करना पड़ा। उस दौर में वामपंथी दल पश्चिम बंगाल, केरल और त्रिपुरा, तीन राज्यों में सत्ता में थे और लोकसभा में भी उनकी अच्छी-खासी मौजूदगी थी। अब तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। पिछले कुछ वर्षों में मतदाताओं का झुकाव केंद्र-दक्षिणपंथी दलों की ओर बढ़ा है।

क्राइम ब्रांच ने नकली ऑटो पार्ट्स के बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया, दो भाई गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली क्राइम ब्रांच की वेस्टर्न रेंज-1 टीम ने नकली ऑटोमोबाइल पार्ट्स के एक बड़े गिरोह का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है। टीम ने करोल बाग के ऑटो मार्केट में दो दुकानों पर छापा मारकर भारी मात्रा में नकली मोटरसाइकिल पिस्टन और क्लच प्लेट्स बरामद किए और दो भाइयों को गिरफ्तार किया। इंस्पेक्टर प्रकाश चंद के नेतृत्व में एसआई अंशु कादियान, एसआई सुमित कुमार, एसआई अमित कुंडू समेत अन्य अधिकारियों की टीम ने 3 मई 2026 को दो दुकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई एसीपी राजकुमार के पर्यवेक्षण में की गई। छापे के दौरान श्रीराम और उषा पिस्टन असेंबली ब्रांड के नकली पार्ट्स जब्त किए गए, जो प्रतिष्ठित ब्रांडों की नकल में बनाए जा रहे थे।

दुकान नंबर 3, नई वाला, करोल बाग से हर्षित गुप्ता (पुत्र संजय गुप्ता, निवासी संगम विहार) गिरफ्तार हुआ। यहां से 473 नकली पिस्टन असेंबली, 24 खाली डिब्बे और 12 कैप बरामद हुए। दुकान नंबर 1509, त्रि मूर्ति ऑटो पार्ट्स से अभिषेक कुमार गुप्ता (पुत्र स्वर्गीय संजय गुप्ता) को गिरफ्तार किया गया।

अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी चार्जर घोटाला : क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर घोटाले के आरोपी क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की याचिका पर सुनवाई हुई। यह याचिका भारत-यूएई प्रत्यर्पण संधि के एक अहम प्रावधान, यानी आर्टिकल 17 को चुनौती देने को लेकर दाखिल की गई थी। कोर्ट ने इस मामले में फिलहाल नोटिस जारी कर दिया है और चार हफ्ते के भीतर जवाब मांगा है।

इस केस की सुनवाई जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच कर रही थी। सुनवाई के दौरान मिशेल की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने फैसले में यह तक कह दिया था कि अंतरराष्ट्रीय संधि संसद द्वारा बनाए गए कानून से ऊपर मानी जा सकती है। वकील का कहना था कि यह बात सही नहीं है। याचिकाकर्ता की मुख्य आपत्ति आर्टिकल 17 पर है। इस प्रावधान में कहा गया है कि जिस अपराध के लिए किसी व्यक्ति का प्रत्यर्पण किया गया है, उससे जुड़े अन्य अपराधों के लिए भी उसे मुकदमे का सामना करना पड़ सकता है। मिशेल की दलील है कि यह भारत के प्रत्यर्पण कानून की धारा 21 के खिलाफ है, जिसमें साफ कहा गया है कि किसी व्यक्ति पर केवल उन्हीं अपराधों के लिए मुकदमा चल सकता है, जिनके आधार पर उसका प्रत्यर्पण हुआ हो।

इसी वजह से मिशेल ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी। हाईकोर्ट ने न सिर्फ आर्टिकल 17 को सही ठहराया था बल्कि उनकी जेल से रिहाई की मांग भी खारिज कर दी थी।

मिशेल पर आरोप है कि उन्होंने अगस्ता वेस्टलैंड कंपनी के लिए भारत में वीवीआईपी हेलीकॉप्टर डील में बिचौलिए की भूमिका निभाई थी। आरोपों के मुताबिक 2005 में हेलीकॉप्टरों की उड़ान ऊंचाई 6000 मीटर से घटाकर 4500 मीटर कर दी गई थी ताकि कंपनी को फायदा हो सके। इसके बदले में रिश्वत दिए जाने की बात भी सामने आई है। जांच एजेंसियों का कहना है कि इस पूरे सौदे में भारी भ्रष्टाचार हुआ और सरकारी खजाने को बड़ा नुकसान पहुंचाया गया। सीबीआई के अनुसार, इस डील से देश को करीब 398.21 मिलियन यूरो यानी लगभग 2666 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

पुणे रेप-हत्या केसः विपक्ष ने महाराष्ट्र गृह विभाग पर लगाए गंभीर आरोप, एसआईटी जांच की मांग

मुंबई। पुणे जिले की भोर तहसील के नसरापुर में चार साल की मासूम बच्ची से रेप के बाद उसकी हत्या का मामला अब सिर्फ कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि बड़ा राजनीतिक मुद्दा भी बन गया है। विपक्षी दलों ने गृह विभाग संभाल रहे देवेंद्र फडणवीस पर तीखा हमला बोला है। विपक्ष का आरोप है कि पुलिस की लापरवाही और कानून-व्यवस्था की खराब स्थिति की वजह से ऐसी घटनाएं हो रही हैं। साथ ही इस मामले में एसआईटी जांच की मांग की है।

महाराष्ट्र कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस

को आरोपी के पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी थी, लेकिन फिर भी यह जानकारी कोर्ट के सामने नहीं रखी गई।

उनका कहना है कि कोर्ट की फटकार के बाद ही पुलिस ने रिमांड आवेदन में बदलाव किया। उन्होंने सवाल किया कि अगर पुलिस इतनी लापरवाह है, तो पीड़िता को न्याय कैसे मिलेगा? क्या शोक संतप्त परिवार और जनता पर लाठीचार्ज करना ही उनकी एकमात्र उपलब्धि है? वडेट्टीवार ने कहा कि इस मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया जाए, जिसकी अगुवाई एक महिला आईपीएस अधिकारी करे। उनका कहना है कि पुणे पुलिस का रवैया असंवेदनशील रहा है और इससे लोगों का भरोसा कमजोर हुआ है। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) के सांसद ने भी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने मुख्यमंत्री और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि फडणवीस चौबीसों घंटे राजनीति में ही डूबे रहते हैं, जिसके चलते गृह विभाग पूरी तरह से नियंत्रण से बाहर हो गया है।

हिमाचल बोर्ड : 12वीं के नतीजे घोषित, 92.02 फीसदी परीक्षार्थी हुए पास

शिमला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड (एचपीबीओएसई) धर्मशाला ने सोमवार को 12वीं बोर्ड परीक्षा 2026 के परिणाम घोषित कर दिए। बोर्ड अध्यक्ष डॉ राजेश शर्मा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर साइंस, कॉमर्स और आर्ट्स तीनों स्ट्रीम के नतीजे एक साथ जारी किए। जारी परिणाम के मुताबिक, इस वर्ष 92.02 फीसदी छात्र-छात्राओं ने इंटरमीडिएट बोर्ड की परीक्षा में सफलता हासिल की है।

परीक्षार्थी हिमाचल बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर, वहां संबंधित कक्षा के लिए उपलब्ध परिणाम लिंक पर क्लिक कर अपने नतीजे चेक करने के साथ मार्कशीट डाउनलोड कर सकते हैं। बोर्ड ने परिणाम ऑफिशियल वेबसाइट के अलावा डिजिलॉकर ऐप पर भी जारी कर दिए हैं। हिमाचल बोर्ड 12वीं में एक बार फिर से लड़कियों ने बाजी मारी है। इंटरमीडिएट की परीक्षा में इस वर्ष 81,417 छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए थे, जिनमें से 74,637 स्टूडेंट्स पास हुए हैं। छात्रों में 40,828 लड़कों ने परीक्षा दी थी, जिसमें 36,888 पास हुए हैं। वहीं, 40,281 लड़कियों ने परीक्षा दी थी, जिनमें से 37,749 पास हुई हैं। हिमाचल बोर्ड 12वीं में साइला कश्यप ने 99 प्रतिशत अंक के साथ पहला स्थान प्राप्त किया है। दूसरे स्थान पर दो छात्राओं ने 98.6 प्रतिशत अंक के साथ जगह बनाई है; उनमें सचिता धीमान और पार्शी शर्मा हैं। वहीं, तीसरी रैंक पर तीन छात्र-छात्राएं 98.4 फीसदी अंक के साथ हैं; उनमें तमन्ना शर्मा, नितिन कुमार और वैशाली ठाकुर के नाम शामिल हैं। इस वर्ष साइंस स्ट्रीम से साइला कश्यप ने 500 में से 495 अंक हासिल कर पूरे राज्य में पहला स्थान प्राप्त किया है।

बृहस्पति का चंद्रमा यूरोपा : पृथ्वी से दोगुना पानी, जानें क्यों खास है यह चंद्रमा

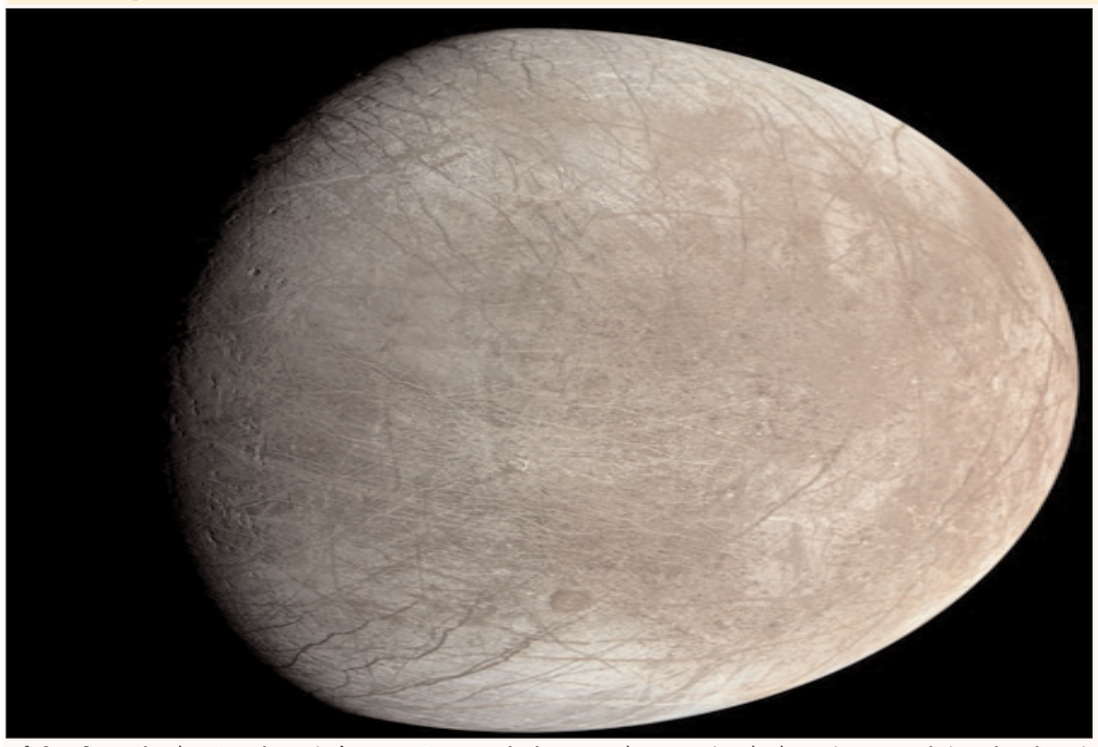

नई दिल्ली। हमारे सौर मंडल में पृथ्वी के अलावा जीवन की संभावना वाले स्थानों की खोज में वैज्ञानिकों का ध्यान बृहस्पति के चंद्रमा यूरोपा पर सबसे ज्यादा है। यूरोपा पर पृथ्वी से दोगुना से भी ज्यादा पानी होने का अनुमान है, हालांकि इसकी सतह इतनी ठंडी है कि सारा पानी बर्फ बनकर जम गया है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि इस बर्फीली परत के नीचे तरल महासागर हो सकता है, जहां जीवन के संकेत मिल सकते हैं। यूरोपा बृहस्पति का सबसे छोटा चंद्रमा है। यह पृथ्वी के चंद्रमा से थोड़ा ही छोटा है, लेकिन बहुत ज्यादा ठंडा है। कारण है इसकी दूरी। यूरोपा सूर्य से पृथ्वी की दूरी से पांच गुना ज्यादा दूर है। यहां सूर्य की रोशनी और गर्मी बहुत कम पहुंचती है, जिससे सतह का तापमान बेहद कम रहता है। सतह पर मौजूद पानी पत्थर जैसी सख्त बर्फ बन चुका है।

वैज्ञानिक कहते हैं कि यहां बर्फ तोड़ने के लिए सामान्य आइस पिक नहीं, बल्कि जैकहैमर की जरूरत पड़ेगी। यूरोपा में पानी की भरपूर संभावना है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यूरोपा में पृथ्वी से दोगुना से भी ज्यादा पानी है। लेकिन सारा पानी सतह पर नहीं, बल्कि मोटी बर्फ की परत के नीचे तरल रूप में छिपा हो सकता है।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के गैलीलियो मिशन ने इसके पक्के सबूत दिए हैं कि बर्फ की मोटी परत के नीचे विशाल खारा महासागर मौजूद है। पृथ्वी पर भी कुछ जीव बिना सूर्य की रोशनी वाले अंधेरे और कठोर वातावरण में रह सकते हैं, इसलिए यूरोपा पर भी सूक्ष्म जीवन की संभावना जताई जा रही है।

यूरोपा पर सतह भले ही जमी हुई हो, लेकिन अंदरूनी भाग गर्म रहता है। इसका मुख्य कारण है बृहस्पति का बेहद मजबूत गुरुत्वाकर्षण। यूरोपा बृहस्पति की परिक्रमा करते समय गुरुत्वाकर्षण के खिंचाव से लगातार खिंचता रहता है। इस खिंचाव से अंदर रगड़ पैदा होती है, जो गर्मी उत्पन्न करती है। इस गर्मी के कारण बर्फ के नीचे का पानी तरल रूप में बना रहता है। इसके अलावा, बृहस्पति के अन्य चंद्रमा आयो और गेनीमेड भी यूरोपा को गुरुत्वाकर्षण से प्रभावित करते हैं। इन खिंचावों के कारण यूरोपा की कक्षा गोलाकार नहीं रहती और लगातार बदलती रहती है। इसी प्रक्रिया को ज्वार-भाटा कहते हैं, जो यूरोपा को पूरी तरह जमने नहीं देता।

इन सारी संभावनाओं को जांचने के लिए नासा 'यूरोपा क्लिपर' नामक अंतरिक्ष यान साल 2024 में लॉन्च कर चुका है। यह मिशन यूरोपा की सतह, बर्फ की परत और नीचे छिपे महासागर का विस्तृत अध्ययन करेगा। इसका मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि क्या यूरोपा पर जीवन के लिए जरूरी शर्तें मौजूद हैं या नहीं। यूरोपा अध्ययन न सिर्फ सौर मंडल की समझ बढ़ाएगा बल्कि यह भी बताएगा कि पृथ्वी के अलावा दूसरे चंद्रमाओं या ग्रहों पर जीवन कैसे संभव हो सकता है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इस बर्फीले चंद्रमा के नीचे छिपा महासागर ब्रह्मांड में जीवन की खोज में नई दिशा दे सकता है।

गर्मियों के लिए बेहद अच्छी है राई की कांजी, जानें कैसे करें घर पर तैयार

नई दिल्ली । गर्मियों के मौसम में शरीर को ठंडक देने और पाचन को ठीक रखने के लिए देसी पेय बहुत काम आते हैं। इन्हीं में से एक है राई की कांजी, जो न सिर्फ स्वाद में अच्छी होती है बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद मानी जाती है। यह एक पारंपरिक फर्मेंटेड ड्रिंक है, जिसे खासतौर पर गर्मियों के समय में ही बनाया जाता है।

कांजी को प्रोबायोटिक ड्रिंक भी कहा जाता है क्योंकि इसमें वो बैक्टीरिया बनते हैं, जो हमारे पेट (गट हेल्थ) के लिए बहुत जरूरी होते हैं। यह पाचन को मजबूत करती है, कब्ज की समस्या को दूर करती है और शरीर को हल्का और ताजगी भरा महसूस कराती है। इसलिए गर्मियों में इसे जरूर पीने की सलाह दी जाती है।

राई की कांजी बनाने के लिए सबसे पहले 1 लीटर पानी लें। इसे हल्का उबालकर ठंडा कर लें ताकि उसमें कोई गंदगी न रहे। अब एक मिक्सी में 1 चम्मच राई, 1 चम्मच नमक और 1 चम्मच हल्दी पाउडर डालकर हल्का पीस लें। इसे एक बर्तन में निकाल लें और उसमें 1 छोटा चम्मच दही मिला दें। दही डालने से फर्मेंटेशन जल्दी और अच्छे तरीके से होता है।

अब जिस डब्बे या जार में कांजी बनानी है, उसे अच्छी तरह साफ कर लें। इसके अंदर मसाला चारों तरफ फैला दें। इसके बाद एक कटोरी में जलता हुआ कोयला रखें, उस पर थोड़ा सा घी और एक चुटकी हींग डालें। अब इस कटोरी को जार के अंदर कुछ मिनट तक कैद रहने दें, फिर जार को हटा लें। इससे कांजी में एक अलग स्वाद और खुशबू आ जाती है।

अब इसमें ठंडा किया हुआ पानी डालें और तैयार किए गए मसाले को अच्छे से मिला दें। इसके बाद जार का ढक्कन बंद करके इसे 3 से 4 दिन के लिए किसी गर्म जगह पर रख दें ताकि यह अच्छे से फर्मेंट हो सके।

हर दिन एक बार इसे हिला देना बहुत जरूरी है, ताकि फर्मेंटेशन बराबर हो।

3-4 दिन बाद आपकी कांजी तैयार हो जाती है। इसका रंग हल्का सा बदल जाता है और स्वाद में हल्की खटास आ जाती है, जो इसे और भी मजेदार बना देती है।

राई की कांजी न सिर्फ शरीर को ठंडक देती है, बल्कि गर्मियों में लू से बचाव में भी मदद करती है। यह इम्युनिटी को मजबूत करती है और पेट की कई समस्याओं को दूर रखती है। इसे आप दिन में कभी भी पी सकते हैं।

गर्मियों में अमृत से कम नहीं खट्टा-रसीला नींबू, सेवन के जबरदस्त फायदे

नई दिल्ली। गर्मी के मौसम में खट्टे-रसीले नींबू के सेवन से सेहत को कई लाभ मिलते हैं। इस मौसम में नींबू अमृत से कम नहीं होता। भीषण गर्मी में शरीर को ठंडक, ऊर्जा और सेहत देने वाला यह फल हर घर में आसानी से उपलब्ध है।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के अनुसार, रोजाना नींबू का सेवन गर्मियों में कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव कर सकता है। नींबू विटामिन सी, पोटैशियम, एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइबर से भरपूर होता है। गर्मी में पसीना ज्यादा आने के कारण शरीर में पानी की कमी हो जाती है और थकान महसूस होती है। ऐसे में नींबू पानी न सिर्फ शरीर को हाइड्रेट रखता है बल्कि दिनभर स्फूर्ति और ताजगी भी बनाए रखता है।

नींबू के सेवन से और भी कई लाभ मिलते हैं। यह इम्युनिटी बढ़ाता है। नींबू में भरपूर मात्रा में विटामिन सी होता है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है। गर्मियों में होने वाले वायरल इंफेक्शन, सर्दी-खांसी और बुखार से बचाव में यह बेहद उपयोगी है। गर्मी में भूख कम लगना और पाचन संबंधी परेशानी आम है। नींबू पेट के एसिड को बैलेंस करता है, कब्ज दूर करता है और भोजन को अच्छे से पचाने में मदद करता है। सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में नींबू मिलाकर पीने से पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है।

इसके साथ ही नींबू पानी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी पूरी करता है। इससे थकान कम होती है और पूरे दिन एनर्जी बनी रहती है। नींबू में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाते हैं। यह मुंहासों, दाग-धब्बों को कम करने और गर्मी में होने वाली त्वचा संबंधी समस्याओं में राहत देता है। नींबू वजन कम करने में सहायक है, जो लोग वजन घटाना चाहते हैं, उनके लिए नींबू बेहद फायदेमंद है। यह मेटाबॉलिज्म बढ़ाता है और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है।

सुबह उठकर गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर पीना सबसे अच्छा तरीका है। दिन में 2-3 बार सादा नींबू पानी या नमक के साथ ले सकते हैं। गर्मियों में शक्कर की जगह शहद मिलाकर भी पी सकते हैं।

भारत को मिलेगी एआई ऑर्बिटल डेटा सेंटर सैटेलाइट; पिक्सेल और सर्वम ने की साझेदारी

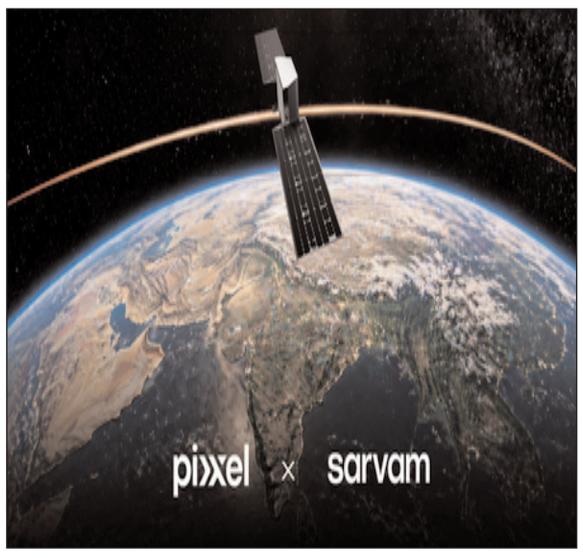

नई दिल्ली। भारत में एआई ऑर्बिटल डेटा सेंटर सैटेलाइट विकसित करने के लिए स्पेस-टेक फर्म पिक्सेल और एआई स्टार्टअप सर्वम ने साझेदारी की है। यह जानकारी दोनों कंपनियों की ओर से सोमवार को दी गई।

इस साझेदारी के तहत पिक्सेल पाथफाइंडर सैटेलाइट को डिजाइन, निर्माण, प्रक्षेपण और संचालित करेगी, जबकि सर्वम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का आधार प्रदान करेगी, जिससे ऑनबोर्ड चलने वाले फुल-स्टैक लैंग्वेज मॉडल के माध्यम से सीधे कक्षा में प्रशिक्षण और अनुमान दोनों संभव हो सकेंगे।

200 किलोग्राम श्रेणी की सैटेलाइट पाथफाइंडर, जिसके 2026 की चौथी तिमाही तक कक्षा में पहुंचने की उम्मीद है, अंतरिक्ष-आधारित कंप्यूटिंग क्षमताओं को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए कंपनियों के प्रयासों को दिखाता है।

कम शक्ति वाले प्रोसेसर पर निर्भर पारंपरिक सैटेलाइट सिस्टम के विपरीत, पाथफाइंडर में स्थलीय एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर में उपयोग किए जाने वाले डेटा सेंटर-स्तरीय जीपीयू होंगे, जो अंतरिक्ष में सीधे उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग को सक्षम बनाएंगे। इस सैटेलाइट में पिक्सल का प्रमुख हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग कैमरा भी लगा होगा, जिससे यह दुनिया के उन पहले सैटेलाइट्स में से एक बन जाएगा जो उच्च-रिजॉल्यूशन हाइपरस्पेक्ट्रल डेटा कैप्चर करने और उन्नत एआई मॉडल का उपयोग करके कक्षा में ही उसका विश्लेषण करने में सक्षम है।इससे पृथ्वी पर बड़ी मात्रा में कच्चा डेटा भेजने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी, जिससे रियल टाइम में जानकारी प्राप्त करना, तेज निर्णय लेना और पर्यावरण निगरानी, ??संसाधन प्रबंधन और बुनियादी ढांचे की निगरानी जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग संभव हो सकेगा।

पिक्सेल के सीईओ अवैस अहमद ने कहा कि ऊर्जा, भूमि और विस्तार क्षमता से संबंधित बाधाओं के कारण जमीनी इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए ऑर्बिटल डेटा सेंटर एक नया आयाम प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि सौर ऊर्जा से संचालित और डेटा स्रोतों के निकट स्थित अंतरिक्ष-आधारित कंप्यूटिंग कई सीमाओं को दूर कर सकती है।

सर्वम के सीईओ प्रत्युष कुमार ने कहा कि यह साझेदारी कंपनी के स्वतंत्र एआई प्लेटफॉर्म को स्थलीय प्रणालियों से आगे अंतरिक्ष तक विस्तारित करती है, जिससे भारत में निर्मित एआई मॉडल विदेशी क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर से स्वतंत्र रूप से काम कर सकेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऑर्बिट में स्वदेशी इंटेलिजेंस का निर्माण तकनीकी संप्रभुता की कुंजी है।

यह मिशन कठोर अंतरिक्ष वातावरण में वास्तविक समय एआई अनुमान, विद्युत प्रबंधन, तापीय प्रदर्शन और डेटा वर्कफ्लो का भी परीक्षण करेगा, जिससे भविष्य के एआई ऑर्बिटल डेटा सेंटर सिस्टम्स की नींव रखी जाएगी।

योग से होगा हर रोग का समाधान! शिल्पा शेट्टी ने बताया क्यों जरूरी है 'वर्तुलासन' का अभ्यास

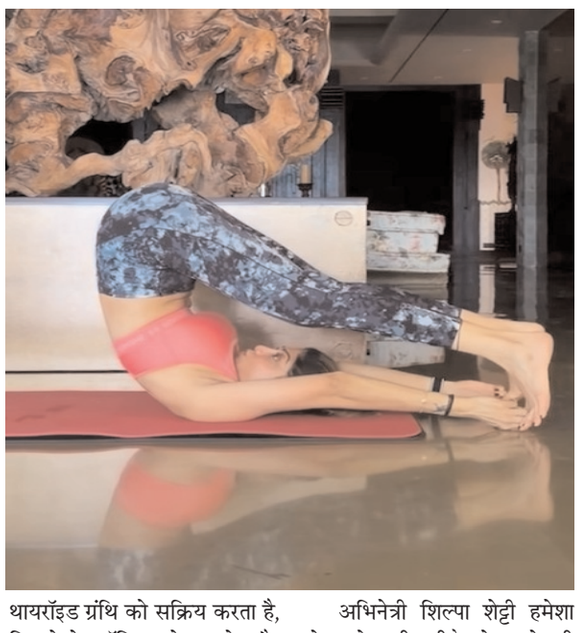

मुंबई। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी अपनी फिटनेस और योग के प्रति समर्पण जगजाहिर है। वे योगाभ्यास के माध्यम से लचीलापन और मजबूती बनाए रखने पर जोर देती हैं। सोमवार को उन्होंने वर्तुलासन के महत्व पर जोर देते हुए इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर की।

पोस्ट किए गए वीडियो में अभिनेत्री 'वर्तुलासन' का अभ्यास करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने अपनी इस पोस्ट पर न सिर्फ अभ्यास करते हुए दिखाया, बल्कि इसके फायदों के बारे में भी विस्तार से बताया।

अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, 'वर्तुलासन योग की एक ऐसी मुद्रा है जो शरीर को गोलाकार स्थिति में लाती है। यह आसन हलासन के समान शरीर को लाभ देता है। इसमें शरीर को मोड़कर पीछे की ओर ले जाया जाता है, जिससे पूरी रीढ़ की हड्डी में खिंचाव आता है।

उन्होंने आगे लिखा, 'यह थायरॉइड ग्रंथि को सक्रिय करता है, जिससे मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है। पाचन क्रिया को सुधारता है और रक्त संचार को बढ़ाता है। कंधों और ऊपरी पीठ को मजबूत बनाता है।'

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी हमेशा योग को सही तरीके से करने की सलाह देती हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में आगे स्पष्ट किया कि यदि पीठ दर्द, स्लिप डिस्क, सर्वाइकल स्पोंडलोसिस या हार्निया जैसी शारीरिक समस्या है, तो इस आसन का अभ्यास करने से बचें।

आयुर्वेद और योग परंपरा ने भी 'वर्तुलासन' के महत्व पर जोर दिया। उनके अनुसार, वर्तुलासन शरीर के संतुलन, पाचन और नसों को स्वस्थ रखने के लिए एक बेहतरीन आसन माना जाता है। यद्यपि यह मुख्य रूप से एक हठयोग आसन है, लेकिन इसके लाभ आयुर्वेद के त्रिदोष (वात, पित्त, कफ) संतुलन के सिद्धांतों से मेल खाते हैं।

इसे करने के लिए पद्मासन की मुद्रा में बैठ जाएं। अब अपने हाथों को जांघों और घुटनों के बीच जमीन पर रखें। सांस भरते हुए, अपने पूरे शरीर को हाथों के सहारे ऊपर उठाएं, संतुलन बनाएं। कुछ सेकंड इसी मुद्रा (तुला) में रुकें, फिर धीरे-धीरे वापस आएं। यह आसन पेट के अंगों को टोन करता है, जिससे पाचन शक्ति (अग्नि) में सुधार होता है और भोजन का उचित अवशोषण होता है।

कोर को एक्टिवेट कर नर्वस सिस्टम को आराम देता है पश्चिमोत्तानासन, ऐसे करें अभ्यास

नई दिल्ली। विश्व योग दिवस को अब कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय रोजाना नए-नए योगसन के बारे में जानकारी देते हुए उनके अभ्यास से मिलने वाले लाभ के बारे में भी जानकारी दे रहा है। इस क्रम में मंत्रालय ने पश्चिमोत्तानासन पर विशेष जानकारी दी।

एक्सपर्ट का मानना है कि पश्चिमोत्तानासन एक ऐसा आसन है, जिसके अभ्यास से कोर एक्टिवेट होते हैं और नर्वस सिस्टम को आराम भी मिलता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार पश्चिमोत्तानासन कोर मसल्स को एक्टिवेट करने के साथ-साथ नर्वस सिस्टम को गहरी शांति प्रदान करता है। यह एक आसान लेकिन प्रभावशाली आगे की ओर झुकने वाला आसन है। इसमें व्यक्ति सीधे बैठकर पैरों की ओर झुकता है।

आयुष मंत्रालय के मुताबिक, नियमित अभ्यास से शरीर का अंदरूनी बैलेंस बना रहता है, मन शांत होता है और व्यक्ति हल्का- महसूस करता है। इस आसन के अभ्यास से कई लाभ मिलते हैं।

कोर एक्टिवेशन:- पेट और कमर के आसपास की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है।

नर्वस सिस्टम को आराम:- सांस पर ध्यान केंद्रित करने से तनाव कम होता है और पूरा नर्वस सिस्टम रिलैक्स होता है।

पाचन तंत्र में सुधार: -पेट फूलना, कब्ज, भूख न लगना और पाचन संबंधी समस्याओं में राहत मिलती है।

साइटिका और पीठ दर्द: -कमर और टांगों के पिछले हिस्से को खींचने से साइटिका के दर्द में कमी आती है।

मानसिक शांति:- नियमित अभ्यास से चिंता और तनाव घटता है व एकाग्रता बढ़ती है।

पश्चिमोत्तानासन अभ्यास के लिए सबसे पहले मैट पर सीधे बैठ जाएं। दोनों पैर आगे की ओर सीधे फैलाएं। एड़ियां और अंगूठे एक साथ हों।

बच्चों की नियमित ग्रोथ मॉनिटरिंग जरूरी, मिलती है विकास की सही जानकारी

नई दिल्ली। बच्चों की सही परवरिश और अच्छे विकास के लिए सिर्फ अच्छा खाना देना ही काफी नहीं होता, बल्कि यह भी जानना जरूरी होता है कि बच्चा सही तरीके से बढ़ रहा है या नहीं। इसी को समझने के लिए ग्रोथ मॉनिटरिंग यानी नियमित विकास की निगरानी बहुत जरूरी मानी जाती है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर बताया कि ग्रोथ मॉनिटरिंग का मतलब होता है बच्चे की लंबाई, वजन और उम्र के हिसाब से उसके विकास को समय-समय पर मापना और उसका रिकॉर्ड रखना। इससे पता चलता है कि बच्चा अपनी उम्र के हिसाब से ठीक से बढ़ रहा है या नहीं। अगर किसी भी तरह की कमी या समस्या होती है, तो उसे शुरू में ही पहचाना जा सकता है और समय रहते इलाज या सुधार किया जा सकता है।

अक्सर गांवों और छोटे शहरों में लोग इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन बच्चे के पहले पांच साल सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान अगर विकास में कोई कमी रह जाए, तो उसका असर आगे की पूरी जिंदगी पर पड़ सकता है। इसलिए हर माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चे का वजन और लंबाई नियमित रूप से जांचते रहें।

ग्रोथ मॉनिटरिंग से यह भी समझ में आता है कि बच्चे को सही पोषण मिल रहा है या नहीं।

आईपीएल 2026: रोहित-रिकल्टन का शानदार फिफ्टी , एमआई ने एलएसजी को 6 विकेट से हराया

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 47वें मैच में विशाल टारगेट का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस (एमआई) ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ 6 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ एमआई ने अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को जीवित रखा है।

मुंबई इंडियंस 10 में से 3 मैच जीतकर प्वाइंट्स टेबल में 9वें पायदान पर है, जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स ने 9 में से 7 मैच गंवा दिए हैं। यह टीम सबसे अंतिम पायदान पर है। सोमवार को वानखेड़े स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी एलएसजी ने निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर 228 रन बनाए। इस टीम को जोश इंग्लिस और मिचेल मार्श की सलामी जोड़ी ने संभली हुई शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 2.3 ओवरों में 29 रन की साझेदारी की।

जोश 5 गेंदों में 13 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद मार्श ने निकोलस पूरन के साथ दूसरे विकेट के लिए 34 गेंदों में 94 रन जुटाकर टीम को 123 के स्कोर तक पहुंचाया। निकोलस 21 गेंदों में 8 छक्कों और 1 चौके के साथ 63 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि मार्श ने 25 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों के साथ 44 रन की पारी खेली।

यहां से एडेन मार्करम ने मोर्चा संभाला। उन्होंने कप्तान ऋषभ पंत (15) के साथ 23 रन, जबकि हिम्मत सिंह के साथ 47 गेंदों में 68 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। मार्करम 31 रन बनाकर नाबाद रहे। हिम्मत सिंह ने 40 रन की नाबाद पारी खेली। विपक्षी खेमे से कॉर्बिन बॉश ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए, जबकि एएम गजनफर, विल जैक्स और रघु शर्मा ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

इसके जवाब में मुंबई इंडियंस ने 18.4 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। लंबे वक्त बाद मैदान पर वापसी कर रहे रोहित शर्मा ने रयान रिकेल्टन के साथ पहले विकेट के लिए दमदार साझेदारी करते हुए टीम को जीत की पटरी पर ला दिया। दोनों खिलाड़ियों ने 10.5 ओवरों में 143 रन जुटाए।

बांग्लादेशी कप्तान निगार सुल्ताना को आईसीसी ने फटकारा, जानिए क्या थी वजह?

दुबई। बांग्लादेशी कप्तान निगार सुल्ताना को आईसीसी की आचार संहिता के लेवल-1 का उल्लंघन करने के लिए आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई गई है। यह मामला सिलहट में शनिवार को बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच खेले गए तीसरे टी20 मैच से जुड़ा है।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने बताया कि बांग्लादेश की कप्तान ने आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन किया, जो किसी इंटरनेशनल मैच के दौरान क्रिकेट के सामान या कपड़ों, मैदान के सामान या फिक्स्चर और फिटिंग का गलत इस्तेमाल करने से जुड़ा है।

यह घटना बांग्लादेशी पारी के दौरान हुई, जब निगार आउट होने के बाद साफतौर पर निराश दिखीं। मैदान छोड़ने से पहले उन्होंने अपना बल्ला जमीन पर फेंक दिया था। औपचारिक फटकार के अलावा, निगार के अनुशासन रिकॉर्ड में एक डिमेरिट प्वाइंट भी जोड़ दिया गया है। पिछले 24 महीनों में यह निगार का पहला अपराध है। आईसीसी ने सोमवार को अपने बयान में कहा, 'निगार ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है, उन्होंने एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी की सदस्य सुप्रिया रानी दास की ओर से सुझाए गए दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए किसी औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। ये आरोप ऑन-फील्ड अंपायर एलोइस शेरिडन और साथीरा जाकिर जेसी, थर्ड अंपायर रोकेया सुल्ताना और फोर्थ अंपायर चंपा चकमा ने लगाए थे।

केएसएस मेमोरियल शूटिंग: 10 मीटर एयर पिस्टल महिला वर्ग में अंजलि विनर, 2 गोल्ड के साथ कनक ने जमाई धाक

नई दिल्ली। 24वीं कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप के 10 मीटर एयर पिस्टल महिला वर्ग में राजस्थान की अंजलि शेखावत ने गोल्ड पर निशाना साधा। इसके अलावा, हरियाणा की कनक बुधवार ने 10 मीटर एयर पिस्टल जूनियर महिला वर्ग और 10 मीटर एयर पिस्टल यूथ विमेंस इवेंट में गोल्ड मेडल अपने नाम किए।

सोमवार को डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित चैंपियनशिप में शेखावत ने फाइनल में 240.5 का स्कोर करते हुए पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया। 238.7 के स्कोर के साथ हरियाणा की कनक दूसरे पायदान पर रहीं, जबकि 216 के स्कोर के साथ पंजाब की अगम रंजीत कौर ग्रेवाल ने तीसरा स्थान हासिल किया।

क्वालीफिकेशन राउंड में तेलंगाना की ओलंपियन ईशा सिंह 582-20× के स्कोर के साथ शीर्ष पर रहीं, उनके बाद अगम रंजीत कौर ग्रेवाल (579-15×) और हरियाणा की मुस्कान चहल (577-21×) रहीं।

हालांकि, ईशा सिंह और मध्य प्रदेश की महिमा तुर्ही अग्रवाल, जिन्होंने 575-20× के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर क्वालीफाई किया था, उन्होंने फाइनल में हिस्सा नहीं लिया। कनक ने 576-13× के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था।

फाइनल में, रेलवे की युविका तोमर 196.1 (576-15×) के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहीं। मुस्कान चहल 174.8 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। हरियाणा की एक और शूटर, मुस्कान, 154.8 (575-19×) के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहीं।

महिला वर्ग की सिल्वर मेडलिस्ट कनक बुधवार ने 10 मीटर एयर पिस्टल जूनियर महिला वर्ग में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 238.4 के स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता। 237.5 के स्कोर के साथ हरियाणा की प्रियांशी पूर्वा ने सिल्वर मेडल जीता, जबकि हरियाणा की केतन ने 216.8 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीतकर राज्य के लिए क्लीन स्वीप पूरा किया।

इसके अलावा, 10 मीटर एयर पिस्टल यूथ विमेंस इवेंट में, कनक ने एक बार फिर जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 244.3 के शानदार स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता। हरियाणा की नव्या ने 237.7 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया, जबकि आर्मी की अंजलि महेंद्र भागवत 215.3 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

टीम इवेंट में हरियाणा की टीम विजयी रही। प्रियांशी पूर्वा, नव्या और सुरभि राव की तिकड़ी ने मिलकर 1718.0-48× का कुल स्कोर बनाकर गोल्ड मेडल जीता।

रेलवे की टीम (युविका तोमर, साक्षी अनिल सूर्यवंशी और रिया शिरीष थट्टे) ने 1710.0-40× के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि उत्तर प्रदेश की वंशिका चौधरी, संस्कृति बाना और अंजलि चौधरी ने 1709.0-50× के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

पाकिस्तान के लिए तीनों फॉर्मेट खेलना जारी रखना चाहते हैं बाबर आजम, कहा- सभी प्रारूप में मिलता है अनुभव

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम ने साफ कहा है कि वह क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट खेलना जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि किसी खिलाड़ी का काम खेलना होता है, यह तय करना नहीं कि किस फॉर्मेट को छोड़ना है।

बाबर अपने करियर के ज्यादातर समय में पाकिस्तान टीम के अहम खिलाड़ी रहे हैं। लेकिन हाल के समय में उनका प्रदर्शन थोड़ा कमजोर रहा और वह लगातार रन नहीं बना पा रहे थे। इस साल हुए टी20 विश्व कप में भी वह खास प्रभाव नहीं छोड़ सके।

हालांकि, पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में पेशावर ज़ल्मी के कप्तान के तौर पर खिताब जीतने के सफर ने बाबर में नई जान फूंक दी है। उन्होंने 11 मैचों में दो शतक जड़े और टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के तौर पर उभरे। उन्होंने 11 मैचों में 588 रन बनाकर एक रिकॉर्ड की बराबरी भी की। पीएसएल 2026 का खिताब जीतने के बाद मैच के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बाबर ने कहा, 'मेरा ध्यान तीनों फॉर्मेट पर है। यह तय करना खिलाड़ी का काम नहीं है कि कौन सा फॉर्मेट छोड़ना है, एक खिलाड़ी का काम तो खेलना है। मेरी राय में, हर खिलाड़ी को क्रिकेट के हर फॉर्मेट में खेलना चाहिए। आपको सिर्फ़ व्हाइट बॉल या टी20 पर ही ध्यान नहीं देना चाहिए। रेड-बॉल क्रिकेट आपको बहुत ज्यादा अनुभव देता है। यह आपको सिखाता है कि पारी को कैसे आगे बढ़ाना है और आपको धैर्य भी देता है।

उन्होंने आगे कहा, 'जब आप चार दिन का क्रिकेट या कोई घरेलू टूर्नामेंट खेलते हैं, तो आपको 'लंबी' पारियां खेलने का अनुभव मिलता है। आपको तीनों फॉर्मेट में खेलना चाहिए क्योंकि हर फॉर्मेट दूसरे की मदद करता है। रेड बॉल क्रिकेट आपको टी20 और वनडे में मदद करता है। जब आप टेस्ट मैच खेलते हैं, तो जो धैर्य और मानसिकता आपमें विकसित होती है, वह आपको व्हाइट-बॉल क्रिकेट में काफी फायदा पहुंचाती है।

आईपीएल 2026 : बाहर बैठकर बिताया गया समय मेरे लिए फायदेमंद रहा - शेडगे

अहमदाबाद। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के सूर्यांश शेडगे ने प्लेइंग इलेवन तक पहुंचने के अपने सफर को याद करते हुए कहा कि बाहर बैठकर बिताया गया समय उनके लिए फायदेमंद रहा। इससे उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से खुद को तैयार करने का मौका मिला।

रविवार शाम गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में पिच पर गेंद कभी ऊपर तो कभी नीचे रह रही थी, जिससे बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। शेडगे छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए, उस समय पंजाब का स्कोर सातवें ओवर में 36 रन पर 4 विकेट था। थोड़ी ही देर बाद श्रेयस अय्यर आउट हो गए और टीम का स्कोर 47 रन पर 5 विकेट हो गया।

इसके बाद शेडगे ने मार्कस स्टोइनिस के साथ मिलकर सिर्फ 44 गेंदों में 79 रन की साझेदारी की। शेडगे ने 29 गेंदों में 57 रन बनाए, जिसमें 3 चौके और 5 छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 196.55 रहा और उन्होंने टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने की पूरी कोशिश की।

मैच के बाद शेडगे ने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं इंतजार कर रहा था, बल्कि मैं खुद को तैयार कर रहा था। बाहर बैठकर बिताया समय मेरे काम आया। इससे मुझे शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार होने का मौका मिला। रिकी पोंटिंग और श्रेयस अय्यर हमेशा कहते थे कि जब मौका मिले तो उसे पूरी तरह से भुनाओ, और मैंने वही करने की कोशिश की।'

उन्होंने आगे कहा, 'मेरा मकसद था कि मैं ज्यादा से ज्यादा समय तक क्रीज पर टिकूं। इससे खेलना आसान हो गया। ऐसी पिच पर बल्लेबाज को पहले खुद को जमाना होता है, उसके बाद ही बड़े शॉट खेलने चाहिए। इस विकेट पर 240 या 250 रन बनाना संभव नहीं था, क्योंकि पिच ऐसा करने नहीं दे रही थी।'

पंजाब किंग्स ने कुल 163 रन बनाए। हालांकि यह स्कोर थोड़ा कम साबित हुआ, लेकिन शेडगे का मानना है कि टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, 'हम शायद 20-25 रन और बना सकते थे, लेकिन 163 भी लड़ने लायक स्कोर था। हमने पूरी कोशिश की और इस मैच से कई अच्छी बातें सीखने को मिलीं।'

गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 24 रन दिए और 2 विकेट लिए, जिससे टीम मुकाबले में बनी रही। वहीं विजयकुमार वैशाख ने भी अच्छा खेल दिखाया। उन्होंने जोस बटलर और साई सुदर्शन के अहम विकेट लिए और 4 ओवर में 31 रन दिए।

शेडगे ने वैशाख की गेंदबाजी की तारीफ करते हुए कहा, 'पावरप्ले खत्म होने से पहले हमारे गेंदबाजी कोच ने उन्हें 'हार्ड लेंथ' पर गेंद डालने का संदेश दिया था। उसके बाद आपने देखा कि उन्होंने कितनी अच्छी गेंदबाजी की।

समरेश जंग: भारतीय शूटिंग के 'गोल्डफिंगर', जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जमाई धाक

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज निशानेबाज समरेश जंग को शूटिंग जगत में 'गोल्डफिंगर' के नाम से भी जाना जाता है, जिन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2006 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था। साल 2002 में 'अर्जुन अवॉर्ड' से सम्मानित इस शूटर ने भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर कई यादगार सफलताएं दिलाने के बाद कोचिंग में भी योगदान दिया।

5 मई 1970 को हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में जन्मे समरेश जंग के दादा शेर जंग स्वतंत्रता सेनानी और एक बेहतरीन निशानेबाज थे। समरेश के पिता भी सेना में कर्नल रहे। दादा और पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए समरेश ने भी देश सेवा को चुना और सीआईएसएफ ज्वाइन की।

साल 1997 में सैफ गेम्स में समरेश जंग ने 2 गोल्ड और 1 सिल्वर मेडल जीतकर अपनी छाप छोड़ी। मैनचेस्टर में खेले गए कॉमनवेल्थ गेम्स 2002 में समरेश ने 2 गोल्ड और 3 सिल्वर अपने नाम किए थे। उसी साल उन्हें 'अर्जुन पुरस्कार' से नवाजा गया। 4 साल बाद उन्होंने मेलबर्न में खेले गए कॉमनवेल्थ गेम्स 2006 में 5 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज मेडल पर निशाना साधा। शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें 'बेस्ट एथलीट' भी चुना गया। समरेश यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय थे।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को लेकर लेफ्ट-आर्म स्पिनर वैष्णवी शर्मा बोलीं- मैदान में प्रदर्शन से ज्यादा कैरेक्टर जरूरी है

नई दिल्ली। बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा के लिए अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप जीतने के बाद भारत की जर्सी पहनना और सीनियर टीम में जगह बनाना उनके लंबे समय से संजोए गए सपने के पूरा होने जैसा है।

हालांकि, 20 वर्षीय लेफ्ट-आर्म स्पिनर का मानना ??है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का उच्च दबाव दुनिया में अच्छा खेलने के लिए ऑन-फील्ड परफॉर्मेंस से ज्यादा कैरेक्टर और विनम्रता जरूरी है।

अब तक, वैष्णवी ने भारत के लिए 5 टी20 इंटरनेशनल खेले हैं और 23.80 के एवरेज और 6.26 के इकॉनमी रेट से पांच विकेट लिए हैं, जिसमें 2/24 का बेस्ट फिगर रहा है। ऑस्ट्रेलिया के मल्टी-फॉर्मेट टूर पर टीम के साथ होने के बावजूद, वैष्णवी टी20आई में नहीं खेल पाईं, लेकिन होबार्ट में अपना ओडीआई डेब्यू किया, जहां वह बिना विकेट लिए रहीं।

वैष्णवी ने 'फैनकैचस्टिक चैप्टर 2' इवेंट के मौके पर न्यूज एजेंसी आईएएनएस से ??खास बातचीत में कहा, 'अब मैं एक इंटरनेशनल क्रिकेटर बनकर बहुत अच्छा और गर्व महसूस कर रही हूं। जब मैं 11-12 साल की थी, तब से मैं भारत की जर्सी पहनने का सपना देख रही थी और पिछले साल से मुझे यह पहनने को मिल रही है। इसलिए यह मुझे हमेशा सबसे अच्छा और सबसे गर्व वाला एहसास कराता है। जब भी मैं इसे पहनती हूं, तो मुझे लगता है कि मुझे भारत के लिए कुछ करना है और मुझे अपना सबसे बेहतर प्रदर्शन देना है और अपना सब कुछ देना है।'

हालांकि मैदान पर अच्छा प्रदर्शन सफलता का मुख्य पैमाना बना हुआ है, लेकिन नेशनल टीम के साथ वैष्णवी के शुरुआती समय ने उन्हें कप्तान हरमनप्रीत कौर और ऑफ-स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर स्नेह राणा जैसे सीनियर स्टार्स के ऑफ-फील्ड व्यवहार के बारे में एक गहरा नजरिया दिया है।

उन्होंने कहा, 'सबसे पहले, मैंने सीखा कि हर कोई ऑन-फील्ड परफॉर्मेंस के बारे में बात करता है। लेकिन मैंने ऑफ-फील्ड सीखा कि आपका कैरेक्टर कैसा है और आप एक इंसान के तौर पर कैसे हैं, यह ज्यादा जरूरी है। हर बार जब आपका नाम लिया जाता है।

होल्डर की मौजूदगी ने गुजरात टाइटंस को एक अलग ही लेवल पर पहुंचा दिया : पुजारा

अहमदाबाद । पूर्व भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने गुजरात टाइटंस की पंजाब किंग्स पर जीत में जेसन होल्डर के शानदार प्रदर्शन की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि होल्डर जैसे अनुभवी खिलाड़ी ने टीम का स्तर और बेहतर कर दिया है।

गुजरात टाइटंस के प्रदर्शन पर बात करते हुए पुजारा ने बताया कि जेसन होल्डर ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी, दोनों में अहम योगदान दिया। उन्होंने कहा कि होल्डर ने जरूरी समय पर विकेट लिए, जिसमें श्रेयस अय्यर का अहम विकेट भी शामिल था। उन्होंने जियोस्टार पर कहा, 'जिस तरह से जेसन होल्डर ने इस टीम पर अपना असर डाला है, चाहे वह बल्ले से हो या गेंद से, वह बहुत शानदार रहा है। उन्होंने कई अहम विकेट लेने में योगदान दिया, जिसमें श्रेयस अय्यर का महत्वपूर्ण विकेट भी शामिल है। 'पुजारा ने आगे कहा कि होल्डर की खासियत यह है कि वह टीम में कई तरह की भूमिका निभा सकते हैं। उनकी मौजूदगी से टीम का संतुलन मजबूत हुआ है। उन्होंने बताया कि गुजरात टाइटंस को मध्यक्रम की बल्लेबाजी को लेकर थोड़ी चिंता थी, लेकिन होल्डर नंबर 5, 6 या 7 पर कहीं भी बल्लेबाजी कर सकते हैं, जिससे टीम को मजबूती मिलती है।

रविवार को खेले गए मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के मुकाबले पर बात करते हुए पुजारा ने युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि अंगकृष ने अपनी उम्र से ज्यादा समझदारी दिखाते हुए टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा, 'कुल मिलाकर, यह एक बेहतरीन प्रदर्शन था। जहां दूसरे खिलाड़ियों ने भी योगदान दिया, वहीं लक्ष्य का पीछा करने में अंगकृष ने सबसे अहम भूमिका निभाई। 47 गेंदों पर उनके बनाए 59 रनों ने टीम को वह स्थिरता दी जिसकी उस समय सबसे ज़्यादा ज़रूरत थी।'

इस युवा खिलाड़ी के संयम और आत्मविश्वास की तारीफ करते हुए पुजारा ने कहा, 'उन्होंने जबरदस्त धैर्य और संयम दिखाया और एक 'एंकर' की भूमिका को पूरी तरह से निभाया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415